'मैं पिज्जा नहीं हूं...' शेफाली शाह ने पहली शादी टूटने का दर्द किया बयां, बताई तलाक की सच्चाई?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 36
न्यूनतम - 24

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 277 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 24 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रुपया

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सा क्षेत्र में तीन वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार

मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को समझने के तरीके को बदल दिया

कार्ल डिसेरोथ पीटर हेगमैन जॉर्ज नागेल

स्टॉकहोम (एजेंसी)। 2026 में चिकित्सा का नोबेल तीन वैज्ञानिकों को उनकी ऐसी खोज के लिए मिला, जिसने मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को समझने के तरीके को बदल दिया। उनकी रिसर्च से प्रकाश की मदद से खास तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करना संभव हुआ। इन वैज्ञानिकों की वह खोज क्या है और इसने मस्तिष्क की रिसर्च को कैसे बदल दिया? कौन से वैज्ञानिकों को पुरस्कार मिला है? नोबेल पुरस्कार की घोषणा शुरू हो गई। फिजियोलॉजी या मेडिसिन के नोबेल पुरस्कार के लिए कार्ल डाइसेरोथ, पीटर हेगेमैन और जॉर्ज नागेल को संयुक्त रूप से चुना गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सीईसी, एसआईआर और बैलेट पेपर पर याद दिलाईं तीन शर्तें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को चुनावी ढांचे को लेकर पार्टी की ओर से तीन मुख्य मांगें रखी। उन्होंने कहा कि यह मांग ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता है। कांग्रेस अध्यक्ष

मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पार्टी कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर इन मांगों के समर्थन में देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। खरगे ने लिखा, कांग्रेस पार्टी की तीन मांगें ऐसी हैं जिन पर कोई समझौता नहीं हो सकता। पहली, ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, दूसरी, एसआईआर को रद्द करना, तीसरी, बैलेट पेपर से चुनाव कराना। इन तीन मुद्दों को लेकर देश भर में कांग्रेस कार्यकर्ता और इंडिया गठबंधन के सहयोगी सड़कों पर हैं।

रूस में अज्ञात बीमारी से लैब कर्मचारी की मौत

200 लोग क्वॉरेंटाइन, प्रयोगशाला में जिंदा प्लेग बैक्टीरिया वाली टेस्ट ट्यूब टूटी थी

मॉस्को (एजेंसी)। रूस में 28 साल की महिला कर्मचारी की अज्ञात बीमारी से मौत हो गई। इसके बाद उसके संपर्क में आए करीब 200 लोगों को मेडिकल निगरानी में रखा गया है। महिला साइबेरिया के एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, 25 सितंबर को लैब में काम करते समय उससे जीवित जैविक नमूनों वाली एक टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। 29 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर वेंटिलेटर पर रखा गया। इलाज के दौरान 1 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई।

मायावती ने आकाश आनंद को फिर बहुजन समाज पार्टी में दी जिम्मेदारी, बनाया राष्ट्रीय संयोजक

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने आकाश आनंद को फिर पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। कुछ दिन पहले आकाश ने सोशल मीडिया के माध्यम से दोबारा पार्टी में काम करने की इच्छा जताई थी। मायावती ने उनके अनुरोध और पार्टी नेताओं की राय के बाद उन्हें पुरानी जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

न मूर्ति, न मंदिर.. शरीर पर राम नाम गुदवाकर भक्ति करता है छत्तीसगढ़ का ये समुदाय

130 साल पहले शुरू हुई थी परंपरा

रायपुर/नई दिल्ली। 'जाकी रही भावना जैसी प्रभु, मूरत देखी तिन तैसी' रामचरित मानस में लिखे गोस्वामी तुलसीदास के ये वाक्य भक्ति के अलग-अलग रूपों के बारे में बताते हैं। कोई भक्ति में झूमने लगता है, तो कोई पूजा-पाठ के माध्यम से अपने ईश्वर को रिझाने की कोशिश करता है। पर छत्तीसगढ़ में एक ऐसा भी समुदाय है, जिसने ईश्वर को पूजने के लिए एक अलग ही मार्ग अपनाया। रामनामी समुदाय भगवान श्री राम की भक्ति में अपना पूरा जीवन ही समर्पित कर दिया। भगवान श्री राम इस समुदाय की संस्कृति का अहम हिस्सा

छत्तीसगढ़ में महानदी के आसपास रहने वाले रामनामी समुदाय के लोगों के दिन की शुरुआत और अंत राम का नाम लेकर होता है।

130 साल पहले रखी गई थी इस समाज की नींव

रामनामी समाज के लोगों को देखकर लग सकता है कि यह परंपरा सदियों पुरानी होगी, पर इसकी नींव आज से लगभग 130 साल पहले 1890 में रखी गई थी। उस समय युवक परशुराम ने निर्गुण भक्ति का मार्ग अपनाया और राम का वास मूर्ति में न मानकर स्मरण करने को अपनाया। बताते चलें कि आज इस समाज के ज्यादातर लोग सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ तक ही सिमट रह गए हैं।

भगवान श्री राम का ननिहाल है छत्तीसगढ़

ऐसी धार्मिक मान्यता है कि प्रभु राम की माता कौशल्या का जन्म छत्तीसगढ़ के रायपुर में चंदखुरी गांव नामक गांव में हुआ था। त्रेता युग में इस स्थान को दक्षिण कौशल कहा जाता था। यही वजह है कि यहां माता कौशल्या को समर्पित इकलौता मंदिर भी है।

यूपी- राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने घोषित किए 8 उम्मीदवार

● **धर्मपाल सिंह और प्रियंका समेत अनुभवी नेताओं को दिया मौका**

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश से आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है। पार्टी ने अनुभवी नेताओं और नए चेहरों के मिश्रण को प्राथमिकता दी है। यह सूची पार्टी की रणनीति का एक अहम हिस्सा मानी जा रही है।

● धर्मपाल सिंह ● राधाकांत ओझा ● प्रकाश पाल ● विद्यासागर सोनकर ● गोपी कृष्ण पाण्डेय ● प्रियंका सिंह रावत ● राम प्रताप सिंह चौहान ● श्रुति गंगवार

भाजपा की ओर से जारी सूची में सामाजिक समीकरणों का विशेष ध्यान रखा गया है।

100 अरब डॉलर का निवेश और 10 लाख नौकरियां...

स्विट्जरलैंड के साथ भारत की मेगा डील, 6 बड़े फैसलों का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच रिश्तों को नई मजबूती देने के लिए सोमवार को कई अहम फैसले लिए गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन के बीच नई दिल्ली के

हैदराबाद हाउस में हुई बैठक में निवेश, रोजगार, एक्सपोर्ट, युवाओं, ईवी, इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च और टेक्नोलॉजी पर खास जोर दिया गया।

भारत और यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के बीच हुए ट्रेड एंड इकोनॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट के तहत अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश आने और करीब 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होने का लक्ष्य है।

संशोधित फॉर्म-6 को हमने मंजूरी नहीं दी

ईसी ने कहा था- इजाजत मिली

● सीजेआई सूर्यकांत की दो टूक, पता लगाया जा सके किसने किया बदलाव ● चुनाव आयोग और केंद्र को जारी किया नोटिस,

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उसने निर्वाचन आयोग के नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म 6 के किसी संशोधित प्रारूप को मंजूरी नहीं दी है। अदालत की यह टिप्पणी 2025 में फॉर्म में जोड़े गए एक अतिरिक्त घोषणा पत्र को लेकर चल रहे विवाद के बीच आई।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि अदालत रिकॉर्ड की जांच करना चाहती है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि फॉर्म 6 में बदलाव किसने किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, संशोधित फॉर्म 6 को हमने मंजूरी नहीं दी है, यह बिल्कुल स्पष्ट है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब रिकॉर्ड अदालत के सामने आएगा तो वह देखना चाहती है कि फॉर्म 6 में बदलाव किसने किया। दरअसल, 28 सितंबर को निर्वाचन आयोग ने इस विवाद पर जारी बयान में कहा था कि फॉर्म 6 के साथ जोड़ी गई घोषणा को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा था।

राहुल गांधी का ज्ञानेश कुमार पर हमला, कहा- फॉर्म 6 में किया अवैध-एकतरफा बदलाव-फॉर्म 6 में कथित बदलाव को लेकर राहुल गांधी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर फिर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि बदलाव अवैध और एकतरफा तरीके से किया गया।

सीईसी को निलंबित करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निलंबित करने का अंतरिम आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। उन पर आरोप है कि उन्होंने दो अन्य निर्वाचन आयुक्तों की सहमति के बिना एकतरफा फैसले लिए। पीठ ने कहा कि जब तक निर्वाचन आयोग की ओर से जवाब नहीं मिलता, तब तक वह यह मानकर चलेगी कि आयोग के फैसले कानून के अनुरूप लिए गए हैं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, रिपोर्ट सही हो सकती है या गलत, लेकिन हम उसके आधार पर आदेश पारित नहीं कर सकते। हमें उनके जवाब का इंतजार करना होगा।

रात 10 बजे के बाद क्यों बढ़ता है डर ? महिला सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, पुलिस को दिखाया आईना

दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त रुख अपनाया। अदालत ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से कहा कि राजधानी में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि हर महिला सार्वजनिक जगहों और सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते समय खुद को सुरक्षित महसूस करे। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि एनसीटी दिल्ली में हर महिला सुरक्षित महसूस करे, चाहे वह रात 10 बजे पैदल चल रही हो या मेट्रो और सड़क के रास्ते सफर कर रही हो। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर में हाल में सामने आए दुष्कर्म और यौन उत्पीड़न के मामलों को लेकर स्वत: संज्ञान से शुरू की गई सुनवाई कर रहा है।

● **दिल्ली-एनसीआर में लगातार सामने आ रहे मामले**- सुप्रीम कोर्ट ने 28 सितंबर को दिल्ली-एनसीआर में महिलाओं और नाबालिगों से जुड़े कई मामलों का स्वत: संज्ञान लिया था। इनमें कालकाजी के आस्था कुंज पार्क में 17 साल की किशोरी से कथित सामूहिक दुष्कर्म, स्वरूप नगर में एक नाबालिग से कथित गैंगरेप और ग्रेटर नोएडा से दिल्ली आ रही बस में 16 साल की लड़की के कथित यौन उत्पीड़न का मामला शामिल था।

बिहार दरोगा परीक्षा भर्ती को लेकर पटना में प्रदर्शन

बेरीकेट तोड़ी, पुलिस ने भांजीं लाठियां

पटना (एजेंसी)। कॅरियर में आगे कोई संकट नहीं हो, इसलिए पहचान छिपाने का संकट। प्रदर्शन भी जरूरी है, ताकि सरकार बात माने। इसी ऊहापोह में छात्र देरी से जुटे। सुबह 11 बजे से ही प्रदर्शन की तैयारी थी, लेकिन जुटान में समय लगा। अब माहौल बन गया और जमकर हंगामा हुआ। दरोगा परीक्षार्थियों का जत्था फिर पटना में मुख्यमंत्री आवास घेरने के लिए निकला तो प्रदर्शनकारियों की आवाज गूंजती रही। रास्ते जाम हो गए। कुल मिलाकर प्रदर्शन के कारण एक बार फिर पटना में पुलिस के लिए असहज स्थिति दिखी। दरोगा अभ्यर्थियों ने बैरिकेड तोड़ दी, जिसपर नियंत्रण के लिए पुलिस ने लाठियां भांजीं। जत्था तितर बितर होकर डाकबंगला चौराहे की ओर बढ़ा।

पटना में दरोगा भर्ती परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन एक बार फिर तेज हो गया है। सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे बड़ी संख्या में दरोगा अभ्यर्थी गांधी मैदान से जेपी गोलंबर की ओर मार्च करने निकले। हालांकि, जेपी गोलंबर के पास पटना पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। मौके पर पुलिस के साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं।

ममता का तीन अस्पतालों को कानूनी नोटिस

● **पूछा- मेरी मेडिकल रिपोर्ट शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंची**

कोलकाता (एजेंसी)। 2021 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पैर में फ्रैक्चर का दावा करने वाली ममता बनर्जी ने सोमवार को 3 अस्पतालों को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने पूछा है कि उनके इलाज से जुड़े मेडिकल रिकॉर्ड पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी तक कैसे पहुंचे। यह मामला तब सामने आया है, जब शुभेंदु ने 3 अक्टूबर को आरोप लगाया कि ममता ने 2021 के चुनाव के दौरान अपनी चोट को लेकर गलत दावे किए थे। उन्होंने कहा कि वे इस मामले की जांच कराएंगे।

यह नोटिस 5 अक्टूबर को अस्पताल के निदेशक डॉ. मणिमय बंद्योपाध्याय, बांगुर इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट और वाइस प्रिंसिपल डॉ. पिजुश कुमार रॉय को और बांगुर इंस्टीट्यूट के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. अतनु विश्वास को भेजा गया है।

बेंगलुरु-मुंबई के बीच दौड़ेगी देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

16 घंटे से भी कम में पूरा होगा सफर

नई दिल्ली(एजेंसी)। इस साल की शुरुआत में गुवाहाटी और हावड़ा के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू करने के बाद, इंडियन रेलवे अब दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उम्मीद है कि रेलवे बोर्ड जल्द ही केएसआर बेंगलुरु-मुंबई सीएसएमटी वंदे भारत स्लीपर के लिए नोटिफिकेशन जारी करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रेन को इसी महीने के आखिर में हरी झंडी दिखाई जा सकती है। देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर सर्विस से भारत के टेक्नोलॉजी हब बेंगलुरु और फाइनेंशियल कैपिटल मुंबई के बीच रेल यात्रा के समय में काफी कमी आने की उम्मीद है।

मुंबई-बेंगलुरु वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

प्रस्तावित शेड्यूल के अनुसार, यह प्रीमियम ट्रेन दोनों दिशाओं में हफ्ते में छह दिन चलेगी और 16 घंटे से भी कम समय में यह दूरी तय करेगी। अभी, इन दोनों शहरों को जोड़ने वाली एकमात्र सीधी डेली चलने वाली ट्रेन, उद्यान एक्सप्रेस, को यह सफर पूरा करने में औसतन 24 घंटे लगते हैं।

स्मित मच्छार को मिला मोरारी बापू का हनुमान प्रसाद

संत ने दिए 21 लाख रुपये, दोनों बजरंग बली के भक्त

अहमदाबाद (एजेंसी)। फ्लाईदुबई के हीरो कैप्टर स्मित मच्छार ने प्रसिद्ध रामकथाकार मोरारी बापू ने

21 लाख देने का ऐलान किया है। मूलरूप से गुजरात के रहने वाले स्मित मच्छार ने 2 अक्तूबर को फ्लाईदुबई कैप्टन स्मित मच्छार ने दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान के दौरान कॉकपिट में हुए जानलेवा हमले और संकट के समय अदम्य साहस का परिचय देते विमान को सुरक्षित बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इससे 180 यात्रियों की जान बची थी। बाद में पीएम मोदी से बातचीत में स्मित मच्छार ने कहा था कि वह संकट के वक्त पर हनुमान चालीसा का पाठ कर रहे थे। हनुमान को अराध्य के दौर पूजने वाले मोरारी बापू ने गुजरात के सूपत स्मित मच्छार को 21 लाख रुपये बतौर हनुमान प्रसाद के दौरे पर देने का ऐलान किया है।

लखनऊ में 40 हजार घरों में पानी घुसा

बिहार के 466 गांवों में बाढ़, एमपी में 7 अक्टूबर से बारिश का अनुमान; राजस्थान में पारा 41 डिग्री

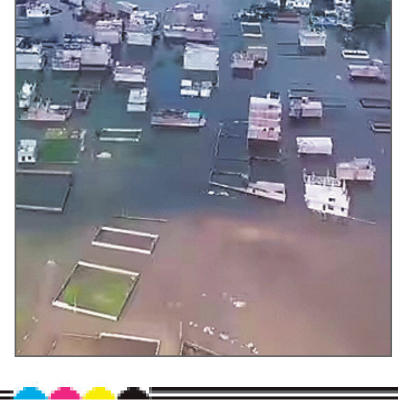

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 9 दिनों से बारिश नहीं हुई, लेकिन बांधों से छोड़े गए पानी के कारण 11 जिलों में 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर हैं। लखनऊ के 40 हजार घरों में गोमती नदी का पानी घुस गया। 10 हजार लोग सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं। गलियों में नाव चल रही हैं। गोमती रिवर फ्रंट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

बिहार में 6 जिलों के करीब 466 गांवों में बाढ़ हैं। करीब 8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। 92,730 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। सारण में सबसे ज्यादा 3.55 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं और 44 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद दिन में गर्मी और रात में ठंड बढ़ गई है। पिछले 3 दिनों में रात का तापमान 4 डिग्री तक गिरा है। अमरकंटक में तापमान 16 डिग्री और इंदौर में 18 डिग्री पहुंच गया। मौसम विभाग ने 7 से 9 अक्टूबर के बीच 14 शहरों में बारिश का अनुमान जताया है।

10 हजार लोगों ने किया पलायन

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में गोमती नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर से बाढ़ के हालात भयावह होते जा रहे हैं। सोमवार को सातवें दिन भी नदी का पानी तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ रहा है। बाढ़ की सबसे भीषण मार फैजुल्लागंज क्षेत्र पर पड़ी है, जहां के करीब 40 हजार घरों में 4 से 5 फीट तक पानी भर चुका है। गोमती का पानी कृष्ण लोक कॉलोनी से लेकर नंदपुरम तक फैल गया है। गोमती रिवर फ्रंट के किनारे स्थित प्रसिद्ध हनुमंत धाम, लेटे हनुमान मंदिर और बख्शी का तालाब स्थित ऐतिहासिक चंद्रिका देवी मंदिर परिसर तक पानी पहुंच चुका है।

अनमोल वचन

इस सृष्टि के कारण का विधान परमात्मा के हाथ में है। उसे चाहे अटल नियम कहें, काल कहें, विधाता या परमेश्वर कहें, बात एक ही है। इसे मानना अवश्य पड़ता है। इससे बुद्धि को एक स्थिति प्राप्त होती है। उसे माने बिना बुद्धि सदैव भ्रमित रहती है। किन्तु मनुष्य का अपना भी अपने भाग्य विधान से कुछ सम्बन्ध अवश्य है। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि मनुष्य स्वाधीन नहीं है। उसका जीवन परमात्मा के विधान के अनुरूप ही चलता है। न्याय की दृष्टि से उसका विधान भी स्वतंत्र होना चाहिये और निष्पक्ष भी। यह बात ठीक भी है। ईश्वर ने कर्मफल का एक अटल नियम बना दिया है। उसी के अनुसार मनुष्य का भाग्य बनता-बिगड़ता है। भ्रम तब होता है जब कई बार परिश्रम से कार्य करने पर भी परिणाम विपरीत प्राप्त हो जाते हैं, तो लोग भाग्य और भगवान को दोष देने लगते हैं। परन्तु यह नहीं सोचते कि भाग्य तो हमारे पूर्व संचित कर्मों का ही परिणाम है। जिसे आज भाग्य कहकर पुकारा जाता है, वह भी तो काल के हमारे कर्मों का ही फल है और उसके उत्तरदायी हम ही हैं।

यूपी पुलिस भर्ती में मेरठ गए मुजफ्फरनगर व शामली के चार युवकों की बिगडी तबीयत

मेरठ में बीमार हुए आठ अभ्यर्थियों में दो के पैर में हुआ फ्रैक्चर, सभी को भर्ती टीम ने अस्पताल में करया भर्ती

मुजफ्फरनगर शामली। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती की प्रक्रिया के तहत सोमवार को मेरठ स्थित छठी वाहिनी पीएसी परिसर में शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) की शुरूआत हुई। कड़े सुरक्षा घेरे और मेडिकल टीमों की निगरानी में आयोजित इस परीक्षा के पहले ही दिन कड़ी धूप और शारीरिक दबाव के कारण 8 अभ्यर्थियों की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिनमें मुजफ्फरनगर व शामली के चार अभ्यर्थी भी शामिल हैं। वहीं बागपत व गौतमबुद्धनगर के दो अभ्यर्थियों के पैर में गंभीर फ्रैक्चर होने की पुष्टि हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार, सोमवार को आयोजित विभिन्न राउंड्स में कुल 828 अभ्यर्थियों ने अपनी शारीरिक दक्षता सिद्ध करने के लिए दौड़ लगाई। अभ्यर्थियों को 25 मिनट की निर्धारित समय सीमा के भीतर 4.8 किलोमीटर की दूरी तय करनी थी। इसके लिए ग्राउंड पर बनाए गए रेसिंग ट्रैक के कुल 12 चक्कर लगाना अनिवार्य किया गया था। जब दौड शुरू हुई तो अत्यधिक शारीरिक मेहनत के कारण कई अभ्यर्थियों को डिहाइड्रेशन और मांसपेशियों में

खिंचाव की समस्या का सामना करना पड़ा और आठ अभ्यर्थी गश खाकर गिर पडे। तबीयत बिगड़ने पर ट्रैक पर मौजूद मेडिकल टीमों ने तुरंत मोर्चा संभाला और प्राथमिक उपचार देने के बाद आठ अभ्यर्थियों को एम्बुलेंस की मदद से एसडीएस ग्लोबल अस्पताल व अन्य निकटतम सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया।

इनकी बिगड़ी तबीयत, दो के पैर में हुआ फ्रैक्चर

पुलिस भर्ती के दौरान जिन आठ अभ्यर्थियों की तबीयत बिगड़ गई, जिनमें मुजफ्फरनगर निवासी विपुल, शामली निवासी अजय, पंकज व रितिक शर्मा भी शामिल है। वहीं गाजियाबाद निवासी मुकुल, मोदीनगर निवासी आकाश इस सूची में शामिल हैं। वहीं गौतमबुद्धनगर निवासी प्रिंस और बागपत निवासी सुमित डांगी के पैर में फ्रैक्चर हो गया है।

सात दिनों तक चलेगी भर्ती प्रक्रिया

मेरठ के छठी वाहिनी पीएसी केंद्र पर यह शारीरिक दक्षता परीक्षा करीब सात दिनों तक संचालित की जाएगी। इस पूरी प्रक्रिया में लिखित परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले लगभग 4,500 अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान है। पीएसी परिसर के भीतर और ट्रैक के आसपास पर्याप्त संख्या में पैरामेडिकल स्टाफ, जीवन रक्षक दवाएं और एम्बुलेंस तैनात रखी गई हैं ताकि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में अभ्यर्थी को तत्काल त्वरित चिकित्सकीय सहायता दी जा सके।

तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप ने ई-रिक्शा में मारी टक्कर, तीन गंभीर घायल

मीरापुर में रजवाहे के आगे बाग के पास हुआ हादसा, ई-रिक्शा चालक के दोनों हाथ-पैर टूटने और सिर में गंभीर चोट का आरोप; मेरठ रेफर, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाए जा रहे बोलेरो पिकअप वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में ई-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गंभीर रूप से घायल ई-रिक्शा चालक को पहले जानसठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर मेरठ रेफर कर दिया गया। परिजनों ने घायल को मेरठ के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया है। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर बोलेरो पिकअप चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव कुतुबपुर निवासी मुनीष ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका भतीजा रिजवान पुत्र स्वर्गीय रहीश, उम्र करीब 30 वर्ष, तीन अक्टूबर की शाम लगभग छह बजे अपनी ई-रिक्शा संख्या यूपी-12-डीटी-2360 में गांव कुतुबपुर की दो सवारियों को बैठाकर मीरापुर से कुतुबपुर की ओर जा रहा था। ई-रिक्शा में जिया पुत्री बलराज, उम्र करीब 18 वर्ष और आरयन पुत्र बालकराम, उम्र करीब 13 वर्ष भी सवार थे।

तहरीर के अनुसार, रिजवान जब ई-रिक्शा लेकर रजवाहे से आगे बाग के पास पहुंचा, तभी सामने से एक बोलेरो पिकअप वाहन संख्या यूपी-12-डीटी-0593 आया। आरोप है कि पिकअप चालक वाहन को तेज गति और लापरवाही से चला रहा था तथा गलत दिशा में आकर उसने रिजवान की ई-रिक्शा में सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ई-रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में चालक रिजवान के दोनों हाथ और पैर टूटने के साथ ही सिर में गंभीर चोट आने की बात तहरीर में कही गई है। ई-रिक्शा में सवार दोनों यात्रियों को भी गंभीर चोटें लगने का आरोप है। हादसे के बाद घायल रिजवान और दोनों सवारियों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जानसठ ले जाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद रिजवान और दोनों घायलों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी हालत को देखते हुए सभी को मेरठ रेफर किए जाने की बात तहरीर में कही गई है। परिजनों ने गंभीर रूप से घायल रिजवान को मेरठ स्थित एम्स अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

घटना के संबंध में मुनीष ने चार अक्टूबर को मीरापुर थाने में तहरीर देकर बोलेरो पिकअप चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब हादसे की परिस्थितियों, वाहनों की स्थिति और चालक की भूमिका की जांच कर रही है। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त ई-रिक्शा और बोलेरो पिकअप को लेकर भी पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है। पुलिस जांच के बाद ही हादसे के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों और चालक की वास्तविक भूमिका स्पष्ट हो सकेगी।

मीरापुर में पंजाबी कॉलोनी से बाइक चोरी: सीटीवी खंगालने में जुटी पुलिस

युवक किसी काम से गया, वापस आने पर गायब मिली बाइक

मीरापुर (मुजफ़्फ़रनगर)। कस्बे के घनी आबादी वाले क्षेत्र पंजाबी कॉलोनी में बाइक चोरी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। किसी काम से आए एक युवक की स्प्लेंडर बाइक को चोरों ने निशाना बनाकर उड़ा लिया। काफी खोजबीन और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद भी जब बाइक का कोई अता पता नहीं चला, तो पीड़ित ने मामले की शिकायत स्थानीय पुलिस से की।

काम से लौटा युवक, तो मौके से गायब मिली बाइक

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हस्तिनापुर निवासी सत्य प्रकाश शाम के समय अपनी हीरो स्प्लेंडर बाइक से किसी व्यक्तिगत कार्यवश मीरापुर कस्बे की पंजाबी कॉलोनी आया

हुआ था। उसने अपनी बाइक को कॉलोनी के एक निर्धारित स्थान पर खड़ा किया और खुद अपने काम से चला गया। कुछ समय बाद जब वह काम निपटाकर वापस लौटा, तो वहां का दृश्य देखकर हैरान रह गया। जिस जगह उसने अपनी बाइक खड़ी की थी, वहां से वाहन गायब था।

आसपास तलाश के बाद भी नहीं लगा सुराग

बाइक मौके पर न पाकर पीड़ित ने तत्काल आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। काफी देर तक क्षेत्र में तलाश करने के बावजूद जब बाइक का कोई पता नहीं चला, तो पीड़ित ने स्थानीय लोगों की मदद से आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू किया। देर शाम तक कड़ी मशक्कत के बाद भी बाइक और चोरों का कोई स्पष्ट सुराग नहीं लग सका।

पुलिस को दी गई तहरीर, जांच शुरू

घटना के बाद पीड़ित सत्य प्रकाश ने स्थानीय पुलिस थाने पहुंचकर मामले की लिखित जानकारी दी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही बाइक का पता लगाकर चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मीरापुर क्षेत्र की गंग नहर में जहर घोलकर बेजुबानों का शिकार: सैकड़ों मछलियां मरने से मचा हड़कंप, जांच के दिए गए आदेश

ग्रामीणों के विरोध के बाद हरकत में आए वन विभाग ने शुरू की जांच

मीरापुर (मुजफ़्फ़रनगर)। मीरापुर-रामराज क्षेत्र के तहत देवल गंग नहर में अज्ञात तत्वों द्वारा मछलियों के अवैध शिकार के लिए जहरीला पदार्थ मिलाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहर के प्रभाव से नहर में मौजूद सैकड़ों छोटी-बड़ी मछलियां तड़प-तड़पकर मर गईं और पानी की सतह पर तैरने लगीं। सुबह जैसे ही ग्रामीणों ने नहर का दृश्य देखा, पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, घटना रामराज क्षेत्र स्थित गांव जमालपुर नहर पुल के पास की है। आशंका जताई जा रही है कि कुछ अज्ञात शिकारियों ने अधिक से अधिक मछलियां पकड़ने के लालच में देर रात देवल गंग नहर में कोई खतरनाक जहरीला केमिकल उड़ेल दिया। जहर फैलते ही नहर का जलीय पारिस्थितिक तंत्र पूरी तरह प्रभावित हो गया। शिकारियों ने रात के अंधेरे में ही जाल डालकर पानी की सतह पर आई बड़ी मछलियों को समेट लिया और फरार हो गए। सुबह जब ग्रामीण नहर की तरफ पहुंचे, तो उन्होंने पाया कि पानी के ऊपर बड़ी संख्या में मृत छोटी-बड़ी मछलियां उतरा रही थीं।

नहर का पानी बदबूदार हो चुका था और जलीय जीवों का यह हाल देख स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि नहर का पानी आसपास के मवेशी भी पीते हैं, ऐसे में जहरीले पदार्थ के कारण पशुओं की जान को भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। आक्रोशित ग्रामीणों ने तुरंत मामले की जानकारी प्रशासनिक अधिकारियों और वन विभाग को दी। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वन क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि गंग नहर में जहरीला पदार्थ डालने का मामला बेहद गंभीर है। मामले की निष्पक्ष जांच शुरू करा दी गई है। पानी के नमूने और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य और नाम सामने आएंगे, उनके आधार पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी व पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

बुडीना कला के जंगल में बिजली के तारों पर चोरों का हाथ, 13 एचटी और सात एलटी पोल की लाइन चोरी

3,900 मीटर हाईटेंशन और 2,100 मीटर एलटी लाइन काटकर ले गए चोर, किसानों की ट्यूबवेलों की बिजली आपूर्ति ठप; तितावी थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र में बिजली के तार चोरी करने का मामला सामने आया है। अज्ञात चोरों ने बुडीना कला और धौलरी गांव के जंगल में बिजली के कई पोलों की लाइन काटकर चोरी कर ली। चोर 11 हजार वोल्ट की लाइन के साथ-साथ एलटी लाइन के तार भी काटकर ले गए। तार चोरी होने से क्षेत्र के किसानों की ट्यूबवेलों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। विद्युत विभाग की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर तितावी पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विद्युत विभाग के 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र बुडीना कला से निर्गत 11 केवी बुडीना कृषि फीडर की लाइन को चोरों ने निशाना बनाया। अवर अभियंता अरुण कुमार पांडेय की ओर से तितावी थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, दो और तीन अक्टूबर की मध्यरात्रि में अज्ञात चोरों ने बुडीना कला और धौलरी गांव के जंगल में वारदात को अंजाम दिया। तहरीर के मुताबिक, चोरों ने 11 केवी बुडीना कृषि फीडर की 13 पोलों की हाईटेंशन लाइन काटकर चोरी कर ली। चोरी की गई हाईटेंशन लाइन की कुल लंबाई करीब 3,900 मीटर बताई गई है। इसके अलावा एलटी लाइन के भी सात पोलों के तार काटकर चोरी किए गए, जिनकी लंबाई करीब 2,100 मीटर है। एक ही रात में बड़ी मात्रा में बिजली के तार चोरी होने से विद्युत विभाग में भी हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद विभागीय अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर चोरी गए तारों का आकलन किया और पुलिस को तहरीर दी। बिजली की लाइन चोरी होने का सीधा असर क्षेत्र के किसानों पर पड़ा है। तहरीर में बताया गया है कि तार चोरी होने के कारण गांव के काफी किसानों की ट्यूबवेलों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। इससे सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की बात कही गई है। कृषि फीडर से जुड़े किसानों को बिजली नहीं मिलने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विद्युत विभाग की ओर से चोरी गई लाइन को लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अवर अभियंता अरुण कुमार पांडेय ने तीन अक्टूबर को तितावी थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब घटनास्थल के आसपास की जानकारी जुटाने के साथ ही चोरों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। इतनी बड़ी मात्रा में तार काटकर ले जाने की घटना में पुलिस आसपास के रास्तों, संभावित वाहनों और संदिग्ध गतिविधियों की भी जांच कर सकती है। मामले में पुलिस की जांच के बाद ही चोरी में शामिल आरोपियों और घटना के पूरे तरीके का खुलासा हो सकेगा।

रास्ते में रोककर तमंचे की बट, चाकू और लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप, चार के खिलाफ मुकदमा

भांग पीने और बेचने का आरोप लगाते हुए युवक ने कोर्ट में दी अर्जी, थाने से लेकर पुलिस के उच्चाधिकारियों तक शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने का दावा; जानसठ पुलिस ने दर्ज किया मामला

मुजफ्फरनगर। जानसठ थाना क्षेत्र में रास्ते में रोककर एक युवक के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि चार लोगों ने उसे घेरकर हमला किया, जिसमें एक आरोपी ने तमंचे की बट से, दूसरे ने चाकू से, जबकि अन्य आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला किया। साथ मौजूद दो लोगों ने किसी तरह उसे हमलावरों से बचाया। मामले में थाने से लेकर पुलिस के उच्चाधिकारियों तक शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई न होने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र के आधार पर अब जानसठ पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला ग्राम नंगला मुबारिक निवासी नवीन पुत्र जगत सिंह से जुड़ा है। न्यायालय सिविल जज (जूनियर डिवीजन)/न्यायिक मजिस्ट्रेट जानसठ में दिए गए प्रार्थना पत्र में नवीन ने चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। प्रार्थना पत्र के अनुसार घटना 10 अगस्त 2026 की शाम करीब चार बजे की बताई गई है।

मलिकपुरा और काटका के बीच रास्ते में रोकने का आरोप

नवीन के अनुसार वह 10 अगस्त को अपने गांव के राहुल पुत्र पवन तथा मलिकपुरा निवासी बिशन पुत्र एकतारा के साथ ग्राम मलिकपुरा की ओर जा रहा था। आरोप है कि ग्राम काटका और मलिकपुरा के बीच रास्ते में उसे टीटू पुत्र रणधावा निवासी मलिकपुरा, सद्दाम पुत्र असलम, सरताज उर्फ राणा पुत्र मालू तथा एक अज्ञात व्यक्ति निवासीगण काटका मिले। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि चारों लोगों ने उसे देखते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद सभी ने एकराय होकर उसके साथ मारपीट की।

तमंचे की बट और चाकू से हमला करने का आरोप

नवीन ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि टीटू ने अपने हाथ में लिए देसी तमंचे की बट से उस पर हमला किया, जबकि सद्दाम ने चाकू से हमला किया। वहीं सरताज उर्फ राणा और अज्ञात व्यक्ति पर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित का आरोप है कि हमले के दौरान सभी आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। उसके साथ मौजूद राहुल और बिशन ने बीच-बचाव करते हुए किसी तरह उसे हमलावरों से बचाया।

सिर और आंख के पास चोट लगने का दावा

शिकायत के अनुसार मारपीट में नवीन के सिर, आंख के बाईं ओर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आईं। घटना के दिन ही थाने में शिकायत देने के बाद पुलिस की ओर से उसका मेडिकल कराया गया। प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि 10 अगस्त 2026 को शाम करीब 6:30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जानसठ में उसका चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। पीड़ित ने मेडिकल रिपोर्ट को भी अपनी शिकायत में महत्वपूर्ण आधार बताते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

थाने से लेकर अधिकारियों तक लगाई गुहार

नवीन के मुताबिक उसने घटना के दिन ही थाना जानसठ में तहरीर दी थी, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उसने 17 अगस्त और 25 अगस्त 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। प्रार्थना पत्र के अनुसार इसके बाद भी कार्रवाई न होने पर 31 अगस्त को पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को भी रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से शिकायत भेजी गई। इसमें पुलिस महानिदेशक लखनऊ, पुलिस महानिरीक्षक मेरठ, पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर को प्रार्थना पत्र भेजे जाने का उल्लेख किया गया है।

मोटरसाइकिल लेने मिस्त्री के यहां गया 14 वर्षीय किशोर लापता, तलाश के बाद भी नहीं मिला सुराग

30 सितंबर को घर से निकला था शिवा, मिस्त्री के यहां मोटरसाइकिल लेने जाने की बात कहकर निकला; परिजनों ने काफी तलाश के बाद नई मंडी थाने में दर्ज कराई गुमशुदगी

मुजफ्फरनगर। नई मंडी थाना क्षेत्र में घर से मोटरसाइकिल लेने के लिए मिस्त्री के यहां गया 14 वर्षीय किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। काफी तलाश करने के बावजूद जब किशोर का कोई सुराग नहीं मिला तो पिता ने नई मंडी थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने किशोर की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

बर्फखाने वाली गली निवासी कवरपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका 14 वर्षीय पुत्र शिवा 30 सितंबर 2026 को दोपहर करीब दो बजे घर से मोटरसाइकिल लेने के लिए मिस्त्री के यहां गया था। परिजनों के अनुसार, शिवा को मोटरसाइकिल लेकर वापस घर लौटना था, लेकिन वह काफी समय बीतने के बाद भी वापस नहीं आया।

परिजनों ने रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर की तलाश

शिवा के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने अपने स्तर से उसकी काफी तलाश की। रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर भी उसके बारे में जानकारी की गई, लेकिन कहीं से कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी।

पिता कवरपाल ने पुलिस से किशोर की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश कराने की गुहार लगाई है।

सफेद-नीली चेक की शर्ट और जींस पहने था किशोर

तहरीर में किशोर का हुलिया भी बताया गया है। शिवा की लंबाई करीब पांच फुट चार इंच बताई गई है और उसका रंग गेहरा है। वह घर से निकलते समय सफेद-नीली चेक की शर्ट, जींस की पैंट और पैरों में चप्पल पहने हुए था। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करने के बाद किशोर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस उसके घर से निकलने के बाद किन स्थानों पर गया, मिस्त्री के यहां पहुंचा या नहीं और उसके बाद वह कहां गया, इस संबंध में जानकारी जुटा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी पुलिस की जांच में अहम हो सकती है।

किशोर के अचानक लापता होने से परिजन परेशान हैं और उसके सुरक्षित वापस लौटने की उम्मीद लगाए हुए हैं। पुलिस का कहना है कि किशोर की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

मुजफ्फरनगर में संविदा स्वास्थ्यकर्मियों का हल्लाबोल: बाजू पर बांधी काली पट्टी, 8 अक्टूबर से हड़ताल की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ (रजि.) के प्रदेश अध्यक्ष मयंक ठाकुर के आह्वान पर सोमवार से प्रदेशभर के एनएचएम कर्मचारियों के आंदोलन का प्रथम चरण शुरू हो गया। इसी कड़ी में मुजफ्फरनगर जिले में कार्यरत सैकड़ों एनएचएम संविदा कर्मियों ने अपनी वर्षों पुरानी लंबित मांगों को लेकर बांह पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया और अपना कार्य संपादित किया। कर्मचारियों का कहना है कि यदि समय रहते मांगें न मानी गईं तो 8 अक्टूबर से संपूर्ण कार्य बहिष्कार कर हड़ताल शुरू की जाएगी।

चिकित्सा अधीक्षकों को सौंपा ज्ञापन

एनएचएम संविदा कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने बताया कि जिले में आंदोलन के पहले ही दिन व्यापक असर देखने को मिला। जिला पुरुष चिकित्सालय और जिला महिला चिकित्सालय के साथ-साथ जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर सरकार की नीतियों के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के साथ-साथ विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर अधिकारियों के माध्यम से शासन को ज्ञापन भी भेजे गए। इसमें सीएचसी बघरा पर डॉ. राहुल वर्मा, पुरकाजी में डॉ. असजद सामी, शाहपुर व बुढ़ाना में डॉ. प्रवीण कुमार, जिला महिला अस्पताल व सीएचसी मुख्यालय में संजय कुमार व डॉ. सुदेश वर्मा तथा सीएचसी मुख्यालय पर डॉ. अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया। इसके अलावा खतौली व गालिबपुर सीएचसी पर डॉ. विकास व डॉ. भावना के नेतृत्व में तथा गालिबपुर में भी संविदाकर्मियों ने अपनी एकजुटता दिखाई। एक लाख से अधिक कर्मचारियों का सब्र टूटा

आंदोलन की जानकारी देते हुए डॉ. राहुल वर्मा ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में कार्यरत 1 लाख से अधिक एनएचएम संविदा कर्मचारी इस आंदोलन के प्रथम चरण में काली पट्टी बांधकर काम कर रहे हैं।

8 अक्टूबर से होगी पूर्ण हड़ताल

संगठन के डॉ. फैसल सिद्दीकी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगले तीन दिनों तक सभी कर्मचारी इसी प्रकार काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्वक अपना काम जारी रखेंगे। यदि इस दौरान सरकार ने हमारी न्यायसंगत मांगों पर कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो 8 अक्टूबर 2026 से सभी एनएचएम कर्मचारी पूर्ण कार्य बहिष्कार (हड़ताल) पर चले जाएंगे।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

शुद्धिपत्र

पत्रांक:- 1332 / निर्माण / सा०प्रा० / 2026-27 **दिनांक:- 05/10/2026**

निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत/वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत/किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्य हेतु पंजीकृत/नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि राज्य वित्त योजना के अन्तर्गत आमन्त्रित ई-निविदा पत्रांक संख्या 1270/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 दिनांक 28.09.2026 के क्रमांक-10 एवं 11 पर अंकित कार्यों को अपरिहार्य कारण से निरस्त किया जाता है, जिसमें डाली गयी किसी भी प्रकार की निविदा मान्य नहीं होगी।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)	अधिवासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर।

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 06 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

मीनाक्षी चौक पर अतिक्रमणकारियों में मचा हड़कंप, सिटी मजिस्ट्रेट ने खुद संभाली कमान

नवनियुक्त सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल का अतिक्रमण पर पहला बड़ा प्रहार, मीनाक्षी चौक से मछली बाजार तक चला अभियान, सरकारी नालों पर कब्जे की पैमाइश, पालिका ने थमाए नोटिस

मुजफ्फरनगर। शहर में सड़क और सरकारी जमीन पर कब्जा जमाकर बैठे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ प्रशासन ने एक बार फिर अभियान शुरू कर दिया है। नवनियुक्त सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने सोमवार को नगर पालिका टीम के साथ शहर के प्रमुख इलाकों में पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया। प्रशासनिक टीम के अचानक मैदान में उतरते ही अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया। मीनाक्षी चौक से लेकर मछली बाजार तक चले अभियान में दुकानों के बाहर किए गए अवैध कब्जे हटवाए गए और सरकारी नालों की जमीन की पैमाइश कराई गई। अभियान में नगर पालिका ईओ पवन कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मौके पर दुकानदारों को स्पष्ट चेतावनी दी कि सार्वजनिक सड़क, फुटपाथ और सरकारी नालों पर दोबारा कब्जा किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं नगर पालिका की ओर से अतिक्रमणकारियों को नोटिस भेजने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

नवनियुक्त सिटी मजिस्ट्रेट के मैदान में उतरते ही बदला माहौल

शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान पहले भी चलाए जाते रहे हैं, लेकिन इस बार नवनियुक्त सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने खुद मौके पर पहुंचकर

कार्रवाई की कमान संभाली। टीम के मीनाक्षी चौक पहुंचते ही दुकानदारों में हलचल मच गई। सड़क किनारे और दुकानों के बाहर निर्धारित सीमा से आगे सामान रखकर किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को समझाया कि दुकान का सामान सड़क या सार्वजनिक रास्ते तक फैलाने से आम लोगों और यातायात को परेशानी होती है। मीनाक्षी चौक शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्रों में शामिल है। यहां दिनभर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही रहती है। दुकानों के बाहर सामान फैलाए जाने से सड़क की चौड़ाई कम होने और यातायात प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। प्रशासनिक टीम ने ऐसे स्थानों को चिन्हित करते हुए मौके पर अतिक्रमण हटवाया। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने साफ कहा कि सड़क और सार्वजनिक स्थान किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं हैं। निर्धारित सीमा के बाहर सामान रखने पर कार्रवाई की जाएगी। मीनाक्षी चौक के बाद प्रशासनिक टीम मछली बाजार पहुंची। यहां नए बनाए गए सरकारी नालों को लेकर अधिकारियों ने मौके पर स्थिति देखी। आरोप है कि कुछ दुकानदारों ने नालों और उनके आसपास की सरकारी जमीन को भी अपने इस्तेमाल में ले लिया था। सिटी मजिस्ट्रेट के निर्देश पर मौके पर सरकारी नालों की पैमाइश कराई गई। पैमाइश के जरिए यह निर्धारित किया गया कि सरकारी नाले की वास्तविक सीमा कहां तक है और किस हिस्से में अतिक्रमण किया गया है। प्रशासन ने नालों को अतिक्रमण मुक्त कराने पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों का कहना है कि नालों की जमीन पर कब्जे से जल निकासी व्यवस्था प्रभावित होती है। बरसात के दौरान पानी की निकासी बाधित होने पर जलभराव की समस्या और गंभीर हो सकती है। इसी वजह से प्रशासन ने नालों की वास्तविक सीमा की पैमाइश कराकर स्थिति स्पष्ट करने की प्रक्रिया शुरू की है। पैमाइश के बाद यदि किसी हिस्से में सरकारी जमीन पर कब्जा पाया जाता है तो उसे हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

ईओ पवन कुमार ने भेजे नोटिस

अभियान के दौरान नगर पालिका ईओ पवन कुमार भी टीम के साथ मौजूद रहे। नगर पालिका कर्मचारियों ने अतिक्रमण हटाने में सहयोग किया। वहीं संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी करने की कार्रवाई शुरू की गई। अधिकारियों ने दुकानदारों को चेताया कि प्रशासन द्वारा हटाए गए अतिक्रमण को दोबारा खड़ा करने की कोशिश की गई तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आज हटाया, कल फिर जांच–प्रशासन की नजर रहेगी

इस बार प्रशासन का अभियान केवल अतिक्रमण हटाने तक सीमित रहने वाला नहीं है। सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने स्पष्ट किया कि जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया है, वहां दोबारा कब्जा न हो, इसकी भी निगरानी की जाएगी।

कल सिटी मजिस्ट्रेट स्वयं मौके पर पहुंचकर हटाए गए अतिक्रमण का निरीक्षण करेंगे। यदि निरीक्षण के दौरान किसी स्थान पर दोबारा अतिक्रमण मिला तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मीनाक्षी चौक और मछली बाजार में प्रशासन की कार्रवाई की खबर फैलते ही शहर के दूसरे बाजारों में भी अतिक्रमण करने वालों में हलचल शुरू हो गई। सड़क और फुटपाथ पर सामान फैलाकर कारोबार करने वाले दुकानदार अब प्रशासन की अगली कार्रवाई को लेकर सतर्क नजर आ रहे हैं।

प्रशासन की ओर से संकेत दिए गए हैं कि अभियान को आगे भी अलग-अलग इलाकों तक ले जाया जा सकता है। ऐसे में प्रमुख बाजारों और चौराहों पर अतिक्रमण करने वालों की चिंता बढ़ गई है। सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल ने साफ किया कि सार्वजनिक रास्तों, सरकारी नालों और अन्य सरकारी जमीन पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शिव चौक के पास 15 दिन से खुला पड़ा ढक्कन, राहगीर हादसे का शिकार

सड़क के बीच खुले ढक्कन की चपेट में आया युवक, रामलीला टिल्ला निवासी करण वर्मा का पैर फ्रैक्चर; नगर पालिका की लापरवाही पर उठे सवाल

मुजफ्फरनगर। शहर के व्यस्त शिव चौक के पास सड़क के बीचों-बीच पिछले करीब 15 दिनों से खुला पड़ा सिविल का ढक्कन राहगीरों और वाहन चालकों के लिए मुसीबत बना हुआ है। लगातार आवाजाही वाले इस मार्ग पर खुले ढक्कन के कारण हादसे का खतरा बना हुआ है। इसी खतरे की चपेट में आकर रामलीला टिल्ला निवासी करण वर्मा घायल हो गए। हादसे में उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क के बीच खुले पड़े ढक्कन के कारण राहगीरों को संभलकर निकलना पड़ रहा है। कई लोग इसकी चपेट में आकर गिरकर चोटिल हो चुके हैं। इसके बावजूद करीब 15 दिन बीतने के बाद भी ढक्कन को बंद कराने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। शिव चौक शहर के प्रमुख और व्यस्त क्षेत्रों में शामिल है। यहां दिनभर बड़ी संख्या में पैदल राहगीरों के

साथ दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सड़क के बीच खुला पड़ा ढक्कन किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है। खासकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए अचानक खुले हिस्से के सामने आने पर संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन के समय लोग किसी तरह खुले ढक्कन को देखकर बच निकलते हैं, लेकिन रात के समय पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से खतरा और बढ़ जाता है। यदि कोई वाहन चालक या राहगीर अचानक इसकी चपेट में आता है तो गंभीर चोट लग सकती है। स्थानीय लोगों के मुताबिक रामलीला टिल्ला निवासी करण वर्मा भी इसी खुले ढक्कन की चपेट में आ गए। हादसे में उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। घटना के बाद लोगों का कहना है कि जब खुले ढक्कन के कारण एक व्यक्ति घायल हो चुका है

मतदाता सूची में नाम नहीं है तो तुरंत कराएं पंजीकरण, फार्म-6 भरकर जुड़वाएं नाम

निरंतर पुनरीक्षण-2026 के तहत पात्र युवाओं, पहली बार मतदाता बनने वालों, छूटे मतदाताओं, महिलाओं, दिव्यांग और बेघर नागरिकों के लिए विशेष अभियान–ऑनलाइन भी कर सकते हैं आवेदन

मुजफ्फरनगर। निर्वाचक नामावलियों के निरंतर पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम के तहत जिले में मतदाता सूची को अधिक समावेशी बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान ऐसे सभी पात्र नागरिक, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है, फार्म-6 भरकर अपना नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करा सकते हैं। इसके लिए पात्र नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ फार्म-6 अपने बूथ के बूथ लेवल अधिकारी अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी देश दीपक सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार वर्तमान में निरंतर पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम चल रहा है। इसके अंतर्गत मतदाता सूची में पात्र नागरिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ऐसे पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ना है, जो किसी कारणवश अभी तक अपना नाम दर्ज नहीं करा सके हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान अर्ह युवा, छूटे हुए मतदाता, पहली बार मतदाता बनने की अर्हता रखने वाले नागरिक, बेघर मतदाता, दिव्यांग मतदाता और महिला मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए महिला कल्याण, उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, चिकित्सा, दिव्यांगजन, ग्राम्य विकास और युवा कल्याण विभाग के सहयोग से अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि जिले में कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। इसी उद्देश्य से संबंधित विभागों को भी पात्र लोगों को चिह्नित कर उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए जागरूक करने और सहयोग करने की जिम्मेदारी दी गई है। अपर जिलाधिकारी ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि यदि उनका नाम वर्तमान मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो वे निरंतर पुनरीक्षण-2026 के दौरान फार्म-6 भरें। फार्म के साथ आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर उसे अपने क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा किया जा सकता है। इसके अलावा संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा उप जिलाधिकारी कार्यालय में भी आवेदन जमा कराया जा सकता है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in तथा ईसीआईनेट (ECINET) ऐप के माध्यम से भी ऑनलाइन फार्म-6 भरा जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से पात्र नागरिक अपना नाम निर्वाचक नामावली में शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। प्रशासन ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। यदि नाम सूची में दर्ज नहीं है और वे मतदाता बनने की पात्रता रखते हैं तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत फार्म-6 भरकर अपना नाम निर्वाचक नामावली में शामिल कराएं, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रहे।

फसल अवशेष जलाया तो होगी कार्रवाई, बिना सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के नहीं चलेगा कंबाइन

डीएम उमेश मिश्रा ने कंबाइन हार्वेस्टर मालिकों को दिए सख्त निर्देश, किसानों से गन्ने की पत्ती और पराली खेत में ही मिलाने की अपील

मुजफ्फरनगर। फसल अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण और मिट्टी की उर्वरा शक्ति को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। सोमवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें कंबाइन हार्वेस्टर स्वामियों और किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ फसल अवशेष न जलाए जाने और खेत में ही उसके उचित प्रबंधन पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में कोई भी कंबाइन हार्वेस्टर सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के बिना संचालित नहीं किया जाए। उन्होंने कंबाइन हार्वेस्टर मालिकों को फसल कटाई के दौरान निर्धारित व्यवस्था का पालन सुनिश्चित करने के

निर्देश दिए, ताकि खेतों में फसल अवशेष न छोड़े जाएं और किसानों को अवशेष जलाने की जरूरत न पड़े। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी कृषक भाइयों से अपील की कि फसल अवशेषों को किसी भी स्थिति में खेत में न जलाएं। उन्होंने कहा कि गन्ने की पत्ती, धान की पराली और अन्य फसल अवशेषों को आग लगाने के बजाय ई-सीटू मशीनों के माध्यम से खेत में ही कटाई कर मिट्टी में मिला दें। फसल अवशेषों को खेत में मिलाने से जहां उन्हें जलाने से होने वाले धुएं और प्रदूषण से बचाव होगा, वहीं अवशेषों के मिट्टी में मिल जाने से जैविक पदार्थ की मात्रा बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। प्रशासन की ओर से किसानों को फसल अवशेषों के बेहतर प्रबंधन के लिए उपलब्ध कृषि यंत्रों और तकनीकों के इस्तेमाल के प्रति जागरूक किया जा रहा है। डीएम उमेश मिश्रा ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने स्तर से किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष जलाने के नुकसान के साथ-साथ उसके वैकल्पिक प्रबंधन की जानकारी भी दी जाए, ताकि किसान अवशेषों को खेत में ही उपयोग कर सकें।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों तक कृषि यंत्रों और फसल अवशेष प्रबंधन की उपयोगी जानकारी पहुंचाई जाए तथा उन्हें जागरूक किया जाए कि पराली और गन्ने की पत्ती जलाने के बजाय उनका वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन किया जा सकता है। बैठक में कंबाइन हार्वेस्टर स्वामियों को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि फसल कटाई के दौरान मशीनों में आवश्यक व्यवस्था अनिवार्य रूप से मौजूद हो। सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया, जिससे कटाई के बाद खेत में बड़ी मात्रा में अवशेष न बचें। प्रशासन का उद्देश्य फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के साथ-साथ किसानों को ऐसी तकनीक उपलब्ध कराना है, जिससे फसल अवशेष उनके लिए उपयोगी साबित हों। इसके लिए कृषि विभाग और संबंधित विभागों के अधिकारियों को लगातार किसानों के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, अग्रणी जिला प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक, कृषि विज्ञान केंद्र चित्तौड़ा के वैज्ञानिक, डीडीएम नाबार्ड सहित संबंधित अधिकारी, कंबाइन हार्वेस्टर स्वामी और किसान उत्पादक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

डिजिटल ठगों से रहें सावधान! ओटीपी से लेकर डिजिटल अरेस्ट तक साइबर थाना पुलिस ने एनसीसी कैडेट्स को समझाए ठगी के तरीके

भोकरहेड़ी इंटर कॉलेज में साइबर जागरूकता कार्यक्रम, साइबर थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह ने बताया–ओटीपी, पिन, सीवीवी और पासवर्ड किसी से साझा न करें

मुजफ्फरनगर। साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस ने अक्टूबर माह को साइबर जागरूकता माह के रूप में मनाते हुए लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचने के प्रति जागरूक करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में साइबर थाना पुलिस ने भोकरहेड़ी इंटर कॉलेज में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर एनसीसी कैडेट्स को साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में आयोजित किया गया। साइबर थाना प्रभारी कर्मवीर सिंह ने एनसीसी कैडेट्स को साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने और डिजिटल माध्यमों का सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल करने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी लोगों को अलग-अलग तरीकों से अपने जाल में फंसाकर बैंक खाते और निजी जानकारी से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं हासिल कर ठगी करते हैं। कार्यक्रम में बताया गया कि साइबर अपराधी कभी बैंक अधिकारी, कभी पुलिस अधिकारी तो कभी किसी कंपनी के प्रतिनिधि बनकर लोगों को फोन करते हैं। इसके बाद खाते से जुड़ी जानकारी, ओटीपी या अन्य गोपनीय विवरण मांगकर लोगों को ठगी का शिकार बनाया जाता है। कैडेट्स को समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंक खाते, एटीएम कार्ड या डिजिटल भुगतान से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। फोन करने वाला व्यक्ति कितना भी विश्वास दिलाए, उसकी पहचान और दावे का स्वतंत्र रूप से सत्यापन किए बिना कोई जानकारी नहीं देनी चाहिए। साइबर थाना प्रभारी ने विशेष रूप से चेताया कि ओटीपी, पिन, सीवीवी, पासवर्ड और बैंक खाते से संबंधित गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। साइबर ठग इन्हीं जानकारियों का इस्तेमाल कर खातों से रकम निकालने या ऑनलाइन भुगतान करने का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने कैडेट्स से कहा कि यदि किसी अनजान नंबर से संदिग्ध कॉल या संदेश आता है तो जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं। किसी लालच, डर या दबाव में आकर बैंकिंग

अथवा निजी जानकारी देना नुकसानदायक हो सकता है। कार्यक्रम में फिशिंग लिंक और संदिग्ध एपीके फाइलों को लेकर भी कैडेट्स को जागरूक किया गया। पुलिस ने बताया कि साइबर अपराधी कई बार लिंक भेजकर लोगों को किसी इनाम, ऑफर, नौकरी या अन्य लालच का झांसा देते हैं। ऐसे लिंक पर क्लिक करने से मोबाइल या निजी जानकारी खतरे में पड़ सकती है। इसी तरह किसी अनजान स्रोत से प्राप्त एपीके फाइल को डाउनलोड या इंस्टॉल न करने की सलाह दी गई। पुलिस के अनुसार संदिग्ध एप के माध्यम से साइबर अपराधी मोबाइल में मौजूद महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच बनाने का प्रयास कर सकते हैं। कैडेट्स को ऑनलाइन भुगतान के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी गई। यूपीआई और क्यूआर कोड के जरिए होने वाली ठगी के बारे में बताते हुए पुलिस ने समझाया कि किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर भुगतान न करें और किसी संदिग्ध क्यूआर कोड को स्कैन करने से पहले उसकी पूरी जानकारी जांच लें।पुलिस ने ऑनलाइन ऑफर, इनाम, नौकरी, खरीदारी और अन्य तरह के प्रलोभनों के माध्यम से होने वाली ठगी से भी सावधान रहने को कहा। कार्यक्रम में सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कैडेट्स को मजबूत पासवर्ड रखने, अलग-अलग खातों के लिए बेहतर सुरक्षा व्यवस्था अपनाने और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया।

बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र के नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल! वाहन चालकों के लिए बड़ी चेतावनी

मुजफ्फरनगर में लागू होगी वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं तो ईंधन नहीं व्यवस्था, जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी वाहन स्वामियों से समय रहते प्रदूषण जांच कराने की अपील की

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल मुजफ्फरनगर में वाहनों से होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए अब सख्ती बढ़ने जा रही है। शासन के निर्देश पर वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं तो ईंधन नहीं व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत जिन वाहनों के पास वैध प्रदूषण नियंत्रण जांच प्रमाणपत्र नहीं होगा, उन्हें पेट्रोल और डीजल उपलब्ध कराने में परेशानी हो सकती है। जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय ने जनपद के सभी वाहन स्वामियों और उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने-अपने वाहनों की प्रदूषण जांच समय से करा लें। यदि प्रदूषण नियंत्रण जांच प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त हो चुकी है तो उसे तत्काल दोबारा वैध करा लें, ताकि आगे ईंधन लेने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल होने के कारण मुजफ्फरनगर में सख्ती

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, खाद्य एवं रसद अनुभाग-7, लखनऊ की ओर से जारी निदेर्शों के क्रम में यह व्यवस्था लागू की जा रही है। मुजफ्फरनगर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शामिल है, जिसके चलते जिले में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इस व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य वाहनों से निकलने वाले धुएं और उससे होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करना है। इसके लिए वाहन स्वामियों को अपने वाहनों की प्रदूषण जांच नियमित रूप से कराने और प्रमाणपत्र वैध रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। प्रशासन की ओर से वाहन स्वामियों को सलाह दी गई है कि वे अपने वाहन का प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र एक बार जरूर जांच लें। यदि प्रमाणपत्र की अवधि समाप्त हो चुकी है तो उसे दोबारा बनवाया जाए। प्रशासन का कहना है कि व्यवस्था प्रभावी होने के बाद बिना वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र वाले वाहन स्वामियों को पेट्रोल पंप पर ईंधन लेने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में अंतिम समय की भागदौड़ से बचने के लिए पहले ही प्रमाणपत्र वैध करा लेना बेहतर होगा। वैध प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं तो ईंधन नहीं व्यवस्था का सीधा असर पेट्रोल पंपों पर ईंधन लेने वाले वाहन चालकों पर पड़ेगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभागों और पेट्रोल पंप संचालकों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं। इस व्यवस्था के तहत वाहन चालकों को अपने वाहन के प्रदूषण नियंत्रण जांच प्रमाणपत्र की वैधता का ध्यान रखना होगा। प्रमाणपत्र वैध नहीं होने की स्थिति में पहले प्रदूषण जांच करानी होगी और उसके बाद ही वाहन का प्रमाणपत्र वैध कराया जा सकेगा।

जिला पूर्ति अधिकारी ओम हरि उपाध्याय ने कहा कि वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है। इसमें प्रत्येक वाहन स्वामी और आम नागरिक की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र वैध रखना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक जरूरी कदम है।

झांसी की रानी चौक पर ई-रिक्शा चालक की दबंगई का आरोप, पिता-पुत्र से अभद्रता के बाद स्टील की रॉड से हमला करने की कोशिश

साइड लगने को लेकर हुआ विवाद, तितावी निवासी पिता-पुत्र के साथ कहासुनी के बाद मामला बढ़ा; चौराहे पर हंगामा देख ट्रैफिक पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को पकड़ा

मुजफ्फरनगर। शहर के व्यस्त झांसी की रानी चौक पर ई-रिक्शा की साइड लगने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक ने तितावी निवासी पिता-पुत्र के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट पर उतारू हो गया। विवाद के दौरान चालक द्वारा स्टील की रॉड से हमला करने की कोशिश किए जाने का भी आरोप है। चौराहे पर हंगामा होने की सूचना पर पहुंची ट्रैफिक पुलिस ने ई-रिक्शा चालक को पकड़ लिया।

साइड लगने के बाद शुरू हुई कहासुनी बताया गया कि तितावी क्षेत्र निवासी पिता-पुत्र किसी काम से शहर आए थे और झांसी की रानी चौक से गुजर रहे थे। इसी दौरान उनके वाहन की ई-रिक्शा से साइड लग गई। साइड लगने के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि बातचीत के दौरान ई-रिक्शा चालक ने अपना आपा खो दिया और पिता-पुत्र के साथ अभद्रता करने लगा। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पिता-पुत्र का आरोप है कि कहासुनी के दौरान ई-रिक्शा चालक ने स्टील की रॉड निकाल ली और उनसे मारपीट करने की कोशिश की। अचानक हुए इस घटनाक्रम से चौराहे पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया।

इसी दौरान यातायात पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। चौराहे पर विवाद और हंगामे की सूचना मिलने पर ट्रैफिक पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने दोनों पक्षों को अलग कराया और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने आरोपित ई-रिक्शा चालक को पकड़ लिया और उससे पूछताछ शुरू की। पुलिस की मौजूदगी के बाद मौके पर स्थिति सामान्य हुई। मामले में आगे की कार्रवाई के लिए घटनाक्रम की जानकारी जुटाई जा रही है। झांसी की रानी चौक की घटना के बाद शहर में ई-रिक्शाओं के संचालन को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में बड़ी संख्या में ई-रिक्शा संचालित होने के कारण कई प्रमुख मार्गों और चौराहों पर यातायात दबाव बढ़ गया है। लोगों का आरोप है कि कुछ ई-रिक्शा चालक निर्धारित यातायात नियमों का पालन नहीं करते। कहीं भी सवारी बैठाने के लिए रुकने, गलत दिशा में वाहन ले जाने और चौराहों पर अचानक रुकने से अक्सर जाम की स्थिति बनती है। इसी तरह के विवाद कई बार वाहन चालकों और ई-रिक्शा चालकों के बीच कहासुनी का कारण बन जाते हैं।

शराब की दुकान का ताला तोड़कर घुसे चोर, शराब-नकदी के साथ नमकीन की दुकान भी खंगाली

शाहपुर के कुटबी गांव में नहर की पटरी पर वारदात, बराबर की दुकान से भी सामान चोरी; दुकान संचालक की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव कुटबी में चोरों ने रात के अंधेरे में शराब की दुकान को निशाना बनाकर ताला तोड़ दिया। चोर दुकान के अंदर से शराब और नकदी चोरी कर ले गए। इसके बाद चोरों ने बराबर में स्थित दुकान को भी निशाना बनाया और वहां से नमकीन समेत अन्य सामान के पैकेट चोरी कर लिए। एक ही स्थान पर दो दुकानों में चोरी की घटना सामने आने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। दुकान संचालक की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव कुटबी निवासी प्रवेन्द्र कुमार पुत्र आत्माराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी कम्पोजिट शराब की दुकान गांव के पास नहर की पटरी पर स्थित है। तहरीर के अनुसार 3 अक्टूबर की रात करीब दो बजे अज्ञात व्यक्ति दुकान पर पहुंचा और ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गया। दुकान में घुसने के बाद आरोपी ने वहां रखी शराब और नकदी चोरी कर ली। इसके बाद उसने बराबर में स्थित दुकान को भी निशाना बनाया। वहां से नमकीन और अन्य सामान के पैकेट चोरी किए जाने का आरोप है। चोरी की वारदात रात के समय अंजाम दिए जाने की बात सामने आई है। सुबह दुकान खुलने पर ताला टूटा देखकर घटना की जानकारी हुई। इसके बाद दुकान संचालक ने आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी और शाहपुर थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी।

एक ही स्थान पर दो दुकानों को निशाना बनाए जाने से स्थानीय दुकानदारों में भी चिंता है।

लोगों का कहना है कि नहर की पटरी पर रात के समय आवाजाही कम रहती है, जिसका फायदा चोरों ने उठाया। वारदात में चोरों ने केवल शराब की दुकान को ही निशाना नहीं बनाया, बल्कि बराबर की दुकान से भी सामान चोरी किया। शराब और नकदी के साथ नमकीन व अन्य पैकेट चोरी होने से स्पष्ट है कि चोरों ने आसपास की दुकानों में भी हाथ साफ किया।

संपादकीय

एसआईआर -विशेष अभियान शुरू करने का फैसला, अच्छी पहल

देश के कई हिस्सों में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों और संदेहों के बीच चुनाव आयोग ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) के तहत एक विशेष अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर को लेकर विशेष अभियान शुरू करने का फैसला ऐसे समय लिया है, जब उसके खिलाफ देश के कई हिस्सों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। उसके कई फैसलों को संदेह की नजर से देखा जा रहा है और आयोग को बार-बार स्पष्टीकरण देना पड़ रहा है।सूचियों का मिलान। अभियान के तहत बीएलओ मौजूदा मतदाता सूची का एसआईआर से पहले की सूची से मिलान करेंगे। जिनके नाम पहले थे, पर अब नहीं हैं, उनकी स्थिति घर-घर जाकर जांची जाएगी। चुनाव आयोग और राज्य के चुनाव अधिकारियों के डेटा के मुताबिक, एसआईआर प्रक्रिया के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाताओं में 10.2 प्रतिशत की कमी आई है।बताया जा रहा है कि करीब 13 करोड़ नाम कटे हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि ये सारे लोग योग्य थे और गलत तरीके से बाहर किए गए। 60 लाख से ज्यादा तो ऐसे मतदाताओं के नाम हटे हैं, जिनकी मौत हो चुकी है। आयोग ने हर राज्य में प्रक्रिया पूरी होने के बाद बताया था कि कहां कितने मृत, डुप्लिकेट या स्थानांतरित नाम हैं। लेकिन, संख्या को लेकर बार-बार विवाद हो रहा है। नई और पुरानी, दोनों वोटर लिस्ट के मिलान से पता चलने की उम्मीद है कि कोई वास्तविक नाम तो नहीं छूटा। चुनाव आयोग को इस दर्शन (फिलॉसफी) पर काम करना चाहिए कि एक भी योग्य मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रह जाए। अगर प्रक्रिया जटिल है, तो इसका नुकसान जनता को नहीं होना चाहिए। हर बीएलओ को एक सप्ताह में 20 से 25 मतदाताओं तक पहुंचने का निर्देश दिया गया है। एक महीने में वेरिफिकेशन का काम पूरा होने की उम्मीद लगाई जा रही है। अगले साल कई राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए एक समय सीमा निर्धारित करना बेहद जरूरी है। ये सारे मुद्दे और विवाद विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू होने के पहले तक सुलझ जाने चाहिए। यह ठीक नहीं होगा कि जब चुनाव चल रहे हों, तब आयोग की विश्वसनीयता पर अंगुलियां उठ रही हों। इससे आखिरकार संस्था और लोकतंत्र का नुकसान है। विशेष अभियान आयोग के लिए मौका है, जब वह सारे सवालों के जवाब दे सकता है। इसके लिए जरूरी है कि पूरी पारदर्शिता रखी जाए। अगर कोई योग्य नाम पुरानी सूची में था और नए में जगह नहीं पा सका, तो उसके पीछे का कारण भी सामने आना चाहिए। यह अच्छा है कि लिस्ट को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट के साथ शेयर किया जाएगा।

अब तक विरोधियों से ताकत पाते रहे प्रधानमंत्री मोदी क्या चक्रव्यूह तोड़ पाएंगें?

(प्रो. संजय द्विवेदी)

ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था।

मोदी है तो मुमकिन है- यह सिर्फ नारा नहीं है, भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 25 सालों के सत्ताकाल में इसे अर्जित किया है। चुनावों में इस भावना को 'मोदी की गारंटी' कहा गया। यही विचार था जो मोदी को संगठन और विचार से बड़ा बना देता है। आज मोदी एक विचार बन चुके हैं। वह विचार है सबको साथ लेकर इस देश को विकसित भारत बनाने का सपना। इस मायने में वे सपनों के सौदागर भी हैं। अच्छे दिन आने वाले हैं से लेकर सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास तक यह सातत्य दिखता है। यह बिल्कुल नई राजनीतिक संस्कृति है और उसका सतत विकास है।

सुशासन, विकास और संवाद है मंत्र

ऐसा लगता है कि सुशासन, विकास और संवाद तीन स्तरों से सत्ता ने सब कुछ साध लिया है। आलोचना हर सरकार की होती है, होनी भी चाहिए। कहीं कुछ भी पूर्ण नहीं है। किंतु दिल्ली में 2014 के बाद आई सरकार ने न सिर्फ अपनी धमक बनाई वरन बदलता हुए हिंदुस्तान भी दिखा। यह अलग ही हिंदुस्तान था। जो आकांक्षाओं से भरा-पूरा था। अवसाद की चादर को फेंक कर कुछ करना चाहता था। आगे बढ़ना चाहता था। मोदी ऐसे हैं जिन्होंने राजनीतिक तंत्र और नेताओं की इज्जत थोड़ी बढ़ाई ही है। इसके पूर्व का समय याद करें तो वह 'नीतिगत जड़ता' का समय था, घोटालों की खबरें से हलाकान देश भ्रष्टाचार के विरुद्ध सड़कों पर था। दिल्ली में एक नई बनी पार्टी (आप) सत्ता में चुकी थी। तभी मोदी उम्मीदों का चेहरा बनकर उभरे और लोगों ने उनमें राष्टनायक की छवि देखी। उनका साधारण अतीत भरोसा दे रहा था कि उन्हें लोगों के दर्द पता हैं और वे संकटों के ठोस और वाजिब हल निकालेगें। इस भरोसे ने तीन बार उन्हें केंद्र की सत्ता पर न सिर्फ बिठाया बल्कि तमाम राज्यों में भी भाजपा और राजग की सरकारें बनीं, जिन्हें डबल इंजन की सरकार कहकर संबोधित किया गया।

अति आत्मविश्वास से बचने की जरुरत

गुजरात और दिल्ली के 'सत्ता साकेत' में लगभग ढाई दशक पूरे कर चुके नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को लेकर इस समय विपक्ष

और समाज के कुछ हिस्से हमलावर हैं। कुछ मुद्दे तो खुद उनकी सरकार ने दिए तो कुछ विपक्ष प्रायोजित विवाद भी हैं। जिसमें पेपरलीक, एनटीए की नाकामी, इथेनाल और चुनाव आयोग जैसे मुद्दे हैं। नरेटिव की जंग में मोदी का मुकाबला नहीं, किंतु हर बार ऐसा नहीं होता। कई बार अतिआत्मविश्वास भी नुकसानदायक होता है। जनता सब कुछ कर सकती है, किंतु अहंकार स्वीकार नहीं करती। सच तो यह है कि विपक्ष के बिखराव और आपसी खींचतान के बाद भी सरकार न तो सदन चला पाई न सामने से उठ रहे सवालों के उत्तर दे पाई। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या मोदी थक गए हैं या वे घिर गए हैं?

सच्चाई तो यह है कि मोदी और उनकी पार्टी के संगठन का मुकाबला करने की स्थिति में इस समय कोई दल या राजनीतिक समूह नहीं है। भाजपा अब पुरानी पार्टी नहीं रही। इस दौर में उनका जो भौगोलिक और सामाजिक विस्तार हुआ है, वह अभूतपूर्व है। इसके भरोसे ही वह तीन बार केंद्रीय सत्ता में आ सकी, जिसमें दो बार उसे पूर्ण बहुमत मिला तो तीसरी बार भी उसने आत्मविश्वास से भरकर सहयोगियों के साथ सरकार बना ली। सत्ता विरोधी रुझान के बाद भी भाजपा का मुख्य प्रतिद्वंदी दल कांग्रेस 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर सका। बावजूद इसके इस चुनाव परिणाम से विपक्ष में यह भरोसा तो बना कि भाजपा के अश्वमेघ के रथ को रोका जा सकता है।

बंगाल की जीत ने दिया भरोसा – अल्पमत की सरकार होने के बाद भी केंद्र की सरकार भरोसे से भरी है। बड़े फैसले हो रहे हैं। बंगाल के चुनावों की असंभव सी दिख रही जीत ने भाजपा के काडर में आत्मविश्वास भरा है। इस भरोसे में असम की जीत तो संयुक्त है ही। अब पंजाब और उत्तर प्रदेश के मैदान में डटी भाजपा को यह साबित करना है कि अभी वह चुकी और थकी नहीं है। पंजाब में बहुत कमजोर खिलाड़ी होकर भी वह मैदान को जीतने के लिए जिस तरह उतरी है, वह बात साबित करती है कि उसका यह भरोसा अकारण तो बिल्कुल नहीं है। नई नवेली आम आदमी पार्टी की सरकार वहां (पंजाब में) दूसरे संघर्ष में बन सकती है तो कोई कारण नहीं भाजपा भी ऐसे स्वप्न देखे। वहीं उत्तर प्रदेश में तो उसके पास योगी आदित्यनाथ जैसा फायर ब्रांड लीडर है, जिसके पास 10 सालों का सुनहरा अतीत है। सरकार के नेता पर कोई दाग नहीं है, गुंडों पर लगाम है, सरप्लस एकोनामी है। यानी उत्तर प्रदेश में बहुत कुछ बदल गया है। भौगोलिकसंदर्भ

सामाजिक समरसता पर संकट – फिर क्या कारण हैं कि नरेंद्र मोदी को लेकर तरह-तरह की बातें हो रही हैं। कई जातीय समूह उन पर हमलावर हैं। जबकि इन समूहों द्वारा उठाए जा रहे आरक्षण जैसे विषयों पर राजनीतिक दलों की आम सहमति है। कोई दल इस विषय को छू नहीं सकता। 'समीक्षा' जैसे शब्द पर भी राजनीतिक दल कांप उठते हैं। इस विषय पर मोदी निशाने पर हैं। हालांकि यह ज्यादातर जंग आनलाईन माध्यमों पर ही लड़ी जा रही है किंतु समाज में इसका जहर नहीं फैल रहा है, यह कहना गलत होगा। इस बीच यूजीसी गाइडलाइंस ने अलग कबाड़ा किया। इससे मोदी विरोधियों को आग उगलने का मौका मिला। यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इन प्रावधानों को रोककर सरकार की लाज बचा ली। सामाजिक समरसता के लिए यह सारे विवाद घातक हैं, किंतु राजनीति का लक्ष्य संधान अगर समाज को बांटकर ही होता हो तो क्या किया जा सकता है? इसके साथ ही शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को लंबे समय तक झेलते रहना भी सरकार के विरुद्ध गया, अंततः प्रधान तिलचट्टों की अनावश्यक सस्ती राजनीति के शिकार होकर विदा हो गए। इससे गुमनाम और जनाधारहीन नई नवेली 'काक्रोच जनता पार्टी' अनावश्यक चर्चा में आ गयी।

इस सबके बाद भी मोदी और भाजपा की शक्ति को कम आंकना गलत होगा। योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा, शुभेंदु अधिकारी, मोहन यादव, विष्णुदेव साय, नायब सिंह सैनी, मोहन मांझी, देवेंद्र फड़नवीस, सम्राट चौधरी जैसी मुख्यमंत्रियों की टीम को कम आंकना नासमझी होगी। नरेंद्र मोदी ने देश के हर क्षेत्र में सभी सामाजिक समूह के नेताओं की पूरी मलिका खड़ी कर दी है। भाजपा के इस सामाजिक विस्तार को समझे बिना आप मोदी की ताकत को नहीं भांप सकते। इसी तरह भाजपा का भौगोलिक विस्तार अप्रतिम है।

उत्तर प्रदेश में होगा देश का फैसला – भाजपा 'मोदी समय' में जम्मू से लेकर कन्याकुमारी तक की लोकसभा सीटें जीत चुकी है। भुवनेश्वर से लेकर मुंबई तक भाजपा की तूती बोल रही है। कांग्रेस और विपक्षी दलों के भरसक प्रयासों के बाद भी मोदी देश की जनता की पहली पसंद बने हुए हैं। सरकार के विरुद्ध असंतोष को वे कैसे समाप्त करते हैं, इसकी पहली बड़ी परीक्षा उत्तर प्रदेश के चुनाव मैदान में होनी है। वहां के परिणाम देश की राजनीति को प्रभावित करेंगे। कई विश्लेषक और ज्योतिष गुरु नरेंद्र मोदी को राष्टपति भवन भेजने और किसी अन्य को प्रधानमंत्री बनाने में लगे हैं, किंतु ऐसा लगता है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा स्वयं को ज्यादा आश्वस्त पाती है। प्रधानमंत्री की सक्रियता और दिनचर्या को देखते हुए यह कहना कठिन है कि वे अभी आसानी से हथियार डाल देगें। संगठन और सरकार पर उनकी पकड़ मजबूत है। आज तक विपक्षियों के द्वारा हुए व्यापक विरोध से ही वे शक्ति अर्जित करते रहे हैं। नए समय में हो रहा विरोध क्या उन्हें फिर से शक्तिमान बनाएगा, इसके लिए उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणामों का इंतजार करना पड़ेगा। उत्तर प्रदेश का राजनीतिक संदेश देश की भावी दिशा तय करेगा, इसमें दो राय नहीं है। सरकारीएजेंसियां(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

4 साल में पहली बार एक सुर में बोले रूस और यूक्रेन, दोनों को पसंद आया मोदी का प्रस्ताव

(नीरज कुमार दुबे)

भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है।

चार साल से ज्यादा समय से जंग लड़ रहे रूस और यूक्रेन के मोर्चे भले आज भी आमने-सामने हों, लेकिन शांति के सवाल पर दोनों तरफ से निकली आवाज पहली बार एक ही दिशा में जाती दिखाई दी है। और यह दिशा दी है भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के प्रस्ताव को युद्ध समाप्त करने के लिए सामने आए चार प्रस्तावों में सबसे व्यापक बताया है। दूसरी तरफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी खुलकर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लगातार इस संघर्ष को खत्म करने का सवाल उठाते रहे हैं और उनके पास दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान के लिए बहुत अच्छे विचार हैं। देखा जाये तो युद्ध के मैदान में एक-दूसरे पर हमला कर रहे मॉस्को और कीव की तरफ से आई इन टिप्पणियों ने भारत की उस कूटनीतिक पहल को अचानक केंद्र में ला दिया है, जो अब तक बंद कमरों की बातचीत से निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई देने लगी है।

यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार यूक्रेन की ओर से भारत की पहल को सार्वजनिक रूप से इतनी स्पष्ट मान्यता मिली है। सिबिहा के अनुसार भारत ने पहली बार इस प्रक्रिया में भूमिका निभाने की इच्छा का संकेत दिया है। यूक्रेन ऊर्जा क्षेत्र और काला सागर में युद्धविराम पर विचार करने को तैयार है, बशर्ते ऊर्जा तथा बंदरगाह ढांचे पर हमले भी रुकें। साथ ही कीव ने संपर्क रेखा पर बिना शर्त युद्धविराम के विकल्प को भी खुला बताया है।

उधर, भारत की पहल की व्यापकता का सबसे बड़ा संकेत यही है कि यह केवल गोलाबारी रोकने तक सीमित नहीं दिखती। इसमें ऊर्जा सुरक्षा, बंदरगाहों, काला सागर में व्यापार और कृषि आपूर्ति जैसे उन क्षेत्रों को जोड़ने की कोशिश है, जिनका सीधा संबंध युद्ध से बाहर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा से है। वहीं तुर्किये और मिस्र की पहल मुख्यतः काला सागर तथा अनाज निर्यात से जुड़ी बताई गई है, जबकि अमेरिका की पहल ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले रोकने पर केंद्रित है।

यहीं पुतिन का बयान बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मोदी रूस के साथ अच्छे और मित्रतापूर्ण संबंध होने के बावजूद लगातार युद्ध समाप्त करने का प्रश्न उठाते हैं और दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य समाधान खोजने में उनकी गहरी रुचि है। पुतिन ने मोदी के शांतिपूर्ण तरीके से और जल्द से जल्द संघर्ष समाप्त करने के प्रयासों के लिए आभार भी जताया।

देखा जाये तो मोदी की यह भूमिका अचानक पैदा नहीं हुई। वर्ष 2022 में ही उन्होंने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है। जुलाई 2024 में रूस की यात्रा के दौरान उन्होंने साफ कहा था कि बम, बंदूक और गोलियों के बीच शांति वार्ता सफल नहीं हो सकती और समाधान युद्धभूमि पर नहीं निकलेगा। 31 अगस्त 2026 को बिश्केक में पुतिन से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने अनंत युद्ध से युद्ध की समाप्ति की दिशा में बढ़ने की बात कही थी।

यहीं इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सामरिक संदेश छिपा है। रूस से भारत के गहरे संबंध हैं, जबकि यूक्रेन के साथ भी भारत ने संवाद के रास्ते खुले रखे हैं। ऐसे समय में यदि भारत रूस तक अपनी बात पहुंचा सकता है और यूक्रेन भी उसकी पहल को व्यापक प्रस्ताव मानता है, तो नई दिल्ली के पास संवाद के लिए एक ऐसा कूटनीतिक स्थान बनता है जो कई पश्चिमी शक्तियों के लिए उपलब्ध नहीं है।

दूसरी ओर, इसी कूटनीतिक हलचल के बीच रूस ने अपनी सैन्य शक्ति का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया है। दो अक्टूबर को पुतिन ने यूराल क्षेत्र में चल रहे सेंटर-2026 सैन्य अभ्यास के अंतिम चरण का निरीक्षण किया। रूस के अनुसार इस अभ्यास में लगभग 47 हजार सैनिक, 11 प्रशिक्षण क्षेत्र और कैस्पियन सागर शामिल रहे। अंतिम चरण में करीब छह हजार सैनिक उतरे। चीन, बेलारूस, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, मंगोलिया और पाकिस्तान सहित कई देशों की सेनाएं इसमें शामिल रहीं तथा 55 देशों के प्रतिनिधियों ने अभ्यास देखा।

इस अभ्यास में रूस ने करीब 700 सैन्य उपकरणों, 600 से अधिक मानवरहित विमानों और 60 से अधिक रोबोटिक प्रणालियों का इस्तेमाल दिखाया। पुतिन ने नए जेट-चालित जेरान मानवरहित विमानों का भी निरीक्षण किया, जिनका इस्तेमाल रूस यूक्रेन युद्ध में कर चुका है। इसका अर्थ साफ है कि मास्को युद्ध से मिले अनुभव को अगली पीढ़ी की युद्धक क्षमता में बदल रहा है।

दो हफ़्तों में पवित्र शहरों पर दूसरा हमला- धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने की तत्काल ज़रूरत

57 मुस्लिम-बहुल देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ आई सी) ने मक्का पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे घिनौना बताया। ओ आई सी ने यमन के हूथी आंदोलन को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही, संगठन ने वैश्विक समुदाय से ऐसी हिंसा को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और धार्मिक सद्भाव को खतरा हो सकता है।

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

सऊदी अरब के पवित्र शहरों मक्का और मदीना को निशाना बनाकर किए गए ड्रोन हमलों के बाद तनाव बढ़ गया है। सऊदी गठबंधन और ओआईसी ने इसके लिए हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया, हालांकि हूतियों ने इससे इनकार किया है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत ऐसे पवित्र धार्मिक स्थलों पर हमला करना गंभीर युद्ध अपराध माना जाता है। पवित्र धार्मिक शहरों पर दूसरा हमला, 2017 के बाद से सबसे गंभीर हमला, मंगलवार, 29 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार सुबह 5.11 बजे हुआ। हूतियों ने मदीना में तैबा पावर डिस्ट्रिब्यूशन स्टेशन को निशाना बनाया, जो इस्लाम के दूसरे सबसे पवित्र स्थल 'अल-मस्जिद अन-नबवी' को बिजली सप्लाई करने वाली एक नागरिक सुविधा है। एक वन-वे अटैक ड्रोन ने एक ट्रांसफ़ॉर्मर को बेकार कर दिया। सऊदी गठबंधन ने बताया कि बड़े ग्रिड पर कोई असर नहीं पड़ा और मस्जिद में बिजली गुल नहीं हुई। गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-माल्की ने पुष्टि की कि मलबे को बरामद कर लिया गया है और ऑपरेशनल रिव्यू से हूतियों की संलिप्तता की पुष्टि हुई है। दो हफ़्ते पहले, मंगलवार, 15 सितंबर 2026 को स्थानीय समयानुसार शाम 6.50 बजे, सऊदी अरब ने मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को ग्रैंड मस्जिद के ऊपर प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में घुसने से पहले ही रोककर नष्ट कर दिया। 2017 के बाद मक्का पर यह पहली कोशिश थी। सऊदी अधिकारियों ने इस हमले के लिए यमन के हूती विद्रोहियों को ज़िम्मेदार ठहराया; बढ़ते तनाव के बीच इस्लाम के सबसे पवित्र शहर पर यह अपनी तरह की पहली घटना थी। सऊदी एयर डिफेंस ने जेद्दा से लगभग 70 किलोमीटर अंदर ड्रोन को रोक दिया, जिससे वह अपने लक्ष्य तक नहीं पहुँच पाया। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मलिकी ने बताया कि मक्का के प्रतिबंधित हवाई

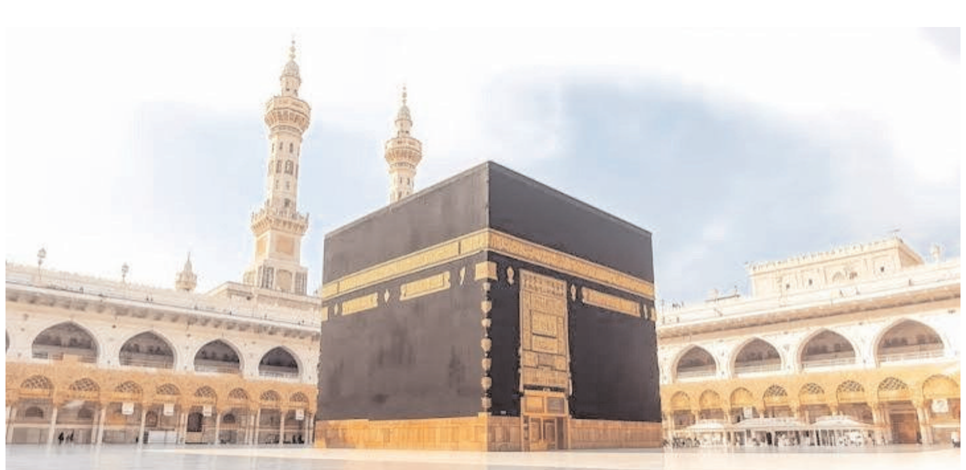

क्षेत्र में घुसने से पहले ही ड्रोन को रोक दिया गया था। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि दो पवित्र मस्जिदों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एक रेड लाइन (अति-संवेदनशील सीमा) है। उन्होंने इस हमले की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक हरकत बताया, जिसका मकसद इबादत करने वालों में डर पैदा करना और आम नागरिकों को नुकसान पहुँचाना था। सऊदी विदेश मंत्रालय ने इसे कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला करार दिया। हूथी आंदोलन (अंसार अल्लाह) ने तुरंत और स्पष्ट रूप से इसकी ज़िम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। 57 मुस्लिम-बहुल देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओ आई सी) ने मक्का पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे घिनौना बताया। ओ आई सी ने यमन के हूथी आंदोलन को इसके लिए ज़िम्मेदार ठहराया और पवित्र स्थलों की सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय एकजुटता का आह्वान किया। साथ ही, संगठन ने वैश्विक समुदाय से ऐसी हिंसा को रोकने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और धार्मिक सद्भाव को खतरा हो सकता है। सऊदी अरब और जी सी सी ने कहा कि इन हमलों ने सभी रेड लाइन्स पार कर ली हैं और यह हालात को गंभीर रूप से बिगाड़ने (ग्रेव एस्केलेशन) जैसा है। मक्का और मदीना को निशाना बनाकर दुनिया भर के लाखों मुसलमानों को जान-बूझकर उकसाया गया है। यू ए ई, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन और तुर्की ने भी एकजुटता दिखाते हुए बयान जारी किए। हूथियों ने ज़िम्मेदारी से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने किसी भी पवित्र स्थल को निशाना नहीं बनाया। उन्होंने सऊदी अरब पर आरोप लगाया कि वह मक्का के बारे में पहले किए गए दावे को साबित न कर पाने की अपनी नाकामी को छिपाने की कोशिश कर रहा है। हूथियों ने जुलाई 2026 में सऊदी अरब की समुद्री नाकेबंदी की घोषणा की थी और 2022 में संयुक्त राष्ट्र संघ की युद्धविराम संधि के टूटने के बाद सीमा-पार हमले फिर से शुरू कर दिए थे। सना और लाल सागर के तट पर उनके नियंत्रण की वजह से वे 900 किलोमीटर से ज़्यादा दूरी तक ड्रोन भेजकर मदीना तक पहुँच सकते हैं। पवित्र मस्जिद के पास बिजलीघर पर हमला करने का मकसद धार्मिक आक्रोश को भड़काना, सऊदी अरब पर दबाव बढ़ाना और ईरान-समर्थित क्षमताओं का प्रदर्शन करना है, ताकि यह दिखाया जा सके कि वे ईरान-अमेरिका-इज़राइल के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान भी सऊदी अरब के अंदरूनी इलाकों तक हमला कर सकते हैं। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इसका प्रतीकात्मक असर बहुत बड़ा है। इस्लामी दुनिया में, पैगंबर की मस्जिद (मस्जिद-ए-नबवी) को सेवा देने वाले बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने को पवित्रता पर ही हमला माना जाता है।

धार्मिक स्थलों पर हमलों को रोकने वाले अंतरराष्ट्रीय नियम – टकराव के दौरान धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना युद्ध का एक पुराना और दुखद पहलू रहा है। अंतरराष्ट्रीय कानून में इस मुद्दे पर स्पष्ट नियम हैं, जो सीधे तौर पर ऊपर बताए गए हमलों जैसे मामलों को संबोधित करते हैं। नीचे इन स्थलों के लिए ऐतिहासिक उदाहरण और मुख्य कानूनी सुरक्षा उपाय दिए गए हैं।अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून (आई एच एल) सशस्त्र संघर्षों के दौरान कई तरह से धार्मिक स्थलों की सुरक्षा करता है। इसका मुख्य सिद्धांत यह है कि ये स्थल नागरिकों की संपत्ति हैं और इन पर तब तक हमला नहीं किया जाना चाहिए जब तक कि ये सैन्य लक्ष्य न बन जाएं। 1907 के हेग नियमों का अनुच्छेद 27 कहता है कि घेराबंदी और बमबारी के दौरान, धर्म, कला, विज्ञान या धर्मार्थ कार्यों के लिए समर्पित इमारतों, ऐतिहासिक स्मारकों, अस्पतालों... को यथासंभव बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाने चाहिए, बशर्ते कि उनका उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए न किया जा रहा हो।

डिस्कस थ्रो में डिंपी सैनी ने फिर लहराया परचम, जीता गोल्ड

61वीं यूपी स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 43.53 मीटर की थ्रो से हासिल किया स्वर्ण पदक

थानाभवन। थानाभवन क्षेत्र के गांव हसनपुर लुहारी की प्रतिभावान एथलीट डिंपी सैनी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। लखनऊ स्थित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय 61वीं यूपी स्टेट ओपन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में डिंपी ने अंडर-18 डिस्कस थ्रो प्रतियोगिता में 43.53 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। प्रतियोगिता में डिंपी ने शुरूआत से ही बेहतर प्रदर्शन किया और अपने शानदार खेल के दम पर पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने डिस्कस को 43.53 मीटर की दूरी तक फेंककर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए डिंपी ने प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और एक और उपलब्धि अपने नाम की।

डिंपी की इस सफलता की जानकारी मिलते ही परिजनों, ग्रामीणों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल बन गया। लोगों ने डिंपी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर पदक जीत रही डिंपी की उपलब्धि से क्षेत्र की अन्य युवा प्रतिभाओं को भी खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है। उपलब्धियों से बढ़ाया मान।

डिंपी ने अक्टूबर 2024 में 35 वीं नार्थ जोन जूनियर ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया था।

2024 में ही लखनऊ में 58 वीं यूपी

स्टेट वार्षिक जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप अंडर 16 शाटपुट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। दो साल पहले इसी प्रतियोगिता में डिंपी ने रजत व स्वर्ण पदक जीतकर गांव व अपने प्रदेश का मान बढ़ाया हैं। वही अप्रैल 2025 में दिल्ली ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक जीता था।

सितंबर 2025 में भी डिंपी ने उत्तर प्रदेश ओपन चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन करते हुए डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक अपने नाम किया है।

उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर में आयोजित 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीतकर गांव व प्रदेश का मान बढ़ाया था।

एक महीने पहले पंजाब के लुधियाना में 21वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में 43.22 मीटर की थ्रो के साथ रजत पदक जीता।

पितृनाम संकीर्तन से गूंजा शिव मंदिर परिसर

मुजफ्फरनगर। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में उत्तरी सिविल लाइंस स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में निःशुल्क गीता पाठ एवं पितृनाम संकीर्तन का आयोजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने गीता पाठ के साथ पितरों का स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

परिवार के सचिव अतुल कुमार गर्ग ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजन के साथ हुआ। इसके बाद गणेश वंदना, ॐ नमो भगवते वासुदेवाय महामंत्र, अक्षर ब्रह्मयोग एवं अष्टादश श्लोकी का पाठ कराया गया। तत्पश्चात भजन संकीर्तन का आयोजन किया गया।

विपिन गुप्ता, राधा मिश्रा, मीनाक्षी शर्मा एवं महेंद्र रावत ने राधा-कृष्ण और पितरों के प्रति समर्पित भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति दी। जय जय पितर देवा, करूं मैं तेरी सेवा जैसे भजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया और उपस्थित श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

परिवार के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामबीर सिंह ने बताया कि महाराज श्री के घर-घर गीता, हर-घर गीता के वैश्विक अभियान के निमित्त पितृपक्ष में नगर के अलग-अलग क्षेत्रों में निरंतर निःशुल्क गीता पाठ कराया जा रहा है। इसका उद्देश्य गीता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के साथ पितृपक्ष में पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता की भावना को मजबूत करना है।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में दीपक गौतम, अनीता गुप्ता, राधा मिश्रा, डॉ. आदेश संगल, परिणिता, पूनम, सुषमा, राधा, अलका, मोहिनी, ममता, मंजू, मीनाक्षी, रेणू, सुंदर लाल तायल, अजय अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। अंत में गीता जी की आरती की गई। आरती के उपरांत श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया और कार्यक्रम का विश्राम हुआ।

बाइक अनियंत्रित होकर विद्युत खंभे से टकराई, भाई-बहन गंभीर

मनट भट्ठे के पास हादसा, प्राथमिक उपचार के बाद दोनों सहारनपुर मेडिकल कॉलेज रेफर

थानाभवन- क्षेत्र के गांव मनट भट्ठे के पास सोमवार सुबह बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे विद्युत खंभे से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को थानाभवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर हालत के चलते दोनों को सहारनपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, मुजफ्फरनगर जनपद के गांव शेरपुर निवासी उम्मेद अपनी बहन सना के साथ बाइक से रिश्तेदारी में कुंडा चौसाना जा रहे थे। मनट भट्ठे के पास अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे विद्युत खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों भाई-बहन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों और ग्रामीणों की भीड़

जमा हो गई। राहगीरों ने डायल-112 पर सूचना दी। सूचना मिलते ही पीआरवी 3021 पर तैनात पुलिसकर्मी विकास और सूरज मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने ग्रामीणों की मदद से दोनों घायलों को थानाभवन सीएचसी पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने पर दोनों को बेहतर उपचार के लिए सहारनपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

थानाभवन प्रभारी निरीक्षक बिजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

संचारी माह, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं नमामि गंगे अभियान को लेकर नगर पंचायत सक्रिय

ईओ जितेंद्र राणा व हाजी राव जमशेद ने वार्डों का किया निरीक्षण, मंदिर जस्सू वाला तालाब पर चला विशेष सफाई अभियान

थानाभवन। नगर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा नागरिकों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पंचायत थानाभवन द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा एवं अध्यक्ष पति हाजी राव जमशेद ने विभिन्न वार्डों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वार्ड नंबर 10 स्थित सरस्वती विहार कॉलोनी की विभिन्न गलियों और नालियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कुछ स्थानों पर सफाई व्यवस्था में कमी

पाए जाने पर संबंधित सफाई कर्मचारियों को तत्काल मौके पर बुलाया गया। इसके बाद आवश्यक सफाई कार्य कराकर मौके पर ही व्यवस्था को दुरुस्त कराया गया।

अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा ने सफाई कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अपने निर्धारित क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई सुनिश्चित करें। सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में नियमित निगरानी की जा रही है और सफाई व्यवस्था से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा।

इसके बाद नगर पंचायत की टीम एवं

सफाई मित्रों द्वारा वार्ड नंबर 15 स्थित मंदिर जस्सू वाला तालाब पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तालाब के किनारों तथा आसपास जमा कचरे और अपशिष्ट को हटाया गया। जलस्रोत को स्वच्छ रखने के लिए कर्मचारियों ने आसपास के क्षेत्र में भी सफाई अभियान चलाया।

नगर पंचायत की ओर से नागरिकों से अपील की गई कि तालाब, नालियों और अन्य जलस्रोतों में कूड़ा-कचरा अथवा किसी भी प्रकार का अपशिष्ट न डालें। स्वच्छता व्यवस्था को बनाए रखने में नगर पंचायत का सहयोग करें और अपने आसपास साफ-सफाई रखें।

थानाभवन सीएचसी के संविदाकर्मियों ने भी काली पट्टी बांधकर जताया विरोध।

नियमितीकरण को लेकर एनएचएम संविदाकर्मियों का सांकेतिक प्रदर्शन, मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी।

थानाभवन- नियमितीकरण समेत विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे एनएचएम संविदाकर्मियों ने सोमवार को सांकेतिक विरोध दर्ज कराया। थानाभवन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात एनएचएम संविदाकर्मियों ने हाथों पर काली पट्टी बांधकर काम किया और सरकार के प्रति अपना विरोध जताया। कर्मचारियों ने कहा कि विरोध के बावजूद उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित नहीं होने दिया और अपने कार्य को जारी रखा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर चल रहे आंदोलन के तहत जिलेभर में संविदाकर्मियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध किया। थानाभवन सीएचसी पर भी कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में सांकेतिक प्रदर्शन किया। कर्मचारियों का कहना है कि वह लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उनकी प्रमुख मांगों का अब तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। संघ की ओर से 22 सितंबर को जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर एनएचएम संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण,

समान कार्य-समान वेतन और नियमितीकरण होने तक मानदेय में वृद्धि की मांग की गई थी। इसके अलावा कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए कम से कम 10 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा, महंगाई भत्ता, ईपीएफ, एचआरए और ग्रेच्युटी का लाभ देने की मांग भी उठाई गई है। कर्मचारियों ने रिक्त पदों पर गैर जनपद स्थानांतरण की सुविधा, सेवा के दौरान मृत्यु होने पर आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति तथा एनएचएम के तहत कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों को जिला स्वास्थ्य समिति में समायोजित करने की मांग की है। स्वास्थ्य विभाग की नियमित भर्तियों में एनएचएम संविदाकर्मियों के लिए कम से कम 25 प्रतिशत सीटों का कोटा निर्धारित करने की मांग भी संगठन की ओर से की गई है।

संघ पदाधिकारियों का कहना है कि एनएचएम संविदाकर्मी ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद लंबे समय से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है। आंदोलन के कार्यक्रम के तहत 5, 6 और 7 अक्टूबर को भी काली पट्टी बांधकर विरोध जारी रहेगा। इसके बाद 8, 9 और 10 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होने पर 12 अक्टूबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी दी गई है।

स्त्री संचेतना काव्य मंच की मासिक गोष्ठी में गूंजा नारी-स्वर, रचनाओं ने बांधा समां

मुजफ्फरनगर। स्त्री संचेतना काव्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन द्वारिकापुरी स्थित डॉ. वीना गर्ग के आवास पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। गोष्ठी में मंच से जुड़ी कवयित्रियों ने नारी शक्ति, आत्मनिर्भरता, प्रकृति, मित्रता, देशभक्ति, प्रेम, भक्ति और संवेदनाओं से जुड़े विविध विषयों पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर साहित्यिक वातावरण को भावपूर्ण बना दिया।

गोष्ठी में डॉ. रुचि गर्ग ने नारी की महत्ता को रेखांकित करते हुए अपनी रचना प्रस्तुत की–

नारी है ज्ञान, नारी है ध्यान।
नारी कतार, नारी है म्यान।

ममता पंवार ने आत्मनिर्भरता और अपने रास्ते की तलाश को शब्द देते हुए कहा–

मेरा सवेरा मेरी ही आँखों में बसता है,
जो छोड़ गए अब उनका मलाल नहीं।
थी वो उनकी डगर,
मेरा अपना रास्ता है।

निधि शर्मा नीतिमा ने नवरात्रि के नौ

स्वरूपों को नारी शक्ति से जोड़ते हुए कहा– नवरात्रि के नौ रूप हैं सृष्टि का आधार, करती है वो ही सबका बेड़ा पार। पूनम चौधरी ने प्रकृति की गति और जीवन की दिशा को अपनी पंक्तियों में पिरोते हुए पढ़ा–ना जाने ये कैसी हवा चल रही है, मुझे धीरे-धीरे दिशा मिल रही है। ना जाने ये मेघा कहाँ जा रहे हैं, संग-संग इनके धरा चल रही है।

सीमा सिंह ने मन में छिपे दर्द और भावनाओं को अभिव्यक्ति देते हुए कहा–

दिखते हैं सभी आज कितने ही खुश,
जख्म-ए-दर्द मन में भरा ही रखें।
सज रही हर तरफ आज हैं महफिलें,
दर्द मन के अपने किसे कब कहें।

सीमा मलिक ने सच्ची मित्रता की कामना को सुंदर शब्दों में व्यक्त करते हुए कहा–

ह्लकंचन बन जाऊँ, वह पारस हो मेरी,
दोस्ती हो सागर से गहरी।
शब्दों से कम, दिल से हो बातें सारी,
ऐसी एक सखी हो मेरी।

नेहा कौशिक ने साहस और उपलब्धि को रेखांकित करते हुए स्मित मच्छार पर अपनी रचना प्रस्तुत की–

ह्लखतरों से लड़ा,
वह सिकंदर बना,
भारत का बेटा
स्मित मच्छार,
दुनिया पर छा गया।

डॉ. वीना गर्ग ने स्मित मच्छार के साहस और देशगौरव को अपनी पंक्तियों में व्यक्त करते हुए कहा–

स्मित मच्छार ने आज तिरंगा, आसमान पर चढ़ा दिया। भारत के गौरव को तुमने, निज साहस से बढ़ा दिया।

वृंदा सिंह ने सहजता और अपनी पहचान को बनाए रखने की भावना को स्वर देते हुए कहा– मैं पागल थी, मैं पागल हूँ, मुझे पागल ही रहने दो, मुझे कालिख नहीं बनना, मुझे काजल ही रहने दो।

इंदु राठी ने करवाचौथ के बहाने पुराने समय की सादगी और रिश्तों की मिठास को याद करते हुए पढ़ा–

वो पहली करवाचौथ का दिन, क्या सादा वो जमाना था, चीजें बेहद सस्ती थीं, पर प्यार का खजाना था। लक्ष्मी नितिन डबराल ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य और स्वाभिमान को स्वर देते हुए कहा–

भारत-भू की भाल-विभूति, वीर-व्रती वह रानी थी।
शौर्य, शील अरु स्वाभिमान की, पावन पुण्य कहानी थी।

गोष्ठी के अंत में सुमन प्रभा ने बांके बिहारी के प्रति भक्ति और अनुराग से ओतप्रोत रचना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया–

तुमसे मिलने की बेकरारी बहुत है।
आज की रात हमें नींद न आयेगी।
पकड़ लो हाथ मेरा बाँके बिहारी,
तुम बिन जिंदगी गुजारी न जायेगी।

गोष्ठी में प्रस्तुत सभी रचनाओं ने साहित्य और संवेदना के विभिन्न रंगों को सामने रखा। कवयित्रियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने उपस्थित साहित्यप्रेमियों को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में रचनात्मकता, संवेदना और नारी-स्वर की सशक्त अभिव्यक्ति देखने को मिली। विविध विषयों पर रची गई कविताओं ने गोष्ठी को साहित्यिक गरिमा प्रदान की और उपस्थित जनों ने कवयित्रियों की प्रस्तुतियों की सराहना की।

रंग संसार

'मैं पिज्जा नहीं हूं...' शेफाली शाह ने पहली शादी टूटने का दर्द किया बयां, बताई तलाक की सच्चाई

नई दिल्ली। 'दिल्ली क्राइम' फेम एक्ट्रेस शेफाली शाह ने अपनी किताब 'द ऑडैसिटी ऑफ बीइंग' में एक्टर हर्ष छाया के साथ अपनी पहली शादी को याद किया है और शादीशुदा जिंदगी की हकीकत को बिना किसी बनावट के दिखाया है। शेफाली शाह ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी पहली शादी की सच्चाई के बारे में बताते हुए कहा, 'जरूरी नहीं कि शादी वैसी ही चले जैसी सोची गई हो और फिर, आपके पास उससे निपटने के अलावा कोई चारा नहीं बचता'। पुराने दिनों को याद करते हुए शेफाली शाह ने कहा कि कोई भी तलाक के लिए तैयार नहीं होता। उन्होंने अपनी किताब में लिखा, 'मैं किताब में किसी का नाम नहीं ले रही हूं। मैं इस बात पर भी नहीं जा रही कि क्या हुआ या क्या नहीं हुआ। मैं बस आम तौर पर होने वाली चीजों के बारे में बात कर रही हूं जब लोग शादी करते हैं और कोई भी तलाक के लिए तैयार नहीं होता'। अपनी नाकाम शादी के अलावा, शेफाली शाह की किताब में प्यार और उससे जुड़े जाने-पहचाने दर्द, तलाक और दोबारा शादी, दोस्ती और बॉलीवुड एक्टर के तौर पर उम्र बढ़ने, क्रिएटिव काम को लेकर मन में शक, बॉडी इमेज और बच्चों की परवरिश की चुनौतियों के बारे में भी बात की है। शेफाली ने इस बारे में बात करते हुए कहा था, 'मेरे लिए, यह एहसास मेरी पहली शादी के बाद हुआ। एक करीबी दोस्त ने मुझसे पूछा, ह्यक्या हो अगर तुम्हें दोबारा प्यार न मिले? क्या तुम वह रिस्क लोगी या वहीं बनी रहोगी? मैंने जवाब दिया कि मैं फिर भी रिस्क लूंगी। अगर मुझे अपनी जिंदगी अकेले बितानी पड़ी, तो मैं उसे ही चुनूंगी। मैं ऐसी स्थिति में नहीं रह सकती जो मुझे खुशी और आत्मविश्वास न दे या जहां मुझे अहमियत न मिले।'तभी मैंने घर से बाहर निकलकर पहली बार अकेले रहने का फैसला किया

राज काज

अदाणी के खिलाफ लामबंद हुईं एयरलाइंस, कहा- दिखाओ 6 साल का रिकॉर्ड, तब तक नवी मुंबई शिफ्ट नहीं होंगी फ्लाइट्स!

नई दिल्ली नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मौजूदा फ्लाइट्स शिफ्ट करने को लेकर अदाणी समूह और एयरलाइंस के बीच विवाद बढ़ गया है। एयरलाइन ऑपरेटर कमेटी (AOC) ने मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 (T1) के रीडेवलपमेंट को लेकर 2020 से हुई सभी बैठकों, बातचीत और फैसलों का रिकॉर्ड मांगा है। एयरलाइंस का कहना है कि, "जरूरी डेटा और विस्तृत प्लान सामने आने तक मौजूदा इंटरनेशनल फ्लाइट्स को नवी मुंबई शिफ्ट करने पर सहमति नहीं दी जा सकती।" मुंबई और नवी मुंबई दोनों एयरपोर्ट अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (AAHL) के नियंत्रण में हैं। एएएचएल ने शनिवार यानी 3 अक्टूबर को कहा था कि मुंबई एयरपोर्ट के करीब 60 साल पुराने टर्मिनल-1 को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं। इसलिए एयरलाइंस से कहा गया है कि वह अपनी करीब 33% इंटरनेशनल सर्विस को 25 अक्टूबर तक नवी मुंबई एयरपोर्ट पर शिफ्ट करें। एयरलाइंस ऑपरेटर्स कमेटी ने एएएचएल से पूछा है कि, "अगर T1 के भविष्य और उसके पुनर्विकास पर 2020 से ही बड़े स्तर पर बातचीत हो रही थी, तो उस बातचीत का रिकॉर्ड सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया।"एओसी ने 2020 से हुई बैठकों के मिनट्स की मीटिंग (MoM), बातचीत के रिकॉर्ड और डॉक्यूमेंटेड नतीजे सभी संबंधित पक्षों के साथ साझा करने की मांग की है। एयरलाइंस ने यह भी याद दिलाया कि "अदाणी समूह ने मुंबई एयरपोर्ट का संचालन 2021 के मध्य में संभाला था। ऐसे में 2020 से हुई बातचीत के दावे के आधार और उसमें अदाणी समूह की भूमिका को स्पष्ट करने की जरूरत है।" एयरलाइंस की सबसे बड़ी आपत्ति 33% इंटरनेशनल ट्रैफिक को नवी मुंबई भेजने के फैसले को लेकर है। एओसी ने पूछा है कि 33% का आंकड़ा आखिर किस आधार पर तय किया गया है। कमेटी जानना चाहती है कि इस आंकड़े का आधार क्या है। इसे लेकर 5 पॉइंट्स में जवाब भी मांगे हैं। टर्मिनल की क्षमता पर आधारित है या यात्री ट्रैफिक पर? उड़ानों या एयरपोर्ट स्लॉट के आधार पर तय किया गया है? क्या स्लॉट में बदलाव के लिए IATA की अंतरराष्ट्रीय गाइडलाइंस को ध्यान में रखा गया?

दैनिक राशिफल मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

मेष – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी।

वृष – जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवासए मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

मिथुन : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धिए बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कर्क – संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धिए बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह– कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे।

कन्या – महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

वृश्चिक – आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें।

धनु – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा।

मकर – कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा।

कुंभ – अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा।

मीन – ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

दैनिक पंचांग

6 अक्टूबर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.47 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	09.02 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.18 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.23 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.09 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.42 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.13 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.53 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.51 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.04 बजे से
3.00 से 4.30		सिंह	02.21 बजे से
बजे तक		कन्या	04.32 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 279 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 00.35 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आश्लेषा 22.18 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 07.21 बजे तदनन्तर साध्य 05.00 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** बव 13.20 बजे तदनन्तर बालव 00.35 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण $05^{\circ} 02'$ **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872854 **जूलियन दिन** 2461319.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 24 **विशेष** इन्दिरा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर व शामली के कारोबारियों में मचा हड़कंप! नेशनल हाइवे पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एनएचएआई का एक्शन, सैकड़ों प्रतिष्ठानों को थमाए नोटिस

दिल्ली-शामली-सहारनपुर और पानीपत-खटीमा हाइवे पर होटलों, रेस्टोरेंटों, पेट्रोल पंपों, अन्य कारोबारियों पर बिना अनुमति के व्यावसायिक निमार्णों और अवैध रास्तों पर कसी नकेल

मुजफ्फरनगर/शामली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पानीपत-खटीमा हाईवे के बाद अब दिल्ली-शामली-सहारनपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिना अनुमति के चलाए जा रहे व्यावसायिक निमार्णों और अवैध रास्तों को लेकर कड़ा एक्शन लिया है। एनएचएआई की इस कड़क और आक्समिक कार्रवाई से शामली से लेकर सहारनपुर तक हाईवे किनारे कारोबार करने वाले व्यापारियों, स्कूल संचालकों और रिसॉर्ट मालिकों में हड़कंप मच गया है। एचएचएआई की इन दोनों कार्रवाई की जद में शामली जिले के 45, मुजफ्फरनगर के 27 और हरियाणा के पानीपत (सनौली क्षेत्र) के 16 प्रतिष्ठान शामिल है, बाकी सहारनपुर जिले के प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिल्ली-शामली-सहारनपुर हाईवे के चौड़ीकरण और निर्माण क्षेत्र से जुड़े मामलों को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। शीर्ष अदालत द्वारा पारित आदेशों के अनुपालन में एनएचएआई ने त्वरित कदम उठाते हुए शामली से सहारनपुर तक करीब 70 से अधिक भूखंड मालिकों को कारण बताओ नोटिस थमाए हैं। इनमें से अकेले शामली जनपद सीमा में आने वाले 45 प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल हैं। एनएचएआई द्वारा जारी नोटिसों में हाईवे की तय सीमा/भूमि के नियमों के उल्लंघन और बिना एनओसी के व्यावसायिक रास्ते खोलने पर जवाब तलब किया गया है। प्रशासनिक इकाईः यह कार्रवाई एनएचएआई की बागपत इकाई के दिशा-निदेर्शों में प्रबंधक सत्यम सेठ के नेतृत्व में की जा रही है।

कुल नोटिस जारीः शामली से सहारनपुर हाईवे पट्टी के बीच 70 से अधिक व्यावसायिक भूखंड मालिकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। शामली जिले में असरः अकेले शामली जिले की सीमा में आने वाले 64 और हरियाणा पानीपत के व्यावसायिक प्रतिष्ठान नोटिस की जद में आए हैं।

शैक्षणिक व अन्य संस्थानः थानाभवन स्थित अर्पण पब्लिक स्कूल, देवी उमराकौर वैदिक महा-विद्यालय, आश्रम पंचतीर्थी आदि। ऑटोमोबाइल शोरूमः टीवीएस, यामाहा, बजाज, हीरो, रॉयल एनफील्ड और महादेव ऑटोमोबाइल शोरूम। होटल, ढाबे व रेस्टोरेंटः सिल्वर इन होटल, जैन शिकंजी, चौहान टी स्टॉल, संगम फैमिली ढाबा, मलिक रेस्टोरेंट, कृष्णा फैमिली ढाबा, राधा ढाबा, एपी होटल, द हंट फूड शॉप, वर्षा पंजाबी ढाबा, लग्जरी इन, रॉयल होटल, महादेव वैष्णो ढाबा, अन्नपूर्णा वैष्णो ढाबा, लक्ष्मी ढाबा, राइडर पिज्जा और रेड चिली रेस्टोरेंट।

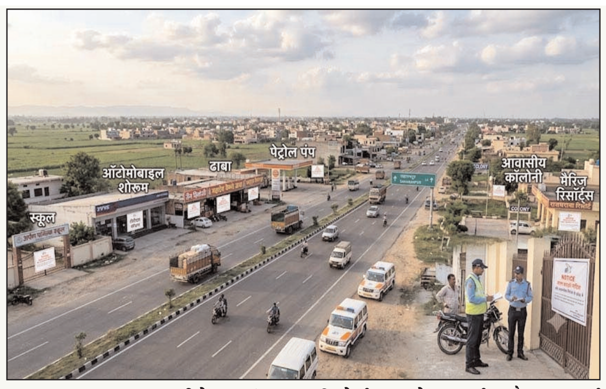

आवासीय कॉलोनियां व बैंक्वट हालः अल्फा सिटी, रक्षा पूरन नगर, ड्रीम सिटी, रामनगर कॉलोनी, शि-वकुंज, राजघराना रिसॉर्ट, द एवेन्यू रिसॉर्ट, एसके फार्म, गौतम फार्म हाउस और राजा-रानी बैंक्वट हॉल। पेट्रोल पंप व फैक्ट्रियांः इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप, चौहान लीथियम बैटरी मैन्युफैक्चरिंग, ओम इलेक्ट्रॉनिक्स और ट्रेंड फैशन फैक्टरी। एनएचएआई की बागपत इकाई के प्रबंधक सत्यम सेठ ने नोटिस जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पूरी सख्ती से पालन कराया जा रहा है। जिन भूखंड मालिकों को नोटिस जारी किए गए हैं, उन्हें एक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। यदि तय समय में जवाब प्राप्त नहीं होता या दिया गया जवाब असंतोषजनक पाया जाता है, तो नियम-कानून के तहत आगे की ध्वस्तीकरण व सीलिंग जैसी सख्त कार्रवाई की जाएगी। नोटिस मिलने के बाद थानाभवन स्थित अर्पण पब्लिक स्कूल के प्रबंधक अर्पण सैनी ने एनएचएआई की बागपत इकाई को अपना आधिकारिक जवाब भेज दिया है। प्रबंधक का कहना है कि स्कूल का संचालन वर्ष 2005 से लगातार हो रहा है। जब इस स्कूल की स्थापना की गई थी, उस समय यह मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग ना होकर राज्य मार्ग हुआ करता था। प्राधिकरण को स्थिति स्पष्ट करते हुए जवाब प्रेषित कर दिया गया है।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर बिना अनुमति निर्माण पर एनएचएआई की यह कोई पहली कार्रवाई नहीं है। करीब चार महीने पहले भी पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिह्नित 64 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी करके अल्टीमेटम दिया जा चुका है, जिनमें मुजफ्फरनगर के 27, शामली के 19 तथा हरियाणा के पानीपत (सनौली क्षेत्र) के 16 प्रतिष्ठान/संपत्तियां शामिल थीं।

खतौली में नेत्र सुरक्षा सेमिनारः बच्चों को दिए आंखों की देखभाल के टिप्स

सेमिनार में डॉ. वांछिता वर्मा ने डिजिटल युग में आंखों पर पड़ रहे दुष्प्रभावों की दी जानकारी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। स्थानीय कस्बे के एमएलएम एकेडमी में सोमवार को रोटरेक्ट क्लब खतौली 'उड़ान' के तत्वावधान में बच्चों की स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर एक विशेष 'नेत्र सुरक्षा एवं देखभाल' सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को डिजिटल युग में आंखों पर पड़ रहे दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सही देखभाल के तौर-तरीके सिखाना था।

मोबाइल और गैजेट्स के बढ़ते इस्तेमाल पर जताई चिंता

सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. वांछिता वर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मोबाइल, टैबलेट और लैपटॉप के अत्यधिक प्रयोग से बच्चों की दृष्टि पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने बच्चों को स्क्रीन टाइम कम करने की सख्त सलाह दी। चिकित्सक ने विद्यार्थियों को पढ़ते समय पुस्तकों को आंखों से उचित दूरी पर रखने, कमरे में सही रोशनी व्यवस्था बनाए रखने और दैनिक खान-पान में हरी सब्जियों व विटामिन-ए से भरपूर संतुलित आहार को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को आंखों के विशेष व्यायाम भी सिखाए। मुख्य वक्ता व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. वांछिता वर्मा ने कहा कि आंखों में किसी भी प्रकार की समस्या, भारीपन या धुंधलापन होने पर इसे हल्के में न लें। लापर-वाही बरतने के बजाय समय रहते विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना ही सबसे बेहतर उपाय है।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया उत्साह

सेमिनार के दौरान एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तरी (क्विज) सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने नेत्र स्वास्थ्य से जुड़े अपने संदेहों और सवालों को डॉ. वर्मा के समक्ष रखा, जिनका उन्होंने बेहद सरल और व्यावहारिक भाषा में समाधान किया।

रोटरेक्ट क्लब ने मुख्य वक्ता को किया सम्मानित

कार्यक्रम के सफल समापन पर रोटरेक्ट क्लब की अध्यक्षा नित्या अग्रवाल ने डॉ. वांछिता वर्मा को क्लब की ओर से स्मृति चिह्न (मोमेंटो) भेंटकर उनका आभार व्यक्त किया। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल संचालन नीरज गोगिया द्वारा किया गया। इस मौके पर क्लब एवं स्कूल से जुड़े अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इनमें नारायणी अग्रवाल, निश्चल अग्रवाल, सौरभ विश्वकर्मा के साथ-साथ रोटरी क्लब के सुबोध जैन, मनोज जैन, विभू शर्मा, नीतू अग्रवाल तथा नीरज अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खेत पर युवती से छेड़छाड़ का आरोप, विरोध पर घर पहुंचकर भी की मारपीट, 24 घंटे में तीन आरोपी गिरफ्तार

कन्हाहेड़ी गांव में खेत जाते समय युवती को रोकने का आरोप, शोर मचाने पर पहुंची मां तो भागे युवक; घर पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के कन्हाहेड़ी गांव में खेत पर जा रही एक युवती से छेड़छाड़ और अभद्रता के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवती को खेत की नाली के पास रोककर उस-के साथ अभद्रता की गई। युवती के विरोध करने और शोर मचाने पर उसकी मां मौके पर पहुंची तो आरोपी वहां से भाग गए। आरोप यह भी है कि घटना के बाद तीनों युवक युवती के घर पहुंचे और उसके परिजनों के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया और 24 घंटे के भीतर तीनों आ-रोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, कन्हाहेड़ी गांव निवासी महिला ने चार अक्टूबर को थाने में शिकायत दी थी। शिकायत में बताया गया कि वह अपने माता-पिता से मिलने के लिए खेत की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में उसे गांव के रवि पुत्र ओमपाल, राजन पुत्र मनेश और दीपक पुत्र राजेंद्र मिले। आरोप है कि तीनों ने उसे रोक लिया और उसके साथ छेड़छाड़ व अभद्रता करने लगे।

शोर मचाने पर पहुंची मां, आरोपी भागे

शिकायत के मुताबिक, युवती ने तीनों युवकों की हरकत का विरोध किया और शोर मचाना शुरू कर दिया। उसकी आवाज सुनकर उसकी मां मौके पर पहुंच गई। मां को आता देखकर तीनों युवक वहां से भाग निकले। इसके बाद युवती ने अपने परिजनों को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। आरोप है कि मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। कुछ समय बाद

तीनों युवक युवती के घर पहुंच गए। वहां उन्होंने परिजनों के साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। घटना के बाद परिवार ने थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

शिकायत पर दर्ज हुआ मुकदमा

पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक विशाल राठी को सौंपी गई। पुलिस ने शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई। मामले में केस संख्या 191/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 74, 115(2) और 352 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है।

24 घंटे में तीनों आरोपी गिरफ्तार

मुकदमा दर्ज होने के बाद चरथावल पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने पांच अक्टूबर को तीनों नामजद आरोपियों रवि पुत्र ओमपाल, राजन पुत्र मनेश और दीपक पुत्र राजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की गई और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस टीम में ये रहे शामिल

तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक विशाल राठी, कांस्टेबल संजय और कांस्टेबल सोवित शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि मामले में विवेचना जारी है और शिकायत में लगाए गए आरोपों से संबंधित तथ्यों की जांच की जा रही है।

भोपा के कासमपुरा में तेज बाइक चलाने पर विवादः युवक पर ईंटों से हमला, पुलिस जांच में जुटी

बच्चे के बाल बाल बचने पर हुआ विवाद, विरोध करने पर की बर्बरता

भोपा (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव कासमपुरा में तेज रफ्तार और लापरवाही से बाइक चलाने का विरोध करना एक ग्रामीण को भारी पड़ गया। बेखौफ आ-रोपियों ने न केवल पीड़ित के साथ गाली-गलौज की, बल्कि ईंट-पत्थरों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित ने भोपा पुलिस थाने में आ-रोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर देकर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। गांव कासमपुरा निवासी विपिन के अनुसार, गांव का ही एक युवक आए दिन उनके घर के सामने से बेहद तेज रफ्तार में मोटरसाइकिल लेकर गुजरता है। इससे पहले भी कई बार घर के छोटे-छोटे बच्चे सड़क दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बचे हैं। सोमवार सुबह भी आरोपी युवक तेज रफ्तार से बाइक चलाता हुआ निकला, जिसकी चपेट में आने से विपिन का 3 वर्षीय मासूम पुत्र क्रिश बाल-बाल बच गया। जब विपिन ने इस लापरवाही का विरोध किया, तो आरोपी आपा खो बैठा और मौके पर ही गाली-गलौज करने लगा।

परिजनों संग मिलकर की बर्बरता

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पास में पड़ी ईंट उठाकर विपिन पर दे मारी। इसके तुरंत बाद आरोपी के परिवार के चार अन्य लोग भी मौके पर आ पहुंचे। सभी ने मिलकर विप्रल्ल को घेर लिया और उसके साथ जम कर मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उसकी पगड़ी उतार दी और बालों से पकड़कर सड़क पर घसीटा, जिससे उसे शरीर पर गंभीर चोटें आईं। घटना के वक्त मौके पर चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़े और किसी तरह बीच-बचाव कर विपिन को आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। दूसरी ओर, आरोपी पक्ष ने आरोपों को खारिज करते हुए अलग ही तर्क दिया है। उनका कहना है कि गांव की सड़क पर जलभराव की समस्या है। बाइक गुजरने के दौरान पानी की छींटें पड़ने का झूठा आरोप लगाकर विवाद खड़ा किया गया और मारपीट की गई।थाना पुलिस का कहना है कि पीड़ित विपिन की ओर से शिकायत पत्र प्राप्त हुआ है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की प्राथमिक जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

खतौली में एनएसएस का सफाई अभियानः भाषण प्रतियोगिता में चमकीं बेटियां

श्री कुंद-कुंद जैन पीजी कॉलेज मे एनएसएस स्वयंसेवकों का शिविर

खतौली (मुजफ्फरनगर)। स्थानीय कस्बे के श्री कुंद-कुंद जैन पीजी कॉलेज' में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तत्वावधान में 'सेवा संकल्प अभियान' एवं 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत एक दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के स्वयंसेवकों ने न केवल परिसर की सफाई की, बल्कि समाज को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश भी दिया। दूसरी ओर, मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में कॉलेज की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया।

श्रमदान कर प्लास्टिक कचरे का किया निस्तारण

स्वच्छता अभियान के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ महा-विद्यालय परिसर, विभिन्न कक्षाओं और कॉलेज के आसपास के क्षेत्रों में गहन

श्रमदान किया। स्वयंसेवकों ने परिसर में एकत्र पॉलीथिन और प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने स्वच्छता को केवल एक दिन का कार्य न मानकर अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस मौके पर प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि यह हमारी दैनिक जीवनशैली और संस्कारों का हिस्सा होना चाहिए। स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण करता है। कार्यक्रम अधिकारी विकास जैन ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय भाषण प्रतियोगिता में छाईं कॉलेज की बेटियां

सेवा संकल्प अभियान की अगली कड़ी में मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर में विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर, सहारनपुर और शामली जिलों के विभिन्न कॉलेजों से आए लगभग 150 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कॉलेज की छात्रा इरम ने प्रथम स्थान हासिल कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया, जबकि इसी कॉलेज की तनु ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। इनके अलावा कॉलेज के प्रतिभागी ईरान, अनुष्का और समद ने भी ज्वलंत सामाजिक एवं समसामयिक विषयों पर ओजस्वी विचार प्रस्तुत कर दर्शकों की सराहना बटोरी।

कृषि विज्ञान केंद्र, चितौड़ा द्वारा ग्राम छछरौली में फसल अवशेष प्रबंधन पर ग्राम जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरनगर। कृषि विज्ञान केंद्र चितौड़ा द्वारा आज मोरना ब्लॉक के ग्राम छछरौली में 'फसल अवशेष प्रबंधन' पर एक दिवसीय ग्राम जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए सर्वसम्मति से सतवीर सिंह को कार्यक्रम अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने किसानों को पराली न जलाने तथा इसके सही प्रबंधन के वैज्ञानिक तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

प्रभारी अधिकारी डॉ. यश पाल सिंह ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि फसल अवशेषों को खेतों में जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि मिट्टी के जैविक पोषक तत्व और मित्र कीट भी नष्ट

हो जाते हैं। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि यंत्रों जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर और रोटावेटर का उपयोग कर पराली को मिट्टी में ही मिलाने का आह्वान किया।

परियोजना अन्वेषक डॉ. रीना ने फसल अवशेष प्रबंधन परियोजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पराली प्रबंधन से मृदा स्वास्थ्य में सुधार होता है और आगे आने वाली फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होती है। उन्होंने महिलाओं और युवा किसानों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़े इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

उत्तम राठी ने किसानों को वेस्ट ड-िकंपोजर और अन्य जैविक तकनीकों के व्यावहारिक उपयोग के बारे में जानकारी दी, जिससे पराली को खेत में ही खाद में बदला जा सके।

कार्यक्रम के अध्यक्ष सतवीर सिंह ने कृषि विज्ञान केंद्र, चितौड़ा के वैज्ञानिकों का धन्यवाद व्यक्त किया और ग्रामीणों को विश्वास दिलाया कि ग्राम चाछरौली के किसान पर्यावरण सुरक्षा एवं भूमि की उर्वरता बनाए रखने के लिए पराली प्रबंधन के तरीकों को अपनाएंगे।

इस जागरूकता कार्यक्रम में गांव के अनेक प्रगतिशील किसानों, गणमान्य नागरिकों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा पराली न जलाने का संकल्प लिया।

पुलिस की मौजूदगी में नायब तहसीलदार से बदसलूकी

फिल्मी स्टाइल में आगे गाड़ी लगाकर रोकी अफसर की गाड़ी
अवैध मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली रोकने पर हंगामा

मुजफ़्फ़रनगर। जनपद में अवैध मिट्टी खनन रोकने पहुंची प्रशासनिक टीम के सामने सोमवार सुबह करीब 10 बजे खनन से जुड़े लोगों का दुस्स-हस देखने को मिला। मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने के दौरान पुलिस की मौजूदगी में नायब तहसीलदार के साथ बदसलूकी की गई। आरोप है कि खनन से जुड़े लोगों ने नायब तहसीलदार की गाड़ी को भी घेर लिया और काफी देर तक उन्हें आगे नहीं जाने दिया।

सदर तहसील के नायब तहसीलदार ने पुलिस की मदद से जौली रोड से शहर की तरफ आ रहे अवैध मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा किया। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र में बिलासपुर कट के पास पेट्रोल पंप के सामने ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवा लिया गया। कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर चालक ने कॉल करके कई लोगों को मौके पर

बुला लिया।

खनन से जुड़े लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में नायब तहसीलदार से बदसलूकी शुरू कर दी। इसी दौरान एक गाड़ी नायब तहसीलदार की गाड़ी के आगे लगा दी गई। इस गाड़ी पर भारतीय किसान यूनियन का झंडा लगा हुआ था। गाड़ी आगे लगने के बाद नायब तहसीलदार का रास्ता रोक दिया गया। इसके बाद मौके पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। नायब तहसीलदार के चालक के साथ भी अभद्रता किए जाने का आरोप है। इतना ही नहीं, दोनों को गाड़ी से बाहर निकालने की कोशिश किए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के बावजूद इस तरह नायब तहसीलदार की गाड़ी रोकने से मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। घटना के बाद प्रश-ासनिक टीम और पुलिस ने स्थिति संभाली। मामला अवैध मिट्टी खनन से जुड़ा होने के कारण कार्रवाई को लेकर भी प्रशासनिक स्तर पर जानकारी जुटाई जा रही है। घटना का वीडियो सामने आने पर पूरे मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

रोहन राठी हत्याकांड के अधूरे खुलासे पर का रालोद मोर्चा, एसएसपी से बोले—हर सवाल का जवाब और हर दोषी पर कार्रवाई जरूरी

रालोद प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी से की मुलाकात, परिवार के पुलिस खुलासे से असंतोष का मुद्दा उठाया

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी क्षेत्र के गांव हरेटी निवासी ग्राम प्रधान विवेक राठी के इकलौते पुत्र रोहन राठी हत्याकांड का मामला एक बार फिर गरमा गया है। पुलिस के खुलासे के बावजूद परिवार और ग्रामीणों की ओर से लगातार सवाल उठाए जाने के बीच राष्ट्रीय लोकदल के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी, पूर्व मंत्री धर्मवीर बालियान, पूर्व मंत्री योगराज सिंह, मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, राष्ट्रीय महासचिव किसान प्रकोष्ठ एवं चेयरमैन कृष्णपाल राठी, प्रदेश महासचिव रामनिवास पाल, पूर्व जिलाध्यक्ष संदीप मलिक, प्रदेश महासचिव उमा दत्त शर्मा, पूर्व युवा जिलाध्यक्ष विदित मलिक, पंकज पाल, धर्मेंद्र राठी, गोल्डी राठी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य हरीश त्यागी सहित कई नेता शामिल रहे। नेताओं ने एसएसपी के सामने साफ कहा कि मौजूदा खुलासे से पीड़ित परिवार संतुष्ट नहीं है और उसे आशंका है कि हत्या की वारदात में पुलिस के सामने आए आरोपियों के अलावा अन्य लोगों की भूमिका भी हो सकती है। रालोद नेताओं ने एसएसपी से मांग की कि मामले की जांच को किसी एक निष्कर्ष तक सीमित न रखा जाए, बल्कि घटना से पहले रोहन की गतिविधियों, उसके संपर्क में रहे लोगों, घटनास्थल तक पहुंचने और वहां से शव मिलने तक के पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़कर जांच की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए, ताकि परिवार के मन में मौजूद हर सवाल का जवाब मिल सके और वास्तविक दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी का-र्रवाई हो। रोहन राठी हरेटी गांव के प्रधान विवेक राठी का इकलौता बेटा था। 24 सितंबर को उसका शव गांव के पास खेत की नाली में मिला था। रोहन एलएलबी प्रथम वर्ष का छात्र था और घटना से पहले दोस्त की जन्मदिन पार्टी में गया था। अगले दिन उसका शव मिलने के बाद गांव और आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। शुरूआती जांच में पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने 25 सितंबर को नाजिम और शावेज को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करते हुए

हत्याकांड का खुलासा करने का दावा किया था। पुलिस के मुताबिक दोनों की कार से रोहन की बाइक की टक्कर हुई थी और रोहन द्वारा उन्हें पहचान लिए जाने की आशंका में कथित तौर पर उस-की हत्या की गई। दोनों आरोपियों के पैर में गोली लगने की बात भी सामने आई थी। हालांकि, पुलिस की इस का-र्रवाई के बाद ही मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने खुलासे को लेकर सवाल खड़े कर दिए थे। परिवार का कहना था कि घटना के कई पहलू अभी स्पष्ट नहीं हैं और पुलिस की कहानी से उनकी शंकाओं का समाधान नहीं हो रहा है।

पुलिस के खुलासे के बाद क्यों उठे सवाल? रोहन हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई के बाद परिवार और ग्रामीणों की ओर से मुख्य सवाल यह उठाया गया कि क्या घटना वास्तव में केवल सड़क पर हुई टक्कर और पहचान सामने आने के बाद हुए विवाद का परिणाम थी या इसके पीछे कोई अन्य कारण भी था। परिजनों की ओर से यह भी मांग उठाई गई कि रोहन के घर से निकलने के बाद उसके पूरे रास्ते की जांच की जाए। रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, मोबाइल फोन से हुई बातचीत, जन्मदिन पार्टी में मौजूद लोगों और घटना से पहले तथा बाद में रोहन के संपर्क में रहे लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाए। एसएसपी ने पहले भी कहा था कि मामले की जांच बंद नहीं हुई है और सीसीटीवी समेत विभिन्न बिंदुओं पर जांच जारी है। परिजनों और ग्रामीणों की असंतुष्टि को देखते हुए एसएसपी ने मामले की जांच के लिए छह सदस्यीय विशेष जांच टीम का गठन किया था। एसआईटी का नेतृत्व एसपी सिटी को दिया गया है। टीम में सीओ सदर, एसओजी प्रभारी तथा छपार और पुरकाजी थाना प्रभारियों समेत अधिकारी शामिल किए गए हैं। एसआईटी को विशेष रूप से उन बिंदुओं की जांच करनी है जिनको लेकर परिवार और ग्रामीणों की ओर से सवाल उठाए गए हैं। इनमें यह देखना शामिल है कि हत्या के पीछे कोई पुरानी रंजिश या अन्य आपराधिक कारण तो नहीं था, रोहन के घर से निकलने से लेकर घटनास्थल तक की गतिविधियां क्या थीं, रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों में क्या सामने आया और जन्मदिन पार्टी में कौन-कौन लोग मौजूद थे तथा रोहन ने किन लोगों से मोबाइल पर बातचीत की थी। रालोद नेताओं ने कहा–किसी भी पहलू को नजरअंदाज न किया जाए

सोमवार को एसएसपी से मुलाकात के दौरान रालोद नेताओं ने इसी जांच को और प्रभावी तरीके से आगे बढ़ाने की मांग की।

पुलिस कर्मियों के कंधों पर लंगड़ाता नजर आया छेड़छाड़ का आरोपी

बुढ़ाना में कॉलेज जा रही छात्रा का पीछा कर रास्ता रोकने, हाथ पकड़ने और थप्पड़ मारने का मामला; घटना के दो वीडियो पहले हुए थे वायरल, मुकदमा दर्ज होने के बाद आज अरमान गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना कस्बे में कॉलेज जा रही छात्रा के साथ छेड़छाड़ और मारपीट के मामले में पुलिस ने रविवार को आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। घटना के दो वीडियो पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इनमें एक युवक छात्रा का पीछा करता और उसके साथ अभद्रता करता दिखाई दे रहा था, जबकि दूसरे वीडियो में युवक द्वारा छात्रा का हाथ पकड़कर उसे थप्पड़ मारने का दृश्य सामने आया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तत्काल मामले का संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज किया और आरोपी की पहचान के लिए जांच शुरू की थी। पुलिस ने अब आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरमान पुत्र परवेज निवासी लुहसाना रोड, सफीपुर पट्टी, कस्बा व थाना बुढ़ाना, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसके खिलाफ थाना बुढ़ाना में मु0अ0सं0 447/2026, धारा 74/115(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिसकर्मी उसे अपने साथ लेकर जाते दिखाई दिए। इस दौरान आरोपी लंगड़ाते हुए पुलिस कर्मियों के कंधों पर हाथ रखकर चलता नजर आया। गिरफ्तारी के बाद सामने आए इस दृश्य को लेकर भी क्षेत्र में चर्चा रही। पुलिस का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उससे पूछताछ की जा रही है। मामले में उपलब्ध वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है।

घटना गुरुवार सुबह करीब आठ बजे बुढ़ाना कस्बे के छोटे बाजार क्षेत्र की बताई गई थी। जानकारी के अनुसार छात्रा कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी। उसके पीछे कुछ अन्य छात्राएं भी चल रही थीं। इसी दौरान काली टी-शर्ट पहने एक युवक छात्रा के पीछे लग गया। आरोप है कि युवक ने छात्रा का पीछा करते हुए उसे परेशान किया और रास्ते में उसके साथ अभद्रता की। घटनाक्रम से संबंधित वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले की जांच

शुरू की और वीडियो में दिखाई दे रहे युवक की पहचान के प्रयास किए। सोशल मीडिया पर सामने आए पहले वीडियो की अवधि करीब 13 सेकेंड बताई गई। वीडियो में गली के एक ओर दुकान के बाहर एक बुजुर्ग दुकानदार दिखाई देते हैं। दुकान के बाहर सामान से भरे गत्ते के डिब्बे रखे हुए हैं। इसी दौरान पीछे की ओर से स्कूल यूनिफॉर्म में कई छात्राएं गली से आती दिखाई देती हैं। वीडियो में छात्राओं से कुछ आगे एक युवक और उसके आगे एक छात्रा चलते नजर आते हैं। दोनों तेजी से गली पार करते हुए आगे बढ़ते हैं और बंद दुकान तथा ठेले के पास पहुंचकर रुक जाते हैं। पीछे से आ रही अन्य छात्राएं वहां से आगे निकलती रहती हैं। इसी दौरान युवक द्वारा छात्रा को धक्का दिए जाने का दृश्य वीडियो में दिखाई देता है। घटना का दूसरा वीडियो करीब 39 सेकेंड का बताया गया। इसमें काली टी-शर्ट पहने युवक और स्कूल ड्रेस में बैग लेकर जा रही छात्रा दिखाई देती है। पास में एक मोटरसाइकिल खड़ी है। दोनों गली में दीवार के पास पहुंचकर रुकते हैं। वीडियो में दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस होती दिखाई देती है। छात्रा युवक को अपने करीब आने से रोकने का प्रयास करती नजर आती है। इसी दौरान युवक छात्रा का हाथ पकड़ता दिखाई देता है। इसके बाद युवक द्वारा छात्रा को थप्पड़ मारने का दृश्य सामने आता है। वीडियो में इसके बाद दोनों वहां से पैदल जाते हुए दिखाई देते हैं।

घटना के दोनों वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में पहुंचा। पुलिस के अनुसार सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक द्वारा स्कूली छात्रा के साथ छेड़छाड़ और मारपीट किए जाने की जानकारी मिली। थाना बुढ़ाना पुलिस ने तत्काल वीडियो का संज्ञान लिया और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल और वीडियो में दिखाई दे रहे युवक के हुलिए के आधार पर उसकी पहचान के प्रयास किए। जांच के बाद युवक की पहचान अरमान पुत्र परवेज के रूप में हुई। बुढ़ाना कस्बे में कॉलेज और स्कूल जाने वाली छात्राओं से जुड़ा वीडियो सामने आने के बाद छात्राओं की सुरक्षा को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल-कॉलेज आने-जाने के रास्तों पर पुलिस की मौजूदगी और निगरानी जरूरी है। वहीं पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ दर्ज मुकदमे में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

जंगल में चल रही अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, 1080 किलो पटाखे बरामद

मंसूरपुर पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार, भारी मात्रा में कच्चा माल और उपकरण भी मिले

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर पुलिस ने ग्राम मुबारिकपुर के जंगल में अवैध रूप से संचालित की जा रही पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 1080 किलोग्राम अवैध पटाखे, पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाला भारी मात्रा में कच्चा माल तथा पैकिंग के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस की कार्रवाई से अवैध पटाखा कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम मुबारिकपुर के जंगल में अवैध रूप से पटाखा फैक्ट्री संचालित की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक विपिन कुमार त्यागी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से राहुल कुमार पुत्र राजपाल सिंह, निवासी शान्तिनाथ बालाजी

धाम के पास, कस्बा शाहपुर तथा उत्कर्ष त्यागी पुत्र अनिल त्यागी, निवासी ग्राम मुबारिकपुर, थाना मंसूरपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से 1080 किलोग्राम पटाखे (90 पेटी), करीब 50 किलो गंधक, 25 किलो बारूद, करीब 125 किलो पिसा हुआ कोयला, दो पैकिंग मशीन, तीन छन्ने, तीन प्लास्टिक छलनी, 15 प्लास्टिक टब, दो कट्टों में 12 हजार पैकिंग डिब्बियां, 16 पेटी छापा, 17 बंडल रेफर पैकिंग तथा एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया। पुलिस के अनुसार जंगल में इस तरह अवैध रूप से पटाखा निर्माण किए जाने से आसपास के क्षेत्र में गंभीर हादसे का खतरा बना हुआ था। भारी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री मिलने के बाद पुलिस ने बरामद माल को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। दोनों आरोपियों के खिलाफ मु0अ0सं0 291/2026, धारा 288/125 बीएनएस तथा विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

एटीएम में कार्ड फंसाकर पिन देखता था गैंग, फिर खाते से उड़ाते थे रकम; मुठभेड़ में एक बदमाश घायल, दूसरा गिरफ्तार

सिविल लाइन पुलिस ने अंतरजनपदीय एटीएम फ्रॉड गैंग का किया खुलासा, 10 चोरी के एटीएम कार्ड और 10 हजार रुपये बरामद

मुजफ्फरनगर। एटीएम मशीन में कार्ड फंसाकर लोगों को मदद के नाम पर भ्रमित करने और उनका पिन देखकर खाते से रकम निकालने वाले अंतरजनपदीय गैंग के खिलाफ थाना सिविल लाइन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गैंग के एक सदस्य को पैर में गोली लगने के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार किया, जबकि उसके दूसरे साथी को कॉम्बिंग के दौरान दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए दोनों आरोपी अलग-अलग जनपदों में एटीएम फ्रॉड, चोरी और धोखाधड़ी के कई मामलों में वांछित/आरोपित रहे हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा और दो खोखा कारतूस, बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल, अलग-अलग बैंकों के 10 चोरी के एटीएम कार्ड तथा चोरी किए गए एटीएम कार्ड से निकाले गए 10 हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस अब दोनों आरोपियों के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की जांच कर रही है, जिससे गैंग से जुड़े अन्य सदस्यों और वारदातों का पता लगाया जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने बताया कि इंद्रा कॉलोनी निवासी पुरुषोत्तम कुमार ने 4 अक्टूबर को थाना सिविल लाइन में शिकायत दी थी कि अज्ञात व्यक्ति ने उनका एटीएम कार्ड चोरी करने के बाद धोखाधड़ी कर खाते से करीब 19,500 रुपये निकाल लिए। शिकायत के आधार पर थाना सिविल लाइन में मुकदमा संख्या 256/2026 धारा 303(2) और 318(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के

शीघ्र खुलासे के लिए थाना सिविल लाइन पुलिस की टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने संदिग्धों की तलाश में चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान 4/5 अक्टूबर की रात बामनहेड़ी रेलवे स्टेशन से पहले राजयोग फार्म हाउस के पास पुलिस टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को सामने से बिना नंबर प्लेट की एक संदिग्ध मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी देकर बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस के अनुसार बाइक सवार रुकने के बजाय मोटरसाइकिल को पीछे मोड़कर बामनहेड़ी रेलवे स्टेशन की ओर जंगल के रास्ते भागने लगे। पुलिस टीम ने उनका पीछा किया। आरोप है कि इसी दौरान बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। आगे घना जंगल और चकरोड होने के कारण बाइक का संतुलन बिगड़ गया और मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरता देखकर दोनों बदमाश जंगल में पेड़ की आड़ लेकर छिप गए और वहां से पुलिस टीम पर दोबारा फायरिंग की। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान फैजान के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया। वहीं उसका साथी प्रशान्त उर्फ पुच्ची उर्फ पटवारी कॉम्बिंग के दौरान पुलिस के हत्थे चढ़ गया। घायल फैजान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों के खिलाफ पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रेलवे लाइन पर मालगाड़ी की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत, मचा हड़कंप

खतौली के भूड़ क्षेत्र में हुआ हादसा, दौरे पड़ने की बात सामने आई, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

मुजफ्फरनगर। खतौली क्षेत्र के भूड़ इलाके में सोमवार को डीएफसी रेलवे लाइन पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक व्यक्ति मालगाड़ी की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। हादसे की जानकारी मिलने पर आसपास के क्षेत्र में भी लोगों की भीड़ जमा हो गई। जानकारी के अनुसार, शेखपुरा भूड़ निवासी सुभाष पुत्र वेद प्रकाश किसी तरह डीएफसी रेलवे लाइन के पास पहुंच गया था। इसी दौरान वह वहां से गुजर रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुभाष की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को रेलवे लाइन से हटवाकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। दौरे पड़ने की बात आई सामने

बताया जा रहा है कि मृतक सुभाष को दौरे पड़ते थे। आशंका जताई जा रही है कि दौरा पड़ने के दौरान वह डीएफसी रेलवे लाइन पर पहुंच गया और इसी दौरान मालगाड़ी की चपेट में आ गया। हालांकि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल से संबंधित जानकारी जुटाने के साथ ही आसपास के लोगों से भी मामले के संबंध में जानकारी ली।

पुलिस ने शव मोर्चरी भेजा

हादसे के बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। विश्वकर्मा एंबुलेंस सर्विस की मदद से शव को मोर्चरी पहुंचाया गया। पुलिस की ओर से आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

भोपा क्षेत्र में विवाहिता को ससुराल छोड़ने गए मायके वालों पर हमला, महिला घायल, 7 के खिलाफ केस, पुलिस जांच में जुटी

ससुराल पक्ष के लोगों ने पुरानी रंजिश और घात लगाकर लाठी-डंडो से किया हमला

मोरना (मुज़फ़्फ़रनगर)। क्षेत्र के गाँव खेड़ी फिरोजाबाद में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब अपनी विवाहित बहन को सकुशल उसके घर पहुँचाने आए मायके पक्ष के लोगों पर ससुराल वालों ने अचानक हमला बोल दिया। हमले में एक महिला गम्भीर रूप से घायल हो गई, जबकि अन्य सदस्यों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। घटना के बाद गाँव में तनाव का माहौल व्याप्त हो गया।

ससुराल पहुँचते ही लाठी-डंडों से कर दिया हमला

भोपा थाना क्षेत्र के गाँव बाकरनगर निवासी गय्यूर ने अपनी बहन अंजुम का विवाह लगभग दो वर्ष पूर्व ककरौली थाना क्षेत्र के गाँव खेड़ी फिरोजाबाद निवासी अफसर के साथ किया था। अंजुम पिछले कुछ दिनों से अपने मायके बाकरनगर आई हुई थी। शुक्रवार की सुबह गय्यूर अपनी

पत्नी उस्माना, भाभी मुस्तकीना तथा भतीजों हंजला व अबुतल्हा के साथ बहन अंजुम को उसके ससुराल खेड़ी फिरोजाबाद छोड़ने गए थे। पीड़ित गय्यूर के अनुसार, जैसे ही वे लोग अफसर के घर पहुँचे, वहाँ पहले से ही घात लगाकर बैठे इनाम, नसीम, अमजद, आलिम तथा तीन अज्ञात व्यक्तियों ने उन पर धावा बोल दिया। आरोपियों ने हाथों में लाठी-डंडे लेकर घर में घुसकर गाली-गलौज करते हुए बेदर्दी से मारपीट शुरू कर दी। शोर मचाकर बचाई जान, पीड़िता अस्पताल में भर्ती

ससुराल पक्ष द्वारा किए गए अचानक हमले में गय्यूर की पत्नी उस्माना गम्भीर रूप से चोटिल होकर लहूलुहान हो गईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग एकत्र होने लगे, जिस पर पीड़ित परिवार ने शोर मचाते हुए किसी तरह अपनी जान बचाई और मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को दी गई तहरीर के आधार पर नामजद व अज्ञात सहित कुल 7 आरोपियों के खिलाफ ककरौली थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की धरपकड़ के लिए जाँच शुरू कर दी गई है।

पुलिस की कार्रवाई और जाँच जारी

सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची ककरौली थाना पुलिस ने घायल महिला उस्माना को उपचार के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। पीड़ित गय्यूर की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने 4 नामजद (इनाम, नसीम, अमजद, आलिम) तथा 3 अज्ञात सहित कुल 7 लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जाँच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को हिरासत में लिया जाएगा।

बचपन व युवा अवस्था सुधरने से ही बुढ़ापा सुधरता है-उमाकांतानंद

मुजफ्फरनगर। जूना अखाड़े के संत उमाकांतानंद सरस्वती जी ने कहा कि बाल कांड यानि बचपन और युवावस्था यानि अयोध्या कांड सुधर जाए तो जीवन का अंत समय भी सुधर जाता है। उन्होंने कहा कि माता पिता की सेवा से बड़ा कोई तीर्थ नहीं है। बचपन से संस्कार मिलें तो वृद्धावस्था में वृद्धाश्रम की आवश्यकता नहीं होती। माता पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ने वाले यह भूल जाते हैं कि उन्हें भी इस अवस्था को प्राप्त होना है। नई मंडी रामलीला भवन में छठे दिन अयोध्या कांड की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि बाल कांड अध्ययन और संस्कार सीखने का काल है। अयोध्या कांड युवावस्था का कांड है। जिसका बचपन संवर गया उसकी युवावस्था सुधर जाएगी। जिसने युवावस्था साध ली उसका बाकी जीवन तो सुधर ही जाएगा। जिसका बचपन और युवावस्था बिगड गई उसका शेष जीवन भी नहीं सुधर सकता। स्वामी जी ने कहा कि प्रभु भक्ति की कोई आयु नहीं है। जो लोग कहते हैं कि ईश्वर को

कलयुग में नहीं पाया जा सकता वो गलत हैं। ऐसा होता तो मीरा, नानक, दादू, रज्जब जैसे संतों को ईश्वर नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि अर्थ के बिना सब व्यर्थ है। शब्दों का अर्थ समझ ना आएं तो व्यर्थ है। ऐसे धन संपदा शरीर और समाज भी अर्थ है। उन्होंने कहा कि स्वार्थ भी जरूरी है। जो अपने शरीर, परिवार के स्वार्थ सिद्ध नहीं कर सकता वह परमार्थ कैसे सिद्ध करता है। मरने के बाद नहीं, शरीर रहते ही मोक्ष मिलता है। रामकथा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सबका मार्ग दिखाती है।

स्वामी उमाकांतानंद सरस्वती ने कहा कि जीवन राम ही नहीं दो शक्तियों से चल रहा है। एक सुर शक्ति है दूसरी आसुरी शक्ति है। आसुरी शक्तियों का प्रभाव कुमार्ग पर ले जाता है। दैवीय शक्ति सद्मार्ग की ओर ले जाती है। आसुरी शक्तियां मंथरा की तरह कलह की ओर ले जाती हैं। सद्बुद्धि सुमार्ग और मंगल की ओर ले जाती है। पेट तो दो मुट्ठी आनाज से भर जाता है पर पेटी नहीं भरती। आदमी के पास खोपड़ी है जो कभी नहीं भरती। सिर्फ साधन धन दौलत वैभव से ही सुख मिलता तो आज धनिकों को नींद की गोली खाकर नहीं सोना पड़ता। उन्होंने कहा कि साधु वस्त्र या वेश से नहीं स्वभाव होता है। वो गृहस्थ भी हो सकता है। रामकथा कोई भी अच्छा वक्ता सुना सकता है लेकिन साधु कथा सुनाए तो वह सफल होती है। उन्होंने कहा कि भगवान राम की कथा जीवन मूल्यों व परिवार के अर्थ को समझाने वाली कथा है।कथा का श्रवण करते नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, भाजपा नेता गौरव स्वरूप, भाजपा नेत्री ममता अग्रवाल, भाजपा नेता अशोक बाटला, सुनील सिंघल मावे वाले, विनीत जायसवाल, अनिल कुमार गौतम, बृजेश कुमार, विनोद संगल, कमेटी के संरक्षक भीम सेन कंसल, अध्यक्ष संजय मित्तल, और मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, ब्रज गोपाल छारिया, कैलाश चंद ज्ञानी, ऋषिराज राही, राजीव अग्रवाल, अभिषेक कुच्छल, संजय जिंदल काका, प्रवीण कुमार,एडवोकेट विवेक गर्ग, राजेश गोयल, उपेंद्र मित्तल, विदित गुप्ता, राजेंद्र सिंघल, अनिल गोयल, सुभाष गुप्ता, नरेश गुप्ता, मुकेश गुप्ता एवं उपस्थित श्रद्धालुगण` कार्यक्रम का मंच संचालन भारत भूषण द्वारा किया गया

मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से डॉ. राहुल कुशवाहा ने पेश की दावेदारी

शिक्षित बेरोजगार युवाओं, वित्तविहीन शिक्षकों और स्नातकों के मुद्दे उठाने का किया संकल्प

मुजफ्फरनगर। माध्यमिक शिक्षक संघ मुजफ्फरनगर के जिलाध्यक्ष डॉ. राहुल कुशवाहा ने मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से स्नातकों की ओर से अपनी दावेदारी मेरठ कमिश्नरी में प्रस्तुत की। इस दौरान उन्होंने शिक्षित बेरोजगार युवाओं, वित्तविहीन शिक्षकों और स्नातकों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए उनके अधिकारों और भविष्य के लिए आवाज बुलंद करने की बात कही।

डॉ. राहुल कुशवाहा ने कहा कि आज बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे युवा डिग्रियां हासिल करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहे हैं। युवाओं के भविष्य और रोजगार की स्थिरता से समझौता करने वाली आउटसोर्सिंग जैसी व्यवस्थाओं पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षित युवाओं को स्थायी और सम्मानजनक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाने की आवश्यकता है।

उन्होंने वित्तविहीन शिक्षकों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। डॉ. कुशवाहा ने कहा कि यदि किसी शिक्षक को वर्ष में केवल 10 माह का

वेतन मिलता है तो यह व्यवस्था शिक्षकों के साथ न्याय के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षक पूरे वर्ष अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं, इसलिए उन्हें भी पूरे वर्ष सम्मानजनक और नियमित पारिश्रमिक मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेहनत करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के श्रम का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि स्कूल ले जाने वाले रिक्शा चालक को भी उसकी मेहनत की कमाई पूरे 12 महीने मिलती है, लेकिन वर्षों तक पढ़ाई कर डिग्री हासिल करने वाले शिक्षित युवाओं और शिक्षकों के सामने रोजगार एवं आय की अस्थिरता का संकट बना हुआ है। डॉ. राहुल कुशवाहा ने कहा कि स्नातकों की लड़ाई केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि रोजगार, सम्मान, समान अवसर और न्याय के लिए आवाज बुलंद करने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि स्नातक, शिक्षक और कर्मचारी हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षक, कर्मचारी और स्नातक हित सर्वोपरि उनके संकल्प का आधार है और वे इन वर्गों की समस्याओं को उचित मंच पर उठाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

निकाह में न दहेज की मांग, न फिजूलखर्ची, मस्जिद में सादगी से हुआ विवाह

गाजियाबाद से आई बारात, मस्जिद में हुआ निकाह, न बैंड-बाजा, न दिखावे का इंतजाम, दूल्हे के पिता बोले-निकाह आसान होगा तो गरीब की बेटी भी आसानी से विदा होगी

मुजफ्फरनगर। बेटी की शादी को लेकर परिवारों की सबसे बड़ी चिंता अक्सर रिश्ते से ज्यादा शादी के खर्च को लेकर होती है। दहेज, बड़े आयोजन, मेहमानों की आवभगत और दिखावे की होड़ कई परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ा देती है। ऐसे दौर में मुजफ्फरनगर में हुआ एक निकाह चर्चा का विषय बन गया। वजह कोई भव्य आयोजन या महंगी सजावट नहीं, बल्कि इसके ठीक उलट सादगी और बिना दान-दहेज के निकाह था। सोमवार को गाजियाबाद के फरीदनगर निवासी मोहम्मद यामीन के पुत्र मोहम्मद मुजम्मिल की बारात मुजफ्फरनगर पहुंची। यहां जनकपुरी कच्ची सड़क निवासी ताहिर अली की पुत्री शबाना के साथ निकाह हुआ। परिवारों ने निकाह को बड़े समारोह का रूप देने के बजाय मस्जिद में सादगी के साथ निकाह की रस्म पूरी कराई। इस दौरान दान-दहेज की मांग को प्राथमिकता नहीं दी गई और शादी को अनावश्यक खर्च से दूर रखा गया। आज के समय में शादी का मतलब अक्सर बड़ा आयोजन, सैकड़ों मेहमान, महंगा खान-पान, सजावट और तमाम रस्मों से जोड़कर देखा जाता है। कई परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करने के लिए मजबूर महसूस करते हैं। ऐसे में मुजम्मिल और शबाना के परिवारों ने निकाह को सादगी से पूरा कर एक अलग उदाहरण पेश किया। मस्जिद में निकाह होने के बाद परिवार और रिश्तेदारों की मौजूदगी में विवाह की रस्म पूरी हुई। आयोजन में दिखावे की बजाय निकाह की मूल भावना को प्राथमिकता दी गई। परिवार की ओर से दहेज के लिए किसी तरह का दबाव नहीं बनाया गया। इस निकाह की सबसे खास बात दूल्हे के पिता मोहम्मद यामीन की सोच रही। उन्होंने बताया कि उनके पांच बच्चे हैं और उन्होंने सभी पांचों बच्चों का निकाह बिना किसी दान-दहेज के किया है। उनका

मानना है कि निकाह को जितना आसान रखा जाएगा, उतना ही समाज के उन परिवारों को फायदा होगा जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। मोहम्मद यामीन का कहना है कि बेटी की शादी को लेकर गरीब परिवारों पर अनावश्यक बोझ नहीं पड़ना चाहिए। दहेज और दिखावे की परंपरा को बढ़ावा देने के बजाय समाज को सादगी से निकाह करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उनका कहना है कि यदि निकाह आसान और बिना दहेज के होंगे तो गरीब परिवार भी अपनी बेटियों की शादी बिना कर्ज और आर्थिक दबाव के कर सकेंगे। इस पूरे निकाह का सबसे बड़ा संदेश यही रहा कि शादी को परिवार की क्षमता के अनुसार किया जा सकता है। समाज में कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से अधिक खर्च कर देते हैं। शादी के बाद लंबे समय तक उस खर्च या कर्ज का बोझ उठाना पड़ता है। दूल्हे के पिता की सोच इसी परंपरा पर सवाल खड़ा करती है कि आखिर शादी को इतना महंगा क्यों बनाया जाए कि परिवार को इसके लिए कर्ज लेना पड़े। उनका कहना है कि रिश्ते की मजबूती महंगे इंतजामों से नहीं, बल्कि आपसी समझ और सम्मान से होती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बेटी की शादी लंबे समय से चिंता का विषय रही है। कई परिवार दहेज और शादी के खर्च को पूरा करने के लिए वर्षों तक बचत करते हैं। कई बार कर्ज तक लेना पड़ता है। ऐसे में बिना दहेज और कम खर्च में होने वाली शादियां इन परिवारों के लिए एक राहत का रास्ता दिखाती हैं।बमुजफ्फरनगर में हुआ यह निकाह इसी सामाजिक सोच को सामने लाता है। दोनों परिवारों ने विवाह को प्रतिष्ठा और दिखावे से जोड़ने के बजाय रिश्ते को प्राथमिकता दी। परिवार की ओर से दहेज की मांग नहीं होने से यह निकाह उन लोगों के लिए भी संदेश बना, जो शादी के खर्च को लेकर परेशान रहते हैं।

दूल्हे के पिता का यह कहना कि उन्होंने अपने पांचों बच्चों की शादी बिना दहेज के की, इस निकाह को महज एक पारिवारिक आयोजन से आगे ले जाता है।

बच्चों से लालच देकर न कराएं कोई काम

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

रिश्ता बराबरी का, फिर पुरुषों के मुकाबले महिलाओं से ज्यादा उम्मीदें क्यों रखी जाती हैं?

पति और पत्नी यानी लाइफ पार्टनर...हमसफर...तो जाहिर सी बात है कि रिश्ता बराबरी का हुआ। बेशक होना भी चाहिए, लेकिन फिर क्यों उम्मीदें महिलाओं से ज्यादा रखी जाती हैं? बात चाहे रिश्ता निभाने की हो या रिश्ता बचाने की, क्यों महिलाओं से ही कोशिश करने को कहा जाता है?

जिंदगी के सफर में हम सभी को हमसफर की तलाश जरूर होती है और जब कोई सच्चा हमसफर मिल जाता है, तो जिंदगी के मायने की बदल जाते हैं। दो लोग साथ मिलकर एक नए सफर की शुरुआत करते हैं, एक-दूसरे के लाइफ पार्टनर बनते हैं और उस रिश्ते को दिल से निभाने के हजारों वादें करते हैं। बेशक ये सब बहुत खूबसूरत होता है और अगर रिश्ते निभाने की कोशिश दोनों तरफ से की जाए, तो शायद कोई भी रिश्ता कभी टूट नहीं सकता, बशर्ते कोशिश दोनों तरफ से बराबरी की है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि बराबरी के इस रिश्ते में महिलाओं से उम्मीदें ज्यादा रखी जाती हैं। रिश्ते को निभाना हो या टूटने से बचाना, महिलाओं से ही सारी अपेक्षाएं रखी जाती हैं, लेकिन आखिर ऐसा क्यों?

माफ करने की उम्मीद

आमतौर पर महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि अगर उनका पति, उनका लाइफ पार्टनर कोई गलती करता है, तो वो बस उसे माफ कर दें। माफ करना गलत नहीं है, लेकिन यह बात दोनों पर लागू होनी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं है। पति चाहे छोटी सी बात का बड़ा मुद्दा क्यों न बना ले, उस पर कोई सवाल नहीं उठता, लेकिन महिलाएं अगर किसी गलती पर झुकने या माफ करने से इंकार कर दें, तो उन्हें कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है।

घर और बाहर की जिम्मेदारियों को निभाने की उम्मीद

'अरे वाह...कितना अच्छा पति मिला है...तुम्हारे लिए चाय बना रहा है।' आपने कई बार इस तरह की बातें सुनी होंगी। असल में पुरुषों को रसोई में देखना समाज के कई लोगों को अब भी बहुत गलत लगता है और ऐसे में अगर कोई पति अपनी पत्नी का घर के कामों में हाथ बंटा रहा है, तो उसकी तारीफों के पुल बांध दिए जाते हैं। यहां भी उम्मीदें महिलाओं से ही हैं। पत्नी घर भी संभाले, बाहर जाकर नौकरी भी करे और बच्चों पर भी पूरा ध्यान दे और अगर उससे कोई गलती हो जाए, तो उसे लापरवाह पत्नी का टैग देने में देर नहीं की जाती है।

खुद टूटकर भी रिश्ता बचाने की उम्मीद

'क्या हो गया...इतनी सी बात पर कोई रिश्ता तोड़ता है क्या...तुम्हें किसी भी हालत में अपनी शादी बचानी चाहिए।' ये बातें कई बार महिलाओं को तब सुनने को मिलती हैं, जब वो रिश्ते में हो रहे गलत के खिलाफ आवाज उठाती हैं। यहां पुरुषों से ये उम्मीद नहीं की जाती है कि वो अपनी पत्नी के हिसाब से खुद को ढालने की कोशिश करें, बल्कि महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वो किसी भी हालत में रिश्ते को बचाएं।

उम्मीदों का पलड़ा अक्सर महिलाओं की तरफ ज्यादा भारी क्यों होता है?

असल में यह सोच नई नहीं है। यह सालों से हमारे अंदर पनप रही पितृसत्तात्मक सोचक का परिणाम है। रिश्ता बराबरी का है, पति-पत्नी गाड़ी के दो पहिए हैं, ये बातें हम कह जरूर देते हैं, लेकिन महिलाओं से जुड़ी पारंपरिक अपेक्षाएं अभी भी कम नहीं हुई हैं। वक्त बदलने के साथ उनके ऊपर नई जिम्मेदारियां डाली जाती रहीं, लेकिन पुरानी जिम्मेदारियां कम नहीं हुईं। इसका एक कारण ये भी है कि एक वक्त तक पत्नी को आर्थिक और सामजिक तौर पर पति पर निर्भर माना जाता था और यही वजह थी कि उनसे रिश्ते को निभाने और बचाने की सारी उम्मीदें रखी जाती हैं।

सेकंड हैंड सामान खरीदने से मिलते हैं ये जबरदस्त फायदे

जब भी कपड़े, खिलौने, फर्नीचर और फिर अन्य चीजों की खरीदारी की बात आती है, तो हम सभी उसे नया ही खरीदना चाहते हैं। इसे खरीदने के लिए हम एक बिग स्टोर या दुकान पर जाते हैं। नई चीजें देखने में भले ही आकर्षक लगे, लेकिन वास्तव में यह काफी महंगी होती हैं। कई बार तो आपका इन्हें लेने का मन भी करता है, लेकिन इन्हें खरीदने के बाद आपका पूरा बजट हिल जाता है। वहीं, दूसरी ओर अगर आप एक पॉकेट फ्रेंडली तरीके से अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति करना चाहती हैं तो ऐसे में सेकंड हैंड आइटम खरीदने पर विचार करें। कुछ लोगों को लगता है कि अगर वह सेकंड हैंड आइटम खरीदेंगे तो वह अच्छी नहीं होगी। जबकि ऐसा नहीं है। सेकंड हैंड आइटम खरीदने के अपने कई फायदे होते हैं। इससे आपके पैसों की बचत तो होती ही है, बल्कि इससे अन्य भी कई लाभ मिलते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको सेकंड हैंड आइटम खरीदने के कुछ बेमिसाल बेनिफिट्स के बारे में बता रहे हैं

सपनों को कर सकते हैं पूरा

कई बार किसी चीज को खरीदने का आपका बेहद मन होता है, लेकिन उसकी ऊंची कीमत के कारण आपकी हिम्मत ही नहीं होती कि आप उसे खरीद लें। लेकिन जब आप उसी आइटम को सेकंड हैंड खरीदते हैं तो इससे वही चीज आपको आधे से भी कम दाम में मिल जाती है। इस तरह आप अपनी सभी इच्छाओं की पूर्ति बेहद आसानी से कर पाते हैं। आप चाहें तो सेकंड हैंड आइटम में ब्रांड्स के टैग आदि को भी चेक कर सकती हैं ताकि आप रियल चीज ही खरीदें।

प्रकृति के लिए भी लाभदायक

सेकंड हैंड आइटम खरीदने का एक लाभ यह भी है कि यह आपकी प्रकृति के अनुकूल भी है। दरअसल, जब आप कोई नई आइटम खरीदते हैं तो उससे बनाने में केवल श्रम ही नहीं लगता, बल्कि कुछ सामग्री, ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन भी खर्च होते हैं। फिर चाहे वह मेटल्स की माइनिंग करना हो या फिर पेड़ों को काटना। इस तरह बार-बार नई आइटम खरीदकर हम कहीं ना कहीं अपने नेचुरल रिसोर्स को खर्च करते चले जाते हैं। वहीं, सेकेंड हैंड सामान खरीदने से आप उस ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन को बचा सकते हैं। आप जिन्हें खरीद रही हैं, उनके लिए पहले ही संसाधनों का इस्तेमाल किया जा चुका है। इसके अलावा, जब आप इस्तेमाल किया हुआ खरीदते हैं तो आप उन वस्तुओं को दूसरा जीवन दे रहे होते हैं और उन्हें फेंकने से बचाते हैं।

खरीद सकती हैं यूनिक आइटम

यह सेकंड हैंड आइटम खरीदने के एक सबसे अच्छे फायदों में से एक है। दरअसल, जब आप एक नई आइटम खरीदते हैं तो अक्सर मास-प्रोड्यूस्ड आइटम को ही खरीद पाती हैं, जो अधिकतर लोगों के पास होती है। लेकिन अगर आप सबकी तरह नहीं बनना चाहतीं और कुछ अलग व यूनिक आइटम खरीदना चाहती हैं तो आपको एंटीक शॉप्स या सेकंड हैंड शॉप्स पर जाकर सर्च करना होगा। यहां पर आपको कुछ ऐसी बेहतरीन और यूनिक आइटम भी मिल सकती हैं, जिसके बारे में शायद आपने सोचा ही ना हो।

लोकल बिजनेस को सपोर्ट करना

सेकंड हैंड आइटम खरीदने का एक लाभ यह भी होता है कि इससे लोकल बिजनेस को बढ़ावा मिलता है। फिर चाहे आप उसे अपने पड़ोसी से खरीद रहे हों या फिर सोशल मीडिया के जरिए। ऐसे में अगर आप अपने पैसे खर्च करके इस बात की खुशी भी हासिल करना चाहती हैं कि आप लोकल बिजनेस को सपोर्ट कर रही हैं तो ऐसे में सेकंड हैंड आइटम खरीदना अच्छा विचार है।

मिनटों में निखारें रंगत

अगर अपना बुझा हुआ सा चेहरा देखकर आप थकान महसूस कर रही हैं? तो आप कुछ ही देर में इसकी रंगत में दिए हुए टिप्स अपनाकर निखार ला सकती हैं।

पूरे हफ्ते के हेक्टिक शेड्यूल के बाद अपने चेहरे को फ्रेश देखने की चाह तो सबमें होती है। आपको बता दें कि बस कुछ मिनटों में ही ऐसा मुनासिब हो सकता है। बस हमारे टिप्स फॉलो करें।

बालों की रंगत

हेयर कलर की बात करें, तो कुछ समय के बाद ये आपके बालों को एक बोर सा लुक देने लगता है। इन्हें तुरंत शाइनी लुक देने के लिए आप कलर कंडीशनर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे बाल कुछ अलग लगेंगे। उनकी चमक में भी निखार आएगा।

पाएं नेचरल लुक

चेहरा कुछ मुरझाया सा दिख रहा है, तो इसके लिए क्विक रिजल्ट देने वाला एक ही तरीका है और वह है ब्लश ऑन। नेचरल लुक देने के लिए हल्का सा ब्लशर गालों पर लगाएं। इससे चेहरा एकदम खिला-खिला दिखेगा। हां, ऐसे में नेचरल शेड ही यूज करें।

आंखों की फ्रेशनेस

अगर आंखें पफी हो गई हैं और डार्क सर्कल्स दिख रहे हैं, तो इन पर गर्म टी-बैग रखने से फ्रेशनेस मिलेगी। इससे कालापन भी दूर होगा। आप खीरे का रस या उसकी स्लाइस काटकर भी आंखों पर रख सकती हैं। इसके अलावा कोई अच्छी आई क्रीम का इस्तेमाल करना भी बेहतर होगा।

ऐसे करें झटपट मेकअप

अगर आपके चेहरे पर ज्यादा थकान है तो अपने पास पर्स में थोड़े से कॉस्मेटिक, पाउडर, क्रीम, शीशा, कंघी और जरूरत की चीजों को रख सकती हैं। इससे ऑफिस या सफर के दौरान कहीं भी थोड़ा सा समय निकालकर झटपट मेकपट कर सकती हैं। इस मेकअप में महज दो मिनट से भी कम समय लगेगा। अगर आपके साथ सहेनियां हैं तो आपको और सुविधा होगी। अगर यात्रा में हैं तो भी आप कुछ ही मिनटों में मेकअप कर सकती हैं। प्राय: देखने में आया है कि महिलाएं किसी के सामने मेकअप करने में शर्मिंदगी लगती है। यह ठीक नहीं है।

पुरानी ऊनी टोपी को इस तरह से करें रियूज

अगर बच्चा बड़ा हो गया है और टोपी छोटी हो गई है या टोपी में रोएं निकल आएं हैं तो इसे फेंकने के बजाए आप किचन में इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। जी हां...इसका इस्तेमाल करके किचन में बरतन रखने का स्टैंड बना सकते हैं। इसके लिए आप आप घर में रखी कोई भी दो ऊनी टोपी ले लीजिए। कपड़े टांगने वाले हैंगर ले लें।अब हैंगर के नीचे वाले सिरे में दोनों टोपी को एक एक करके सूई धागे की मदद से सिल दीजिए। हैंगर में टोपी सिलने के बाद आप इसे किचन में कहीं पर भी हैंग कर सकते हैं और इसमें बर्तन रख सकते हैं।

कई बार हमारे किचन में कई ऐसी हाफ प्लेटें होती हैं जो कम इस्तेमाल होती हैं और इनपर तेल के छींटे पड़ने से गंदे हो जाते हैं। इन्हें इस स्टैंड में रखने से बर्तन गंदे भी नहीं होगे और टोपी भी इस्तेमाल में आ जाएगा। वहीं आप इसे अपने बाथरूम में भी सामान रखने के लिए टांग सकते हैं। इसमें काफी जगह होती है जिससे आपके कई सामान इसमें रखे जा सकते हैं। तो है ना यह मजेदार हैक्स। टोपी सिर्फ सिर में पहनने के काम नहीं आते हैं इससे आपक कई सारे काम ले सकते हैं। अगर आपके घर में भी कोई पुरानी टोपी रखी है तो आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं।

अजामिल उपाख्यान और नरसिंह अवतार के प्रसंग से भक्तिमय हुआ नोएडा

नोएडा। नोएडा सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में भारत विकास परिषद, नोएडा की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तृतीय दिवस पूरा कथा पंडाल भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज ने श्रीमद्भागवत महात्म्य के साथ अजामिल उपाख्यान और भगवान श्री नरसिंह अवतार की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार पहुंचकर कथा का श्रवण किया।

आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और सदाचार की राह दिखाने वाला दिव्य मार्ग है। अजामिल प्रसंग के माध्यम से उन्होंने बताया कि भगवान का नाम जीवन के अंतिम क्षणों में भी मनुष्य का कल्याण करने में समर्थ है। वहीं भगवान नरसिंह के अवतार का वर्णन करते हुए उन्होंने भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति और भगवान की भक्तवत्सलता का संदेश दिया।

पितृ पक्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस अवधि में भगवान का स्मरण, श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण और पितरों का श्रद्धापूर्वक स्मरण विशेष फलदायी माना गया है। कथा के दौरान पूरा पंडाल 'जय श्री राधे ', '? नमो भगवते वासुदेवाय' और 'जय गोपी चित्तचोर प्रभु' के जयघोष से गूंजता रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वामी श्री बालक योगेश्वर दास महाराज बद्रीनाथ आचार्य स्वामी बालमुकंदा चार्य जी महाराज , विधायक हाथोज धाम, जयपुर तथा उप मुख्य अतिथि स्वामी ज्ञानानन्द जी महाराज, सुरेश चौहान के सीएमडी सुदर्शन चैनल की गरिमामयी उपस्थिति रही। संतों ने व्यास पीठ का नमन कर आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर गोपाल कृष्ण अग्रवाल एवं मधुसूदन दादू ने आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता एवं श्रीमती रीना गुप्ता रहे।भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कथा स्थल पर पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा एवं स्वच्छता की समुचित व्यवस्था की गई है। कथा के उपरांत प्रतिदिन भंडारा एवं प्रसाद की व्यवस्था भी की जा रही है।

अलग-अलग मामलों में मोबाइल चोरी और छिनैती के आरोपी गिरफ्तार, 21 फोन और आईफोन-13 बरामद

नोएडा: शहर में लोगों के मोबाइल फोन चुराने और राह चलते लोगों से छिनैती करने वाले बदमाशों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने अलग-अलग वारदातों में कार्रवाई की है। थाना फेस-2 की पुलिस टीम ने मोबाइल चोरी और छिनैती की घटनाओं में लिप्त दो युवकों को दबोचने में सफलता पाई है। पकड़े गए बदमाशों के पास से विभिन्न कंपनियों के कुल 21 मोबाइल फोन, दो अवैध चाकू और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आई है कि ये दोनों आरोपी शहर के घनी आबादी वाले बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों के मोबाइल चुरा लिया करते थे। इसके अतिरिक्त, कंपनियों में काम खत्म करके अपने घरों और ठिकानों की तरफ लौट रहे कर्मचारियों तथा श्रमिकों को रास्ते में रोककर या उनसे गुजरते वक्त उनके मोबाइल फोन छीन लिया करते थे।

थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमारी पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस तकनीक की मदद से अपराधियों की धरपकड़ की है। पुलिस ने सचिन पुत्र धर्मपाल और विपिन पुत्र कमल को ककराला पुस्ता तिराहे के पास से घेराबंदी करके गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों के कब्जे से जो मोटरसाइकिल मिली है, उसे पहले नोएडा के सेक्टर-10 इलाके से चुराया गया था। इस वाहन चोरी को लेकर थाना फेस-1 में पहले से ही मुकदमा दर्ज किया गया है। पकड़े जाने के बाद हुई पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वे दोनों मिलकर भीड़भाड़ वाली जगहों पर वारदातों को अंजाम देते थे। फोन की तादाद ज्यादा हो जाने पर वे इन्हें बेच देते थे। पुलिस अब बरामद हुए सभी मोबाइल फोन के मालिकाना हक और इतिहास के बारे में विस्तृत जानकारी जुटा रही है। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एक दूसरी घटना में थाना सेक्टर-58 की पुलिस ने मोबाइल चोरी के एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से चोरी किया गया एक सफेद रंग का आईफोन-13 बरामद किया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, यह आरोपी पहले भी जेल की हवा खा चुका है और आपराधिक प्रवृत्ति का है। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि स्थानीय आम जनता की मदद से पुलिस ने अहसान पुत्र मो. शमसुल को ग्राम विशनपुरा, सेक्टर-58 के इलाके से दबोचा है।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुद यह खुलासा किया है कि वह 4 अक्टूबर 2026 को ग्राम विशनपुरा में ही एक राहगीर के पास किसी पते के बारे में पूछने के बहाने से पास गया था। जब उस व्यक्ति का ध्यान भटका, तो उसने मौका पाकर उसका मोबाइल फोन वहीं से चुरा लिया और भागने की फिराक में था। हालांकि, वह भाग पाता उससे पहले ही उसे पकड़ लिया गया। पुलिस ने इस आरोपी के खिलाफ भी आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की छानबीन जारी है।

भूखंड की फाइल आगे न बढ़ाने पर किसानों का प्रदर्शन

नोएडा। किसान के पांच प्रतिशत भूखंड से जुड़े मामले में काम नहीं होने पर किसानों ने सोमवार को प्राधिकरण के सेक्टर-19 दफ्तर पर प्रदर्शन किया। किसानों ने आरोप लगाया कि काम करने की एवज में प्रबंधक और जेई रिश्वत मांग रहे हैं। भारतीय किसान परिषद के बैनर तले किसानों ने प्राधिकरण के वर्क सर्किल-8 के सेक्टर-19 स्थित दफ्तर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान गेझा तिलपताबाद के रहने वाले ब्रजपाल और जयवीर ने आरोप लगाया कि इस वर्क सर्किल में तैनात प्रबंधक एवं जेई पांच प्रतिशत भूखंड की फाइल को आगे बढ़ाने की बजाय उस पर अनावश्यक टिप्पणी लिख रहे हैं।

वह साफ तौर पर कह चुके हैं कि प्राधिकरण उनकी जांच करा ले। उन्होंने किसी भी सरकारी जमीन पर अतिक्रमण नहीं कर रखा है।किसानों का आरोप है कि ओएसडी और महाप्रबंधक के आदेशों को भी जेई नहीं मान रहे।

न्यू नोएडा में अधिग्रहण के लिए लगेंगे तीन कैंप

नोएडा। न्यू नोएडा को बसाने के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। आगामी सप्ताह से तीन स्थानों पर कैंप लगाकर इसको शुरू किया जाएगा। जिसमें दादरी, बुलंदशहर में कैंप लगाए जाएंगे। यहां किसानों से सीधे बातचीत की जाएगी। उनको जमीन अधिग्रहण के बारे में जानकारी दी जाएगी। आपसी सहमति से जमीन ली जाएगी। कैंप में पांच लेखपालों की नियुक्त किया जाएगा।

प्राधिकरण की ओर से न्यू नोएडा के पहले चरण में आने वाले 31 गांवों में कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों के जरिए किसानों को जमीन खरीद से जुड़ी प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। साथ ही जमीन के कागजात और मालिकाना हक से संबंधित जानकारी भी जुटाई जाएगी। इसके अलावा कई किसान अब खुद प्राधिकरण कार्यालय पहुंचकर जमीन खरीद, मुआवजा और आबादी भूखंड से जुड़ी जानकारी ले रहे हैं। प्राधिकरण स्तर पर किसानों के सवालों और उनकी जमीन से जुड़ी जानकारी को दर्ज किया जा रहा है।

कैंप में कागजों का होगा सत्यापन: लेखपाल गांवों में लगने वाले कैंप में पहुंचकर राजस्व अभिलेखों का सत्यापन करेंगे। खसरा-खतौनी, जमीन के मालिकाना हक, खेतों की मौजूदा स्थिति और आबादी क्षेत्र से जुड़ी जानकारी जुटाई जाएगी। प्राधिकरण की योजना आपसी सहमति से किसानों से जमीन खरीदने की है। सर्वे पूरा होने के बाद संबंधित किसानों के साथ आगे की प्रक्रिया बढ़ाई जाएगी।

न्यू नोएडा के लिए जमीन खरीद से पहले और बाद में किसी तरह का नया अतिक्रमण न हो, इसके लिए भी प्राधिकरण तैयारी कर रहा है। इसके तहत अधिसूचना जारी होने से पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरें ली जा रही है।

सेक्टर-105 में निर्मित हो डिजिटल लाइब्रेरी व अत्याधुनिक क्लब हाउस: दिव्य कृष्णात्रेय

नोएडा। शिक्षा, आधुनिक ज्ञान और उत्कृष्ट जीवनशैली का एक नया सवेरा लाते हुए नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा शहर को लगातार नई ऊंचाइयों पर ले जाना अत्यंत प्रशंसनीय और अनुकरणीय प्रयास है।

प्राधिकरण की प्रशासनिक उत्कृष्टता और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) की सशक्त कार्यशैली से आज समूचे शहरवासियों में नव-ऊर्जा, नए विश्वास और नव-सृजन की एक अद्भुत लहर प्रवाहित हो रही है।

प्राधिकरण की इसी जन-संवेदनशीलता और प्रगतिशील नेतृत्व पर अटूट विश्वास जताते हुए सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नोएडा प्राधिकरण के समक्ष एक अत्यंत आदरपूर्ण, व्यावहारिक और सकारात्मक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव केवल एक औपचारिक पत्र नहीं है, बल्कि सेक्टर-105 के निवासियों द्वारा विगत कई वर्षों से एक

सर्वसुविधायुक्त डिजिटल लाइब्रेरी और क्लब हाउस के निर्माण हेतु बनाए जा रहे निरंतर दबाव और आकांक्षाओं को आवाज़ देने का प्रयास है। इसी क्रम में उन्होंने शहर के संवेदनशील नेतृत्व से सहृदय अपील की है कि सेक्टर-52 की सीमाओं में असमंजस का सामना कर रही डिजिटल लाइब्रेरी योजना को सेक्टर-105 की विशाल धरा पर स्थानांतरित कर, यहाँ लाइब्रेरी के साथ-साथ एक अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 'क्लब हाउस' की ऐतिहासिक दोहरी सौगात प्रदान की जाए।

दिव्य कृष्णात्रेय ने प्रशासनिक दूरदर्शिता और जन-भावनाओं का सम्मान करते हुए अत्यंत विनम्र शब्दों में कहा कि सेक्टर-52 के भूखंड संख्या क्र 195 में प्रस्तावित डिजिटल लाइब्रेरी को लेकर स्थानीय निवासियों और आरडब्ल्यूए की अपनी कुछ व्यावहारिक सीमाएँ और असहमतियाँ हैं। एक सजग और सहृदय प्रशासन हमेशा जनता की सहज भावना का सम्मान करता है। ऐसे में जब सेक्टर-52 के नागरिक इस योजना का पूर्ण लाभ उठाने में संकोच कर रहे हैं, तो प्रशासनिक संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग हेतु इसे सहर्ष सेक्टर-105 में निर्मित किया जाना चाहिए, जहाँ का प्रत्येक नागरिक और युवा इस दूरगामी पहल का पलकें बिछाकर और खुले दिल से स्वागत करने को आतुर है।

सेक्टर-105 को इस महा-परियोजना का आदर्श केंद्र बनाने के पीछे गहरा और स्पष्ट विजन साझा करते हुए उन्होंने बताया कि यह सेक्टर सीधे नोएडा एक्सप्रेसवे से लगा हुआ है। एक्सप्रेसवे के मुहाने पर स्थित होने के कारण यहाँ का आवागमन अत्यंत सुगम व निर्बाध रहता है तथा विशाल पार्किंग व सुचारू कनेक्टिविटी का सर्वोत्कृष्ट विकल्प स्वतः उपलब्ध हो जाता है। इसके साथ ही, यहाँ का अत्यंत शांत, स्वच्छ और प्रेरणादायी वातावरण ज्ञान-साधना के लिए एक अत्यंत पवित्र माहौल निर्मित करता है। यहाँ डिजिटल लाइब्रेरी के साथ अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त क्लब हाउस का संगम स्थापित होने से न केवल सेक्टर-105, बल्कि आसपास के दर्जनों आवासीय सेक्टरों और ग्रामीण अंचलों के हजारों-हजार होनहार विद्यार्थियों, युवाओं, खेल प्रेमियों और सम्मानित बुजुर्गों के सपनों को एक नई और सशक्त उड़ान मिलेगी।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा प्राधिकरण के नेतृत्व पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहाः 'प्राधिकरण का नेतृत्व सदैव नगरवासियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति संवेदनशील रहा है।

पुष्पा देवी की मौत के मामले में वीएसपी-बजरंग दल का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग

नोएडा। सेक्टर-61 स्थित रामा अस्पताल में उपचार के दौरान 52 वर्षीय पुष्पा देवी की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग को लेकर सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल नोएडा महानगर के कार्यकर्ताओं ने सीएमओ कार्यालय, गौतमबुद्ध नगर के बाहर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में मृतका के पुत्र मोहित शर्मा सहित उनके अन्य परिजन भी शामिल हुए।

जानकारी के अनुसार, सेक्टर-63 के छिजारसी गांव निवासी मोहित शर्मा ने अपनी 52 वर्षीय मां पुष्पा देवी को 14 अप्रैल 2026 को हल्के बुखार और उल्टी की शिकायत के बाद सेक्टर-61 स्थित रामा अस्पताल में भर्ती कराया था। मोहित का आरोप है कि उपचार के दौरान उनकी मां की स्थिति में सुधार दिखाई दे रहा था। उनका उपचार मेडिसिन विभाग की चिकित्सक डॉ. श्रुति श्री द्वारा किया जा रहा था।

मोहित का आरोप है कि उनकी मां की स्थिति में सुधार के बावजूद चिकित्सक की सहमति के बिना सीईसीटी जांच कराई गई। इसके बाद उनकी मां की हालत बिगड़ गई और उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

प्रदर्शन का संयोजन बजरंग दल के जिला संयोजक विनोद चौहान ने किया। इस दौरान नोएडा महानगर अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, मंत्री दिनेश महावर, सह संयोजक विनोद सिंह, नितेश शर्मा, प्रवीण राठौर समेत विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और करणी सेना के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सीएमओ और पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई का दिया आश्वासन: धरने के दौरान प्रदर्शनकारियों ने रामा अस्पताल और संबंधित चिकित्सकों के खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग रखी। प्रदर्शनकारियों और परिजनों का कहना था कि पुष्पा देवी की उपचार के दौरान हुई मृत्यु के मामले में चिकित्सकीय लापरवाही की जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

मौके पर मौजूद एसीपी-1 परवीन कुमार, अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और सीएमओ गौतमबुद्ध नगर डॉ. मंदन मोहन त्रिपाठी ने परिजनों और प्रदर्शनकारियों की बात सुनी। अधिकारियों की ओर से संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

प्रशासन की ओर से परिजनों और प्रदर्शनकारियों को बताया गया कि अगले 2-3 दिनों के भीतर रामा अस्पताल के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जांच में चिकित्सकों की जिम्मेदारी सामने आने पर उनके खिलाफ स्त्रद्धक्रदर्ज करने की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। इसके साथ ही संबंधित चिकित्सकों के लाइसेंस या मेडिकल रजिस्ट्रेशन के संबंध में भी जांच के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति या संस्था को बदनाम करना नहीं, बल्कि पुष्पा देवी की मौत के मामले में निष्पक्ष और समयबद्ध जांच सुनिश्चित कराना है। परिजनों ने प्रशासन से मामले में बिना किसी दबाव या पक्षपात के कानून के अनुसार कार्रवाई की मांग की।

कार्रवाई नहीं हुई तो बड़े स्तर पर प्रदर्शन की चेतावनी: प्रशासन की ओर से मिले आश्वासन के बाद परिजनों और प्रदर्शनकारियों ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़े स्तर पर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि न्याय की मांग को लेकर उनका संघर्ष लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा।

उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष से मिले नोएडा के युवा कांग्रेसी कार्यकर्ता

नोएडा। सोमवार को एआईसीसी के सदस्य और प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर ने दिल्ली स्थित आवास पर जाकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा मोना जी से मुलाकात की और उनको पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएं दी।

प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा मोना जी ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और आने वाले उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए। सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर आगामी चुनाव में जुट जाने की सलाह दी जिससे कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस अलायंस की सरकार बने।

इस अवसर पर एआईसी सदस्य पुरुषोत्तम नागर, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, सत्येन्द्र शर्मा, फिरे सिंह नागर, लियाकत चौधरी, ललित अवाना, यतेन्द्र शर्मा, राहुल पांडेय, शालिनी पवार, जगपाल चौहान, ओमवीर उपाध्याय आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आइवरी काउंटी पर 50 लाख का पर्यावरण जुर्माना

नोएडा। सेक्टर-116 में चार दिन से एयर क्वालिटी इंडेक्स बढ़ने के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आसपास के इलाकों में जांच की। इस दौरान सेक्टर-115 में बन रहे आईवरी काउंटी प्रोजेक्ट में प्रदूषण रोकने के इंतजामों में कई खामियां मिलीं। इसके बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने प्रोजेक्ट पर 50 लाख रुपए का पर्यावरण जुर्माना लगाया है।

बोर्ड की टीम ने 5 अक्टूबर को प्रोजेक्ट की जांच की। यह प्रोजेक्ट सेक्टर-116 के एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन से करीब 750 मीटर दूर है। जांच के समय प्रोजेक्ट के डीजीएम विनोद कुमार सहानी भी मौजूद थे। जांच के दौरान प्रोजेक्ट के अंदर बिल्डिंग बनाने का सामान, मिट्टी और निर्माण का मलबा खुले में पड़ा मिला। इसे ढकने का कोई इंतजाम नहीं था। धूल को रोकने के लिए पानी का छिड़काव भी नहीं किया जा रहा था। प्रोजेक्ट के अंदर और बाहर रास्ते पर काफी धूल मिली। वाहनों के आने-जाने से धूल और उड़ रही थी। यहां भी पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा था।

बिल्डिंग पर ग्रीन नेट भी नहीं लगा: प्रदूषण बोर्ड की टीम को निर्माणाधीन बिल्डिंग पर ग्रीन नेट नहीं लगा मिला। वहीं, स्प्रे गन से खुले में पेंट का काम किया जा रहा था। प्रोजेक्ट के चारों तरफ धूल को बाहर जाने से रोकने के लिए लगाई गई विंडब्रेकिंग वॉल भी मानकों के मुताबिक नहीं मिली।

दो एंटी स्मॉग गन, दोनों बंद: प्रोजेक्ट में दो एंटी स्मॉग गन लगी मिली, लेकिन जांच के दौरान दोनों बंद थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये मशीनें मानकों के अनुसार भी स्थापित नहीं की गई थी। बोर्ड के मुताबिक सेक्टर-116 का एक्यूआई पिछले करीब चार दिनों से बढ़ रहा था। सीएक्यूएम के 29 सितंबर को जारी ग्रैप शेड्यूल में भी यहां की हवा वेरी पुअर श्रेणी में थी।

किसानों ने बिल्डर का काम रोककर प्रदर्शन किया

नोएडा। दनकौर क्षेत्र के डूंगरपुर रिलखा गांव के किसानों ने एक निजी बिल्डर का काम रोककर सोमवार को धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी तब तक धरना जारी रहेगा। सोमवार को दनकौर अनाज मंडी के समीप गांव के किसानों ने महापंचायत की। पंचायत को किसान एकता महासंघ सहित कई संगठनों ने अपना समर्थन दिया। पंचायत की अध्यक्षता रघुराज सिंह ने संचालन नीरज कसाना ने किया। इस दौरान पीड़ित किसान सरजीत कसाना ने बताया यमुना विकास प्राधिकरण द्वारा 2009 में किसानों की जमीन का अधिग्रण किया था। आज तक किसानों की समस्याएं का समाधान नहीं हुआ।

किसानों ने गांव का लाल डोरा बनाए जाने, आबादियों का निस्तारण और किसानों के शिफ्टिंग प्लॉट लगाए जाने की मांग की। किसानों का कहना था कि जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं किया जाएगा किसानों का अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने किया रामलीला की शोभा यात्रा का स्वागत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-9 स्थित बांस बल्ली मार्केट में श्री बजरंग रामलीला संचालिका ट्रस्ट द्वारा आयोजित रामलीला को लेकर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा का कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। यह स्वागत समारोह कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शाहबुद्दीन के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

कांग्रेस के पूर्व महानगर अध्यक्ष शाहबुद्दीन ने बताया कि श्री बजरंग रामलीला संचालिका ट्रस्ट द्वारा निकाली गई भव्य शोभा यात्रा का कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस स्वागत समारोह के दौरान गंगा-जमुनी तहज़ीब और आपसी भाईचारे की एक खुबसूरत मिसाल भी पेश की गई।

इस मौके पर सुंदर और आकर्षक झांकियों के साथ निकाली गई भव्य शोभा यात्रा ने पूरे वातावरण को भक्ति, आस्था और उल्लास से भर दिया। भगवान श्री राम के आदर्शों और मर्यादा का संदेश देती इस शोभा यात्रा का फूल-मालाओं और पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया गया।

इस मौके पर श्री बजरंग रामलीला संचालिका ट्रस्ट के विनय जोशी, राहुल पांडेय, अशोक कुमार पांडेय, राधा कृष्ण गर्ग, शिव लाल सिंह, इंद्र देव यादव, कमलाकर त्रिपाठी, गुरदयाल बिज, कुमार शांतनु संदल, पूर्व महानगर अध्यक्ष शाहबुद्दीन, नोएडा वाटर सप्लायर एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद शाह, कांग्रेस नेता दयाशंकर पांडेय, सीटू जिलाध्यक्ष गौतमबुद्ध नगर गंगेश्वर दत्त शर्मा, नोएडा वाटर सप्लायर एसोसिएशन उपाध्यक्ष प्रेम शाह, बिजेंद्र अहिरवार, वरिष्ठ पत्रकार अरुण सिंह, चांद, परवेज, नोएडा उद्यमी अरुण झिंगन, श्रवण यादव, पुष्पेंद्र यादव और बाबा नानक ट्रांसपोर्ट बाबूजी हरमेश सिंह समेत कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

श्री महावीरजी में हुआ अखिल भारतीय गुर्जर महासभा का राष्ट्रीय एवं प्रदेश परिचय सम्मेलन

नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वावधान में भगवान देवनारायण मंदिर प्रांगण में राष्ट्रीय एवं प्रदेश परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर समिति के अध्यक्ष सूबेदार सिरमौर ने की तथा संचालन महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. रूप सिंह ने किया।

सम्मेलन में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश चंद्र भाटी, युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुन्दर चौधरी, देवकीनंदन काका, मनफूल पटेल, रामकेश चपराना, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी और राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पुरुषोत्तम फागना सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पदाधिकारियों का काफिला श्री महावीरजी के मुख्य बाजारों से गुजरा तो स्थानीय लोगों और समर्थकों ने पुष्पवर्षा एवं माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। खुली जीप में सवार पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में युवा और स्थानीय लोग आगे बढ़े। देशभक्ति एवं सामाजिक गीतों के बीच पूरा क्षेत्र 'गुर्जर एकता जिंदाबाद' और भगवान देवनारायण के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा के प्रसार, सामाजिक एकता, सद्भाव और कुरीतियों के उन्मूलन पर जोर दिया। महासभा की ओर से देवनारायण मंदिर परिसर में पुस्तकालय की स्थापना के लिए मंदिर समिति को ?1,00,000 का सहयोग दिया गया और पुस्तकालय का कार्य शीघ्र शुरू करने का आह्वान किया गया।

वक्ताओं ने राजस्थान में गुर्जर आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने, ओबीसी समाज के विमुक्त जनजाति आरक्षण से संबंधित प्रावधानों को पूरे देश में लागू करने, राजस्थान गुर्जर आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस लेने तथा आंदोलन के शहीदों के परिवारों को आर्थिक सहायता देने की माँग उठाई।

करौली पहुँचने से पूर्व यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। सिकंदरा में गुर्जर आंदोलन के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। महासभा द्वारा दौसा नगर परिषद अध्यक्ष रेखा गुर्जर तथा कोटा की पार्षद निर्मला देवी का भी सम्मान किया गया।

सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह से 27 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित होने वाली पटेल जयंती एवं गुर्जर स्वाभिमान रैली में बड़ी संख्या में पहुँचने का आह्वान किया गया। समाज के लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने सम्मेलन को सफल बनाया और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

सड़क पर चलती कार में आग लगी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में 130 मीटर चौड़ी रोड पर सोमवार की दोपहर सड़क पर चलती एसयूवी गाड़ी में आग लग गई। चालक ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। आग की सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची और किसी तरह आग को बुझाया। हालांकि, इस बीच कार काफी जल गई थी। सेक्टर ईकोटेक तीन कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार की दोपहर 130 मीटर चौड़ी रोड पर सेक्टर-12 के समीप अचानक चलती एसयूवी में कार में आग लग गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी को साइड में रोका और बाहर कूदकर अपनी जान बचाई।

इसके बाद आग की सूचना पुलिस और फायर विभाग को दी गई। घटना की सूचना पर दमकल की टीम मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक घटना में कोई जनहानि की सूचना नहीं है। गाड़ी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका जताई गई है। आग लगने की जांच की जा रही है।

5% आबादी भूखंड की फाइल लौटाने पर किसानों का प्रदर्शन

नोएडा। नोएडा में 5% आबादी भूखंड की फाइल बार-बार आपत्ति लगाकर लौटाने से नाराज किसानों ने सोमवार को प्रदर्शन किया। भारतीय किसान परिषद के नेतृत्व में किसान सेक्टर-19 स्थित प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचे। किसानों ने वर्क सर्किल-8 में तैनात अधिकारियों पर फाइल को अनावश्यक टिप्पणियों के साथ बार-बार वापस करने का आरोप लगाया।

मामला गेझा तिलपताबाद निवासी बृजपाल और जयवीर की 5% भूखंड से जुड़ी पत्रावली का है। इसमें 574/1, 548, 248, 284, 602 और 682 समेत एक दर्जन से ज्यादा खसरा नंबर शामिल हैं। किसानों के मुताबिक, भूलेख विभाग से जांच के बाद पत्रावली वर्क सर्किल-8 भेजी गई थी। संबंधित खसरा नंबरों पर अतिक्रमण नहीं होने की रिपोर्ट भी दी गई थी। इसके बावजूद खसरा नंबरों से जुड़ी रिपोर्ट दोबारा मांगी गई और फाइल भूलेख विभाग को वापस भेज दी गई। किसानों का कहना है कि भूलेख विभाग ने 17 सितंबर को अलग से रिपोर्ट भेज दी थी। इसके बाद भी 28 सितंबर को उनकी मूल फाइल फिर वापस कर दी गई।

'बार-बार आपत्ति लगाकर फाइल लंबित कर रहे': किसानों ने आरोप लगाया कि एक ही मामले में बार-बार आपत्तियां लगाकर फाइल को लंबित किया जा रहा है। इससे उन्हें अपने काम के लिए लगातार प्राधिकरण के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। शिकायत में किसानों ने रिश्वत के तौर पर भारी रकम मांगने का आरोप भी लगाया है। हालांकि, यह आरोप किसानों की ओर से लगाए गए हैं और इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

3 दिन में समाधान का आश्वासन: किसानों के प्रदर्शन की सूचना पर प्राधिकरण के अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने किसानों से बातचीत कर उनकी शिकायत सुनी। इसके बाद समस्या का तीन दिन में समाधान कराने का आश्वासन दिया गया।

नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना एवं राज्यसभा उपनेता का दिल्ली में हुआ स्वागत

नोएडा। सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष एवं लोकप्रिय विधायक श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' जी के दिल्ली आगमन पर उनके आवास पर नोएडा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस के कोडिनेटर सतेन्द्र शर्मा के नेतृव में एव कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता एवं वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी का भी कांग्रेसजनों द्वारा जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। दोनों वरिष्ठ नेताओं के दिल्ली आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल रहा,स्वागत कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर एवं नोएडा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में किया गया। कांग्रेसजनों ने श्रीमती अराधना मिश्रा 'मोना' जी एवं प्रमोद तिवारी जी को फूल-मालाएं पहनाकर,गुलदस्ते भेंट कर तथा पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सतेन्द्र शर्मा ने कहा कि श्रीमती अराधना मिश्रा 'मोना' जी के प्रदेश अध्यक्ष बनने से उत्तर प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ है। उनके नेतृत्व में पार्टी संगठन को और अधिक मजबूत बनाने,आम जनता की आवाज को मजबूती से उठाने तथा कांग्रेस के विचारों और नीतियों को प्रदेश के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि श्रीमती अराधना मिश्रा 'मोना' एक अनुभवी, जुझारू और लोकप्रिय जनप्रतिनिधि हैं,उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूती मिलेगी और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जनता के मुद्दों पर संघर्ष करने की नई प्रेरणा मिलेगी।

आईएमएस लॉ कॉलेज में एससीसी ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

नोएडा। आईएमएस लॉ कॉलेज, नोएडा के विधि विभाग द्वारा छात्रों एवं शिक्षकों के लिए एससीसी ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र में एससीसी ऑनलाइन के वाइस प्रेसिडेंट संजय कपूर ने बतौर विशेषज्ञ प्रशिक्षक प्रतिभागियों को डिजिटल माध्यम से प्रभावी कानूनी शोध की तकनीकों एवं व्यावहारिक तरीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल कानूनी शोध संसाधनों के प्रभावी उपयोग, उन्नत सर्च तकनीकों तथा कानूनी शोध को अधिक व्यवस्थित, सटीक एवं समयबद्ध बनाने के तरीकों की जानकारी प्रदान करना था।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान संजय कपूर ने लाइव डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से एससीसी ऑनलाइन के विभिन्न टूल्स एवं फीचर्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने केस लॉ, जर्नल, कानून एवं कानूनी टिप्पणियों को प्रभावी ढंग से खोजने तथा शोध कार्य में प्रासंगिक कानूनी प्राधिकारों की पहचान करने की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिजिटल कानूनी डेटाबेस का प्रभावी उपयोग विद्यार्थियों के अकादमिक एवं व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने छात्रों को असाइनमेंट, अकादमिक लेखन, कक्षा की तैयारी, शोध पत्र तैयार करने तथा भविष्य के पेशेवर कानूनी कार्यों में डिजिटल कानूनी संसाधनों के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बेहतर एवं सटीक कानूनी शोध के लिए विभिन्न सर्च स्ट्रेटेजी और उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के तरीके बताए गए।

इस अवसर पर आईएमएस लॉ कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजुम हसन ने कहा कि वर्तमान समय में कानून के क्षेत्र में डिजिटल रिसर्च की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से छात्रों एवं शिक्षकों को एससीसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग, सर्च तकनीक एवं कानूनी शोध की विभिन्न रणनीतियों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त हुई, जो उनके अकादमिक एवं शोध कार्य में उपयोगी साबित होगी।

प्रशिक्षण सत्र के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों एवं शिक्षकों ने कानूनी शोध से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे। विशेषज्ञ ने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए प्रासंगिक कानूनी प्राधिकारों की पहचान, शोध की प्रभावी रणनीतियों एवं डिजिटल कानूनी संसाधनों के बेहतर उपयोग से संबंधित उपयोगी जानकारी साझा की।

ढाई हजार से अधिक स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शुरू

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के अमीनाबाद, पतवाड़ी और बिसरख समेत 17 गांवों में रोशनी से अछूती गलियां भी जल्दी एलईडी स्ट्रीट लाइट से जगमग होंगी। प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने दीवाली को देखते हुए लाइट लगाने का काम तेज कर दिया है। ढाई हजार से अधिक नई स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। अधिकारी के मुताबिक सूरजपुर, भोला रावल, तिलपता करनवास, कुलेसरा, कैलाशपुर उर्फ किराचपुर, बिसरख, ऐमनाबाद, सादोपुर, इटेड़ा, खोदना खुर्द, खैरपुर गुर्जर, छपरौला, खेड़ा धर्मपुरा, मिलकलच्छी, खेड़ी, भनौता और सुनपुरा गांव में 2500 से अधिक नई स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। इन गांवों में आबादी का विस्तार होने से कई गलियों में अंधेरा रहता है। इससे रात के समय हादसे की आशंका बनी रहती है। क्षेत्र के लोगों द्वारा स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी।

सीईओ रवि कुमार एनजी के निर्देश पर अंधेरे वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां पर लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया है। इस पर 3.34 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वरिष्ठ प्रबंधक अजीत भाई पटेल ने बताया कि बिसरख, अमीनाबाद और पतवाड़ी में दीवाली से पहले काम पूरा कर लिया जाएगा। सभी 17 गांवों में अगले 5 से 6 माह में काम पूरा कर लिया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक इन गांवों में पूर्व में कराए गए काम के दौरान कुछ हिस्सों में स्ट्रीट लाइट लगाने का काम शेष रह गया था। दरअसल, बिजली की बचत के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने वर्ष 2021 में एलईडी स्ट्रीट लाइट परियोजना के तहत शहर के सेक्टरों और अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में सोडियम लाइट को हटाकर उनके स्थान पर एलईडी स्ट्रीट लाइटे लगाने का फैसला लिया था। इसके तहत अब तक एक लाख से अधिक स्ट्रीट लाइट लगाई जा चुकी हैं।

ग्रेनो में प्रदूषण के अतिसंवेदनशील क्षेत्र बढ़कर 14 हुए

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में वायु प्रदूषण की समस्या दूर नहीं हो रही है। इस साल अतिसंवेदनशील क्षेत्र की संख्या नौ से बढ़कर 14 हो गई। खास बात यह है कि कई स्थान पिछले पांच साल से लगातार अति संवेदनशील क्षेत्र की सूची में हैं। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने वायु प्रदूषण के लिहाज से अति संवेदनशील क्षेत्र की सूची ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को सौंपी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राधिकरण ने संवेदनशील क्षेत्रों सहित अन्य स्थानों पर पानी का छिड़काव और साफ सफाई का अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए वर्क सर्किल वार टीमें गठित की गई हैं। वायु प्रदूषण के मुख्य कारण सड़क की धूल, निर्माण-तोड़फोड़, टूटी और कच्ची सड़कें और जाम हैं।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में किसान चौक, मकोड़ा गोलचक्कर, तिलपता, एकमूर्ति गोलचक्कर, ऐस सिटी से 130 मीटर चौड़ी सड़क, साइट-3 अंडरपास रोड, सीआरपीएफ कैंप से फेस-2 डीएससी रोड, राइज गोलचक्कर से किसान चौक, निराला ग्रैंड सेक्टर-1 रोड (टूटी सड़क), जलपुरा से गौड़ मलबेरी पुस्ता रोड (कच्ची सड़क), ईस्टर्न पेरीफेरल से यमुना एक्सप्रेसवे लिंक रोड आदि शामिल हैं। निर्माण कार्य और तोड़फोड़ मुख्य कारण हैं।

वायु गुणवत्ता सूचकांक निगरानी स्टेशन में देरी: अधिकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा में अभी दो वायु गुणवत्ता सूचकांक निगरानी स्टेशन काम कर रहे हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए हर पांच किलोमीटर पर एक स्टेशन लगाने की योजना है। नोएडा एयरपोर्ट पर स्टेशन का परीक्षण चल रहा है। वहीं गौड़ यमुना सिटी, डीएमआईसीडीसी, शिव नादर यूनिवर्सिटी दादरी, जीबीयू और बादलपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में लगाया जाना प्रस्तावित है।

बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं कॉलोनियो में लगे बिजली के जर्जर पोल : चौधरी बीसी प्रधान

नोएडा। बरौला सेक्टर-49, भोपाल सिंह तंवर कॉलोनी में पीली बिल्डिंग बाबा भोपाल तंवर के मकान के पास, बिजली का पोल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त और खतरनाक स्थिति में है। पोल का निचला हिस्सा पूरी तरह उखड़ चुका है, सीमेंट निकल चुका है और पोल एक तरफ झुका हुआ है। तेज हवा या हल्की बारिश में भी यह पोल कभी भी गिर सकता है और बड़ा हादसा हो सकता है। इस गंभीर मामले पर भाकियू लोकशक्ति के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने कहा कि हमारी टीम ने मौके का मुआयना किया। जिस पर लोगों ने बताया कि यह पोल पिछले कई महीनों से इसी हालत में है। कॉलोनी के लोगों ने बिजली विभाग, जे.ई., एस.डी.ओ. और अन्य संबंधित अधिकारियों को बार-बार मौखिक और लिखित शिकायतें दी हैं, लेकिन आज तक कोई भी अधिकारी मौके पर देखने तक नहीं आया। यह प्रशासन की घोर लापरवाही है।

चौधरी बीसी प्रधान ने आगे कहा कि यह पोल कॉलोनी के मुख्य रास्ते पर है। इसी रास्ते से रोज सैकड़ों बच्चे स्कूल जाते हैं, महिलाएं और बुजुर्ग लोग भी यहीं से गुजरते हैं। अगर यह पोल किसी व्यक्ति, बच्चे या वाहन पर गिर गया तो जान-माल का भारी नुकसान हो सकता है।

हमारी मांग हैं कि इस जर्जर पोल को तुरंत बदला जाए और बरौला सहित आसपास की सभी कॉलोनियों में लगे जर्जर और झुके हुए पोलों का सर्वे कराकर उन्हें बदला जाए। शिकायतों पर कार्रवाई न करने वाले लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए। नहीं तो संगठन बिजली विभाग के कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस मौके पर मुख्य रूप से उमेश तंवर, महानगर अध्यक्ष हरेन्द्र सिंह, युवा अध्यक्ष राजकुमार मोनू, सुनील बैसोया, महेश बैसोया, रामवीर तंवर,इत्यादि मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

गौर सिटी-वन में संदिग्ध परिस्थितियों में तीसरी मंजिल से गिरकर युवक की मौत

ग्रेटर नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र के फर्स्ट एवेन्यू गौर सिटी-वन में एक युवक की तीसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस के अनुसार डायल-112 पर सूचना मिली कि एक युवक तीसरी मंजिल से गिर गया है। पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर घायल युवक को तत्काल अस्पताल भिजवाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान पुलकित गौतम पुत्र रोशन लाल निवासी फर्स्ट एवेन्यू गौर सिटी-1 के रूप में हुई है। स्वजन से पूछताछ में पता चला कि वह काफी समय से डिप्रेशन में था। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

दनकौर की जन समस्याओं पर किसान एकता संघ की बैठक

नोएडा। किसान एकता संघ ने सोमवार को दनकौर कस्बे की जन समस्याओं पर बैठक की। यह बैठक सोरन प्रधान के घर पर हुई। इसमें कस्बे की सफाई, बिजली व्यवस्था, आवारा पशुओं और बंदरों के आतंक जैसी कई समस्याओं पर बात हुई। किसान एकता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने बताया कि इन समस्याओं के हल के लिए जल्द ही नगर पंचायत दनकौर को ज्ञापन दिया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो संगठन पंचायत करके आगे की रणनीति बनाएगा।

बैठक में हेमराज बीडीसी, मनीष कोच, सोनू भाटी, अजय ठाकुर, डॉ. दीपक कौशिक, जेपी नागर, कुनाल, सुमित, सीमा सूर्यवंशी, केशव वैष्णव और आमिर सहित कई लोग मौजूद थे।

नोएडा में खेत पर सो रहे किसान की फावड़े से हत्या, कहासुनी के बाद वारदात

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के नीमका गांव में खेत पर सो रहे 50 वर्षीय किसान भोला शंकर की अज्ञात हमलावर ने फावड़े से हमला कर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस के उच्चाधिकारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार, रविवार की रात ग्राम नीमका में भोला शंकर पुत्र उदय सिंह की हत्या की सूचना मिली थी। सूचना पर स्थानीय पुलिस और उच्चाधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम और फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कहासुनी के दौरान विवाद हुआ, जिसके बाद फावड़े से हमला किया गया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एडीसीपी समेत पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर ली है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के आधार पर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों को स्पष्ट किया जाएगा।

अतिरिक्त फीस वसूलने का आरोप

नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित निजी कॉलेज के एक छात्र ने अतिरिक्त फीस वसूली का आरोप लगाया है। छात्र का आरोप है कि करीब 1.60 लाख रुपये निर्धारित फीस के बावजूद उससे 2.20 लाख रुपये लिए गए। यही राशि विश्वविद्यालय के ईआरपी पोर्टल पर भी दर्ज है। छात्र का दावा है कि करीब 1.83 लाख रुपये की फीस पर 23 हजार रुपये की छूट का प्रावधान है। इसके बावजूद उससे ज्यादा फीस ली गई। छात्र ने फीस प्रक्रिया में कुछ शिक्षकों की भूमिका होने का दावा किया है। छात्र ने मामले की जांच कराने और यदि अतिरिक्त फीस ली गई है तो उसका समाधान करने की मांग की है।

छात्र का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उनसे इस संबंध में डीएम समेत कई अधिकारियों से भी शिकायत की है।

कार हटाने के विवाद में दरोगा के साथ धक्का-मुक्की

नोएडा। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में यूफेरिया मॉल के पास सर्विस रोड पर कार हटाने के विवाद में दरोगा के साथ धक्का-मुक्की और अभद्रता का मामला सामने आया है। दरोगा पर भी एक महिला से अभद्रता करने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पुलिस ने दरोगा की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फिरोजबाद में तैनात दरोगा ग्रेनो वेस्ट में रहने वाले अपने परिजनों से मिलने के लिए आए थे। यूफेरिया मॉल के पास से सर्विस रोड पर कार निकालने को लेकर एक युवक और दरोगा के बीच विवाद हो गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें एक युवक दरोगा से मांफी मांगने की बात कह रहा है। इस बीच धक्का-मुक्की भी की गई। वहीं, एक महिला ने दरोगा पर अभद्रता और थप्पड़ मारने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला शांत कराया। बिसरख कोतवाली प्रभारी का कहना है कि इस मामले में दरोगा की शिकायत पर कार सवार युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में तथ्य सामने आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एशियन किक बॉक्सिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी कशिश

नोएडा। भंगेल की कशिश त्यागी एशियन किक बॉक्सिंग में देश का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता के लिए उनके नाम की घोषणा के बाद गांव में उनका स्वागत किया गया। कशिश त्यागी इससे पहले भी राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता जीत चुकी हैं। खेल प्रेमियों को उनसे इस प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। राष्ट्रीय त्यागी भूमिहार ब्राह्मण समाज समिति के पदाधिकारियों ने उनके बेहतर भविष्य की कामना की। पदाधिकारियों ने कहा कि कशिश ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

सीटों को लेकर एक-दूसरे को तौल रहीं सपा-कांग्रेस, दिवाली बाद साफ होगी तस्वीर

नए अध्यक्ष के आने से बदलेगा माहौल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर सपा व कांग्रेस गठबंधन के लिए सीटों के लिहाज से तस्वीर साफ होने में खासा वक्त है। कांग्रेस सीटों को लेकर जल्द निर्णय चाहती है, तो सपा जीत सुनिश्चित किए जाने के लिए मजबूत प्रत्याशियों के उतारने पर जोर दे रही है। इसी कश्मकश के बीच सपा का फोकस इस वक्त राज्यसभा चुनाव पर ज्यादा है। माना जा रहा कि दिवाली के बाद सीटों की संख्या तय हो जाएगी, ताकि उसके बाद दोनों दल अपने अपने प्रत्याशियों का एलान सुविधा व तत्कालीन हालात व जातीय समीकरणों के आधार पर करेंगे। दोनों दलों के शीर्ष नेताओं में इस बात पर सहमति है। चुनाव का एलान होने के बाद दोनों दल संयुक्त रैलियां, संयुक्त मुद्दों के साथ सामने आएंगे। सपा जिले के हिसाब से घोषणा पत्र तैयार कराएगी। उसमें कांग्रेस की भी राय ली जाएगी। वोट चोरी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के तहत आगे होने वाली रैलियों में सपा भी अपनी सहभागिता दिखाएगी। अब

कांग्रेस को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल गया है जिनके सपा से अच्छे रिश्ते माने जाते हैं। ऐसे में सीटों को लेकर पहले जैसी तल्ख बयानबाजी कम होने के आसार हैं। वैसे कांग्रेस के प्रांतीय नेता पहले से ही 150 सीटों की मांग कर रहे हैं जिसे सपा के कई सांसद नकार चुके हैं। कांग्रेस की मंशा हर जिले से कम से कम एक सीट लड़ने की है। सूत्रों के मुताबिक, सपा 2017 के चुनाव के वक्त बने फार्मूले पर सहमत नहीं है। वह 2022 के चुनाव में सहयोगियों को दी गई सीटों से कुछ ज्यादा देकर कांग्रेस को तैयार करने की कोशिश में है। सपा ने उस वक्त कांग्रेस से समझौता नहीं किया था। सपा ने उस वक्त सुभासपा, रालोद समेत कई सहयोगियों को 55 सीट दी थी और बाकी पर खुद लड़ी थी। 2017 में कांग्रेस 105 सीटें दिए जाने का ऐलान हुआ लेकिन कांग्रेस 114 सीट पर लड़ गई यानी कुछ सीटों पर सपा कांग्रेस दोनों के प्रत्याशी आमने सामने थे। सपा अब दस साल बाद 311 सीट के बजाए 350 सीट पर लड़ने के मूड में है। नेता प्रतिपक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य तो कांग्रेस के साथ आ गए हैं। बसपा सरकार में मंत्री रहे तीन चार और नेता भी कांग्रेस के संपर्क में हैं और उनकी पिछले दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी व प्रियंका गांधी से मुलाकात हो चुकी है।

ज्ञानेश कुमार पर जयराम रमेश ने बोला हमला, कहा- अब आप देश के लिए बोझ बन गए

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त यानी सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना हमला और तेज कर दिया है। पार्टी के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि ज्ञानेश कुमार को अब तुरंत अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। रमेश का आरोप है कि 'जी-2 के गैर-कानूनी आदेशों को लागू करने' की उनकी क्षमता ने उन्हें अब 'देश के लिए बोझ' बना दिया है। कांग्रेस का यह बयान सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की उस टिप्पणी के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसी कोई भी प्रक्रिया, जिसके कारण लाखों भारतीय नागरिकों को वोट देने के अधिकार से वंचित होना पड़े,'पूरी तरह मनमानी' होगी और संवैधानिक व्यवस्था के खिलाफ होगी।

जयराम रमेश ने न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की टिप्पणी का वीडियो 'एक्स' पर साझा करते हुए सीईसी ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'ये रहे निडर न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां, जिन्होंने कल हैदराबाद की नालसार विश्वविद्यालय में सीईसी की पूरी तरह से पोल खोल दी।'अगर ज्ञानेश कुमार में थोड़ी भी शर्म बची है तो उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना

चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि 'जी-2 के गैर-कानूनी आदेशों को लागू करने' की उनकी क्षमता ने उन्हें अब देश के लिए बोझ बना दिया है। जयराम रमेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधने के लिए अक्सर 'जी-2' शब्द का इस्तेमाल करते हैं। कांग्रेस इससे पहले भी न्यायमूर्ति भुइयां की टिप्पणी के आधार पर चुनाव आयोग पर सवाल उठा चुकी है। रविवार को पार्टी ने कहा था कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की टिप्पणी से यह साबित होता है कि सीईसी ने संविधान के अक्षर और उसकी मूल भावना, दोनों का उल्लंघन किया है। जयराम रमेश ने रविवार शाम कहा था कि उच्चतम न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां पर्यावरण संरक्षण के मुखर समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब इस 'साहसी कानूनविद' ने मजबूती से अपनी राय रखी है कि वोट देने का अधिकार संविधान के मूल ढांचे का अहम हिस्सा है। रमेश ने दावा किया कि न्यायमूर्ति भुइयां की टिप्पणी साफ तौर पर दिखाती है कि संवैधानिक पद पर बैठे सीईसी ने संविधान की भावना का उल्लंघन किया है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायमूर्ति भुइयां ने इससे भी आगे जाकर कई बातें कही हैं और सीईसी की 'पूरी तरह पोल खोल दी है।' कांग्रेस नेता के मुताबिक, ज्ञानेश कुमार अब अपने पद पर बने रहने का 'सारा नैतिक अधिकार' खो चुके हैं। कांग्रेस का यह हमला 'द इंडियन एक्सप्रेस' की उस रिपोर्ट के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें बताया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों के दौरान 'विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया' से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार आधिकारिक तौर पर आपत्ति जताई थी।

संक्षिप्त समाचार

2 साल में सबसे गर्म रहा अक्टूबर, एक्यूआई भी सीजन में सबसे खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्टूबर महीने की शुरुआत सामान्य से अधिक तापमान के साथ हुई है। महीने की शुरुआत से ही अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। शनिवार को तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने इसे पिछले दो वर्षों में अक्टूबर का सबसे गर्म दिन बना दिया। वहीं, रविवार को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक था। रविवार को दिल्ली में इस सीजन का सबसे खराब एक्यूआई 187 दर्ज किया गया, जो मॉडरेट कैटेगरी के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, दिन के दौरान कम से कम 19 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर खराब एक्यूआई दर्ज किया गया। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सर्दियों के मौसम में हवा की धीमी गति जैसे हालात के कारण प्रदूषण वाले दिन बढ़ेंगे। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस साल 1 और 2 अक्टूबर को दिन का तापमान 35.2 और 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके उलट, पिछले साल पूरे अक्टूबर महीने में सबसे अधिक तापमान 2 अक्टूबर को 35.7 डिग्री सेल्सियस रहा था, पूरे महीने में सिर्फ एक दिन पारा 35 डिग्री के पार गया था। ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो अक्टूबर 2024 में 2 तारीख को 37.2 डिग्री, 2023 में 10 तारीख को 35.7 डिग्री और 2022 में 3 तारीख को 35.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा था। अक्टूबर में पड़ रही इस तेज गर्मी की वजह बताते हुए मौसम वैज्ञानिक कृष्ण मिश्रा ने कहा कि पिछले 15 दिनों से आसमान पूरी तरह साफ है और कोई बारिश नहीं हुई है। तेज धूप और बारिश की कमी के कारण तापमान लगातार सामान्य से ऊपर बना हुआ है। स्काईमेट वेदर के अनुसार, उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही शुष्क हवाएं भी गर्मी बढ़ाने का काम कर रही हैं। 5 से 7 सितंबर के दौरान तेज बारिश हुई थी, जबकि मानसून की विदाई के बाद 27 सितंबर को सिर्फ हल्की फुहारें पड़ी थीं। मौसम विभाग का अनुमान है कि हवाओं का रुख बदलने से जल्द ही दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत मिलेगी। 6 अक्टूबर से पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हवाओं की जगह पूर्वी हवाएं चलने लगेंगी, जिससे 6 से 9 अक्टूबर के बीच तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है।

मंकी कैप पहनकर आए हमलावर ने महिला को पड़ोसी के घर में घुसकर मारी गोली

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में बवाना के सुल्तानपुर डबास इलाके में सोमवार सुबह

मंकी कैप पहनकर आए हमलावर ने 32 वर्षीय महिला मनीषा को गोली मार दी। वारदात के बाद आरोपी स्कूटी से फरार हो गया। उधर, गंभीर हालत में महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अभी चिकित्सकीय रिपोर्ट के आधार पर स्थिति की पुष्टि कर रही है। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 9:15 बजे सुल्तानपुर डबास में गोली चलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि मनीषा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता थीं और इलाके में अपनी दुकान पर थीं। बताया कि हमलावर ने उन पर गोली चलाई तो वह जान बचाने के लिए भागकर पड़ोसी के घर में घुस गईं। आरोप है कि हमलावर भी उनके पीछे पड़ोसी के घर में दाखिल हो गया और वहां महिला को गोली मार दी। वारदात के बाद हमलावर स्कूटी से फरार हो गया। मंकी कैप पहने होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस की कई टीमें मामले की जांच में जुटी हैं।

तुरंत एक्शन: भारतीय तटरक्षक बल बने फरिश्ता: अंडमान के पास घायल वियतनामी नागरिक को बचाया

नई दिल्ली , एजेंसी। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में समुद्र के बीच एक बार फिर भारतीय नौसेना की तत्परता देखने को मिली। 4 अक्टूबर 2026 की सुबह इंदिरा पॉइंट के पास एक व्यापारी जहाज MT Sun 09 पर सवार वियतनामी नागरिक घायल हो गया। समुद्र में अचानक पैदा हुई इस मेडिकल इमरजेंसी की सूचना मिलते ही अंडमान एवं निकोबार कमान ने तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। नौसेना के एक जहाज को तुरंत घटनास्थल की ओर रवाना किया गया और घायल व्यक्ति को नाव के जरिए जहाज तक पहुंचाकर प्राथमिक उपचार दिया गया।

मेडिकल इमरजेंसी की जानकारी मिलते ही अंडमान एवं निकोबार कमान ने बिना समय गंवाए बचाव अभियान की तैयारी शुरू कर दी। मामला समुद्र के ऐसे हिस्से का था, जहां किसी घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाना आसान नहीं होता। ऐसे में नौसेना की टीम ने उपलब्ध संसाधनों के साथ तेजी से कार्रवाई की। नौसेना के एक जहाज को इंदिरा पॉइंट के आसपास भेजा गया। वहां पहुंचने के बाद समुद्र में नाव के जरिए ऑपरेशन चलाया गया और घायल वियतनामी नागरिक को सुरक्षित निकाल लिया गया। उसे नौसेना के जहाज पर लाने के बाद तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। मेडिकल टीम ने उसकी हालत पर लगातार नजर रखी और जरूरी चिकित्सा सहायता

उपलब्ध कराई। प्राथमिक उपचार के बाद घायल व्यक्ति के महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेतकों को स्थिर किया गया। इसके बाद उसे आगे के इलाज के लिए सुरक्षित तरीके से कैंपबेल बे पहुंचाया गया। वहां उसे बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। इस तरह समुद्र में शुरू हुई मदद की प्रक्रिया सुरक्षित चिकित्सा केंद्र तक पहुंचने के साथ पूरी हुई। अंडमान एवं निकोबार कमान ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी साझा की। कमान ने कहा कि इस तेज और समन्वित कार्रवाई ने समुद्र में सुरक्षा और लोगों की जान बचाने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को फिर साबित किया है।

सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल के सरकारी आवास में चोरी, गटर का ढक्कन तक चुरा ले गए चोर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के अति-सुरक्षित माने जाने वाले वीआईपी इलाके फिरोजशाह रोड स्थित राज्यसभा सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल के सरकारी आवास में चोरी का मामला सामने आया है. सांसद का सरकारी आवास कोठी नंबर-18 में है. वारदात के समय सांसद व उनका परिवार दिल्ली में मौजूद नहीं था. घर खाली होने का फायदा उठाकर चोरों ने परिसर में प्रवेश किया और घर के अंदर से सामान चोरी करने के साथ ही बाथरूम की टोंटी व घर के बाहर लगा गटर का ढक्कन भी उखाड़कर ले गए. डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल का दिल्ली स्थित पता 18, फिरोजशाह रोड है. बाराखंभा रोड थाना पुलिस को कंट्रोल रूम के माध्यम से सरकारी आवास में चोरी की सूचना मिली. सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की जांच शुरू की. मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया. फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घर के अलग-अलग हिस्सों की जांच कर फिंगरप्रिंट व अन्य जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं. शुरुआती जांच में घर से एक टैबलेट व कुछ जरूरी सामान चोरी होने की जानकारी सामने आई है.

सड़कों पर जमी धूल बढ़ा रही प्रदूषण, सर्दी से पहले टेंशन में लाखों लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने का समय नजदीक आते ही सड़कों पर जमा धूल चिंता बढ़ाने लगी है। प्रदूषण के लिए केवल रिंग रोड ही नहीं बल्कि दिल्ली की कई अन्य प्रमुख सड़कों पर जमा धूल भी हवा की गुणवत्ता खराब करने में योगदान दे रही है। न्यू रोहतक रोड समेत कई इलाकों में फुटपाथ ही नहीं सड़कों के मुख्य भागों पर धूल की मोटी परत दिखाई दे रही है। वाहनों के गुजरने के साथ यही धूल हवा में उड़कर आसपास के वातावरण को प्रभावित कर रही है। झांसी रोड टी-प्वाइंट से जखीरा तक करीब छह किलोमीटर भाग में वाहन ड्राइवर धूल से परेशान होते हैं। वाहन ड्राइवर 20 से 25 मिनट तक धूल भरे माहौल में रहते हैं। इससे खासकर दो पहिया ड्राइवर अधिक परेशान हैं। वहीं, आसपास के रहने वाले लोग भी लोक निर्माण विभाग में शिकायत कर चुके हैं। यहां धूल का कारण टूटी सड़क और गड्ढे भरने के लिए डाले गए ईंटों के टुकड़ों का मिट्टी बन जाना है। वाहन गुजरते हैं तो मिट्टी उड़ती है। उधर, यमुनापार के प्रमुख फ्लाईओवर अप्सरा बॉर्डर फ्लाईओवर, अप्सरा बॉर्डर से आनंद विहार की ओर जाने वाले फ्लाईओवर के साथ साथ अशोक नगर, लोनी गोलचक्कर, गोकलपुरी से लेकर शाहदरा फ्लाईओवर के ऊपर धूल मौजूद है। यह हाल नियमित सफाई न होने के कारण है। नारायणा, मंगोलपुरी, न्यू मोती नगर व रानी झांसी फ्लाईओवर पर भी सफाई व्यवस्था ठीक नहीं है। इसके अलावा सड़कों पर भी धूल से बुरा हाल है। उधर मोदी मिल से कालकाजी फ्लाईओवर तक निर्माण कार्य के कारण धूल हो रही है। मथुरा रोड पर भी धूल का नजारा देखा जा सकता है। बता दें कि राजधानी में सर्दियों के दौरान पहले से ही प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है। सरकारी स्तर पर धूल नियंत्रण के लिए पानी का छिड़काव, सड़कों की सफाई और निर्माण स्थलों पर धूल रोकने जैसे उपाय किए जाते हैं, लेकिन अधिकतर जगह इनका असर जमीन पर नजर नहीं आ रहा है। लोक निर्माण विभाग के पूर्व प्रमुख अभियंता दिनेश कुमार ने कहा कि धूल प्रदूषण रोकने के लिए अक्टूबर से व्यवस्थाएं सड़कों पर दिखाई देने लगनी चाहिए, अन्यथा प्रदूषण रोकने के लिए प्रयास कारगर होने में समस्या आएगी।

'प्रोसेस में सुधार का अगला चरण जल्द ही जीएसटी काउंसिल के सामने आएगा

अगले चरण के जीएसटी सुधार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' विजन को मिलेगा सपोर्ट

नई दिल्ली , एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) सुधारों का अगला चरण 'विकसित भारत' के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को आगे बढ़ाने के लिए नियमों का पालन आसान बनाने पर केंद्रित होगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'लिंक्डइन' पर एक लेख शेयर करते हुए, वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों का मकसद करदाताओं को राहत देना और साथ ही अर्थव्यवस्था को और तेजी देना था। उन्होंने कहा कि 22 सितंबर, 2025 को लागू किए गए रेट में बदलाव इन सुधारों का पहला हिस्सा थे, जबकि प्रोसेस से जुड़े बदलाव सुधारों का दूसरा चरण होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, 'प्रोसेस में सुधार का अगला चरण जल्द ही जीएसटी काउंसिल के सामने आएगा।' उन्होंने कहा कि इन सुधारों का मकसद परिवारों को राहत देना, कारोबारों को ज्यादा निश्चितता प्रदान करना और टैक्स देने वालों के लिए अपनी जिम्मेदारियां पूरी करना आसान बनाना था। मंत्री ने आगे कहा कि अक्टूबर 2025 से जुलाई 2026 के बीच, रिपोर्ट की गई टैक्स-योग्य सप्लाई की वैल्यू में पिछले साल के

मुकाबले 25.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसके अलावा, अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान कुल जीएसटी कलेक्शन 11.6 प्रतिशत बढ़कर 12.46 लाख करोड़ रुपए हो गया है।उनके अनुसार, जून से सितंबर तक हर महीने जीएसटी कलेक्शन में दोहरे अंकों (डबल-डिजिट) की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई और इस चार महीने की अवधि में कलेक्शन में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उन्होंने आगे कहा कि वित्त वर्ष की पहली छमाही में नेट जीएसटी कलेक्शन (रिफंड के बाद) में 10.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सुधार के बाद के समय में कंज्यूमर सेल्स या बी2सी सप्लाई में 26.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि अगस्त के आखिर में जीएसटी रजिस्ट्रेशन की संख्या लगभग 1.71 करोड़ थी, जो एक साल पहले की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत ज्यादा है। सीतारमण ने कहा कि अप्रैल-सितंबर के दौरान लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए का रिफंड दिया गया और उन्होंने कहा कि बिजनेस के लिए रिफंड में ज्यादा अनुमान-योग्यता जरूरी है। उन्होंने यह भी बताया कि अप्रैल-सितंबर के दौरान राज्यों की कुल एसजीएसटी प्राप्तियों (जिसमें आईजीएसटी सेटलमेंट में उनका हिस्सा भी शामिल है) में लगभग 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 7 अक्टूबर को जीएसटी काउंसिल जिन प्रस्तावों पर विचार करेगी, उन्हें राज्यों के साथ बातचीत करके तैयार किया गया है।

लोगों के दस्तावेजों की जांच बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों की ओर से की जा रही है

दिल्ली के रंजीत नगर में एसआईआर को लेकर विशेष कैंप, बीएलओ और अधिकारी कर रहे समस्याओं का समाधान

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली के रंजीत नगर में विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) को लेकर विशेष कैंप लगाया गया है। कैंप में मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। यहां पहुंचने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों की ओर से की जा रही है। मतदाता सूची में नाम, पता या अन्य जानकारी में सुधार से जुड़ी समस्याओं को लेकर लोगों को मौके पर ही जरूरी जानकारी और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। कैंप में लोगों को एसआईआर की प्रक्रिया, फॉर्म भरने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। इसके अलावा, बीएलओ से एसआईआर की प्रक्रिया, लोगों की प्रमुख समस्याओं और उनके समाधान को लेकर बातचीत भी की जा रही है। प्रशासन की ओर से लोगों को यह सुनिश्चित करने के लिए सहायता दी जा रही है कि प्रक्रिया के दौरान पात्र मतदाताओं को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। एआरओ शिवकुमार शर्मा ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि एसआईआर को लेकर पहले से ही तैयारी की गई थी। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त से 30 सितंबर तक फॉर्म 6 और 7 भरने की प्रक्रिया निर्धारित थी, लेकिन लोगों की सुविधा को देखते हुए इसकी समय सीमा बढ़ा दी गई है। अब लोग 30 अक्टूबर तक अपना फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद 30 नवंबर तक संबंधित प्रक्रिया पूरी की जाएगी और 4 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाना है, उन्हें फॉर्म 6 दिया जाता है। बीएलओ और कर्मचारी फॉर्म भरने में भी लोगों की मदद कर रहे हैं। वहीं, फॉर्म 7 का इस्तेमाल मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है या कोई मतदाता किसी दूसरी जगह चला गया है, तो ऐसे मामलों में भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत फॉर्म 7 का इस्तेमाल किया जाता है। शिवकुमार शर्मा ने बताया कि फॉर्म 8 का इस्तेमाल मतदाता सूची में पहले से दर्ज जानकारी में संशोधन के लिए किया जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपना नाम एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कराना चाहता है।

बारापुला फेज-3 पर फिर भीषण जाम, ट्रैफिक पुलिस के दावों की खुली पोल; हजारों लोग परेशान

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में बारापुला फेज-3 के मयूर विहार से एम्स जाने वाली लेन पर तीन दिनों तक राहत के बाद सोमवार से फिर वाहन चालकों को भीषण जाम का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, मयूर विहार लाल बत्ती के पास से ट्रैफिक डायवर्ट किया जा रहा है। वाहनों को अक्षरधाम भेजा जा रहा है। वहां से गूगल वाहन चालकों को बारापुला के लिए गाइड कर रहा है। बारापुला फेज-3 पर सराय काले खां व एम्स जाने वाले मार्ग पर जाम लगा तो मयूर विहार की ओर उलटे आने लगे वाहन चालक, ट्रैफिक हुआ आमने-सामने। जागरण इस साढ़े तीन किलोमीटर के हिस्से को जाम से राहत दिलाने के लिए सभी प्रमुख प्वाइंट पर ट्रैफिक पुलिस तैनात किए गए हैं। मयूर विहार से एम्स वाली लेन पर समस्या जस की तस बनी हुई है।

बता दें कि गांधी जयंती, पहला शनिवार और फिर रविवार को सरकारी-गैरसरकारी कार्यालयों प्रतिष्ठानों के बंद रहने के चलते पूरी दिल्ली की सड़कों पर ट्रैफिक कम रहा। तीन दिन के अवकाश के बाद अब फिर से दिल्ली का सड़कों पर दबाव बढ़ गया। आश्रम से लेकर सराय काले खां, मयूर विहार से एम्स जाने वाली लेन भीषण जाम की चपेट में है। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, मयूर विहार की ओर आने वाली तीन लेन वाली रोड सराय काले खां तक आती है। इसके आगे यानी सराय काले खां से एम्स तक रोड दो ही लेन है।

वहीं, लूप के सहारे सराय काले खां और स्लिप रोड के जरिए डीएनडी लूप, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, आश्रम एक्टेंशन व महारानी बाग रोड की ट्रैफिक भी एम्स की ओर जाने के लिए इस पर आकर मिलती है। इसके चलते भीषण जाम की स्थिति बन रही है। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक, वाहन चालकों को गूगल पर रियल टाइम अपडेट अगले दो दिनों में मिलने लगेगा। वहीं सिग्नल लगाने और मर्जर प्वाइंट को ठीक करने में सप्ताहभर से अधिक समय लग सकता है। तब तक के लिए स्टाफ लगाकर यातायात को नियंत्रित कराने का प्रयास किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय सेना ने दी
बॉक्सर नरेंद्र बेरवाल को एशियन गेम्स 2026 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर स्वदेश लौटे बॉक्सर नरेंद्र बेरवाल को भारतीय सेना ने बधाई दी है। नरेंद्र बॉक्सर होने के साथ-साथ भारतीय सेना में सूबेदार भी हैं और उनका प्रदर्शन एशियन गेम्स में शानदार रहा।

भारतीय सेना ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नरेंद्र को बधाई देते हुए लिखा, 'जय से विजय - विजय से विजेता। युद्ध के मैदान से लेकर खेल के मैदान तक, भारतीय सेना के योद्धा देश का मान बढ़ाते रहे हैं। जनरल धीरज सेठ (थल सेना प्रमुख) और भारतीय सेना के सभी अधिकारी एवं जवान, 20वें एशियन गेम्स (आइची-नागोया 2026) में शानदार प्रदर्शन कर भारत का तिरंगा ऊंचा लहराने वाले सूबेदार नरेंद्र बेरवाल को हार्दिक बधाई देते हैं। भारतीय सेना - चैंपियंस तैयार करने की परंपरा।' नरेंद्र ने 90 किलोग्राम वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। नरेंद्र ने एशियन गेम्स में यह लगातार दूसरी बार मेडल जीता है।

विवाद को लेकर बोले कोच जॉर्ज
रोनाल्डो से 'कोई नाराजगी नहीं, टीम के दरवाजे उनके लिए खुले हैं'

नई दिल्ली। पुर्तगाल फुटबॉल टीम के मुख्य कोच जॉर्ज जीसस ने कहा है कि अगर क्रिस्टियानो रोनाल्डो दोबारा नेशनल टीम के लिए खेलना चाहते हैं, तो उनके लिए टीम के दरवाजे खुले हैं। उन्होंने

कहा कि रोनाल्डो को अगली टीम घोषणा से पहले अपने भविष्य और करियर को लेकर फैसला करना होगा। 41 साल के इस अनुभवी खिलाड़ी ने कोच जॉर्ज जीसस के साथ कप्तान की भूमिका को लेकर बढ़ते मतभेद पर सार्वजनिक रूप से बात करने के कुछ ही घंटों बाद नेशनल टीम का कैंप छोड़ दिया था। कैंप छोड़ने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'सही समय आने पर मैं सभी पुर्तगाली लोगों को नेशनल टीम छोड़ने के अपने कारणों के बारे में सच बताऊंगा, जिसके प्रति मैं हमेशा समर्पित रहा हूं।

स्लो ओवर रेट के कारण आईसीसी ने भारत-वेस्टइंडीज टीम पर लगाया जुर्माना

दुबई। न्यू चंडीगढ़ के पीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए तीसरे वनडे मुकाबले में स्लो ओवर रेट बनाए रखने के लिए आईसीसी ने भारत और वेस्टइंडीज टीम पर जुर्माना लगाया गया है। शनिवार को हुए आखिरी वनडे में समय की छूट को ध्यान में रखते हुए भारत को चार ओवर और

वेस्टइंडीज को दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। इसके बाद भारतीय टीम पर उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत और वेस्टइंडीज पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 (जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघनों से संबंधित है) के अनुसार, अगर कोई टीम तय समय में ओवर नहीं फेंक पाती है, तो उसके खिलाड़ियों पर हर ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।'

हम ड्रेसिंग रूम में सुरक्षा का माहौल बनाना चाहते हैं: गौतम गंभीर
वैभव को करना होगा मौके का इंतजार

नई दिल्ली। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी के साथ हुई अपनी बातचीत के बारे में बताया है। गंभीर ने कहा कि उन्होंने 15 वर्षीय खिलाड़ी को समझाया कि अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद, कभी-कभी खिलाड़ी को अपने मौके का इंतजार करना पड़ता है। इस साल जुलाई में सूर्यवंशी इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय बने।

उन्होंने 15 साल और 99 दिन की उम्र में अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया और सचिन तेंदुलकर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ा। इसके बाद, वह पुरुषों के इंटरनेशनल क्रिकेट में अर्धशतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 साल और 118 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की। हालांकि, उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी सीरीज और एशियन गेम्स से पहले जापान के खिलाफ खेले गए एकमात्र टी20 इंटरनेशनल

मुकाबले में खेलने का मौका नहीं मिला। 15 साल के इस बल्लेबाज ने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स के सेमीफाइनल में भारत की प्लेइंग इलेवन में वापसी की, जहां उन्होंने 21 गेंदों पर 38 रन बनाकर मैच में अहम भूमिका निभाई।

गंभीर ने 'जियोस्टार' पर कहा, 'यह मेरे लिए भी एक नया अनुभव था। हां, वह अच्छी फॉर्म में थे, लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि कभी-कभी, उन खिलाड़ियों की वजह से जिन्होंने लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें अपने मौके का इंतजार करना पड़ सकता है। एक और बात, सोशल मीडिया या बाहर की बातें प्लेइंग इलेवन तय नहीं करतीं।

' भारतीय मुख्य कोच ने आगे कहा, 'यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि ड्रेसिंग रूम का समीकरण कैसा है, कौन सा खिलाड़ी कोच और कप्तान क ो मैच जिताने की क्षमता रखता है, तथा टीम की सबसे मजबूत 'प्लेइंग इलेवन' क्या है।

भारत-वेस्ट इंडिज के बीच पहला टी-20 आज

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने आमिर जांगू को किया टीम में शामिल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए विकेटकीपर-बल्लेबाज आमिर जांगू को टीम में शामिल किया है। उन्हें ज्वेल एंड्रयू की जगह कवर के तौर पर बुलाया गया है, जो वनडे सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। शनिवार को न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में भारत के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के 36वें ओवर के दौरान नमन धीर का कैच पकड़ते समय एंड्रयू की उंगली में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें एक्स-रे के लिए अस्पताल ले जाया गया। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा, 'शनिवार को तीसरे वनडे के दौरान ज्वेल एंड्रयू की उंगली में चोट लगने के बाद विकेटकीपिंग की भूमिका के लिए आमिर जांगू को टीम में शामिल किया गया है।

चाइना ओपन: रोमांचक मुकाबले में डोना वेकिक को हराया
इगा स्वियातेक ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

बीजिंग। छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक ने सोमवार को यहां चाइना ओपन के राउंड-ऑफ-32 में 30वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डोना वेकिक को हराया। उन्होंने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की। इगा स्वियातेक ने शानदार वापसी करते हुए राउंड-ऑफ-16 में जगह बनाई। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी पहला सेट 4-6 से हार गई थीं और दूसरे सेट में 2-5 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि वह मैच हार जाएंगी, लेकिन उन्होंने जबरदस्त संघर्ष दिखाया। स्वियातेक ने दूसरे सेट का टाईब्रेकर 7-0 से जीता और फिर निर्णायक सेट में 6-2 से जीत हासिल कर मैच को 4-6, 7-6 (0), 6-2 से अपने नाम कर लिया। जीत के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए स्वियातेक ने बताया कि उन्हें एक सेट हारने के बाद कैसा महसूस हो रहा था। उन्होंने कहा, 'मैं सच में बहुत चिढ़ गई थी। मुझे लगा कि मैं बुरा नहीं खेल रही थी, लेकिन निश्चित रूप से वह काफी नहीं था। मैंने कुछ गलतियां कीं। मुझे गुस्सा आ रहा था। मैं कुछ बदलना चाहती थी। जाहिर है कि वह काम नहीं कर रहा था। दूसरा सेट शुरू में मुश्किल था। बाद में मैंने समझ लिया कि क्या करना है। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूं। '

मैच के तीसरे गेम में स्वियातेक अपनी सर्विस गंवा बैठीं और वेकिक की सर्विस तोड़ने का कोई तरीका नहीं ढूंढ पाई। आठवीं वरीयता प्राप्त पोलिश खिलाड़ी आखिरकार पहला सेट 4-6 से हार गई। उनकी वापसी की उम्मीदों को तब और झटका लगा जब दूसरे सेट में वे दो बार अपनी सर्विस हार गईं और 2-5 से पिछड़ गईं। हालांकि, उन्होंने अपना बेहतरीन खेल दिखाया और क्रोएशिया की खिलाड़ी की सर्विस दो बार तोड़कर स्कोर 5-5 कर दिया। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाए रखी और दूसरा सेट टाई-ब्रेक में चला गया, जिसमें स्वियातेक ने बिना कोई प्वाइंट गंवाए जीत हासिल की। तब तक, मोमेंटम उनके साथ था।

दोनों खिलाड़ियों ने तीसरे सेट की शुरुआत एक-दूसरे की सर्विस तोड़कर की, लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने 3-2 पर ब्रेक हासिल किया और उसके बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने अपनी सर्विस बरकरार रखी और वेकिक की सर्विस तोड़ी, जिससे उन्होंने तीसरा सेट 6-2 से जीता और 2 घंटे 40 मिनट में शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अब स्वियातेक का सामना इवा जोविक से होगा।

कंधे की चोट के कारण इस साल कोर्ट पर नजर नहीं आएंगी पोटपोवा
बोलीं- शरीर को आराम की जरूरत

नई दिल्ली। दुनिया की 25वें नंबर की खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा ने अपने 2026 सीजन को समय से पहले ही खत्म कर दिया है। उन्होंने चोटों से जूझने और करियर की सबसे अच्छी रैंकिंग हासिल करने के मिले-जुले साल के बाद ठीक होने पर ध्यान देने का फैसला किया है। पोटापोवा ने अपने सोशल मीडिया पर इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका शरीर लगातार उन्हें आराम करने का संकेत दे रहा था। उन्होंने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'मेरा सीजन खत्म हो रहा है। दुर्भाग्य से, हाल ही में मेरा शरीर मुझे बार-बार संकेत दे रहा है कि अब रुकने का समय आ गया है। मेरे लिए यह सबसे साफ संकेत है कि मुझे ब्रेक लेने, अपने शरीर

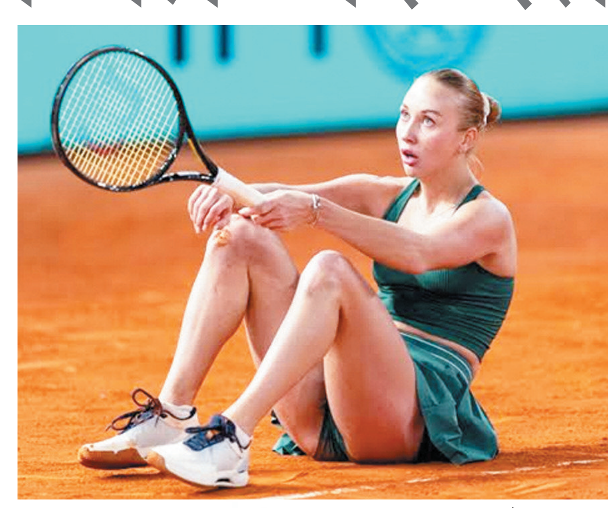

को ठीक होने के लिए जरूरी समय देने और मजबूती से वापसी करने की जरूरत है। 2027 में मिलते हैं।' पोटापोवा ने यह घोषणा बीजिंग टूर्नामेंट में सिन्जा क्रॉस के खिलाफ अपने शुरुआती दौर के मैच से दाहिने कंधे की चोट के कारण हटने के कुछ दिनों बाद की है।

उन्हें इसके बाद वुहान में खेलना था, लेकिन अब वह नए सीजन के लिए पूरी तरह फिट होने पर ध्यान देंगी। इस फैसले के साथ ही उस सीजन का समापन हो गया जिसमें पोटापोवा ने रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई। उन्होंने साल की शुरुआत लिन्ज से पहले 97वें स्थान पर रहते हुए की थी, लेकिन धीरे-धीरे रैंकिंग में ऊपर चढ़ती गई और आखिरकार करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग तक पहुंचीं, जो अभी भी उनकी मौजूदा रैंकिंग है। उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन क्ले कोर्ट पर रहा। पोटापोवा लिन्ज में फाइनल तक पहुंचीं, 'लकी लूजर' के तौर पर मैड्रिड सेमीफाइनल में जगह बनाई और रोम तथा फ्रेंच ओपन दोनों में चौथे दौर तक पहुंचीं।

नेशंस लीग
पुर्तगाल ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह, नॉर्वे को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने यूईएफए नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रही पुर्तगाल टीम ने 79वें मिनट में गोंकालो रामोस के विजयी गोल की मदद से नॉर्वे को 2-1 से हराया। क्रिस्टोफर अजेर ने शानदार हाफ-वॉली के जरिए मेहमान टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन दो मिनट बाद ही जोआओ कैंसेलो ने शानदार अंदाज में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने बढ़त हासिल कर ली। जोआओ फेलिक्स के शानदार पास पर गोंकालो रामोस ने गोल दागा। दो बार नेशंस लीग का खिताब जीत चुकी पुर्तगाल की टीम ने मैच के अंत तक अपनी बढ़त कायम रखी और ग्रुप ए4 में जीत का सिलसिला जारी रखा। हालांकि, मैच के आखिरी मिनटों में फ्रांसिस्को कॉन्सेकाओ को दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा, लेकिन इससे टीम की जीत पर कोई असर नहीं पड़ा। वहीं दूसरी ओर, रासमस होजलुंड और जोशुआ जर्कजी ने अहम भूमिका निभाई और डेनमार्क तथा नीदरलैंड्स ने भी महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

गोलरहित ड्रॉ रहा जर्मनी और ग्रीस के बीच खेला गया मुकाबला

थेसालोनिकी (ग्रीस)। जर्मनी की टीम ने ग्रीस के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेलकर अपना इंटरनेशनल ब्रेक समाप्त किया। 2026/27 यूईएफए नेशन्स लीग में चार मैचों के बाद जर्मनी के पांच अंक हैं। टीम अपने ग्रुप में नीदरलैंड्स और ग्रीस के बाद तीसरे स्थान पर बनी हुई है। जर्मनी पर अपनी पहली जीत दर्ज करने के एक हफ्ते बाद ग्रीस ने थेसालोनिकी में गोलरहित ड्रॉ खेलकर अपनी अजेय लय जारी रखी। टीम ने पूरे मैच में दबाव झेला, लेकिन हार से बचने में सफल रही। मैच में पहला अच्छा मौका ग्रीस को मिला, जब जियोर्गोस मासौरास के हेडर को

जर्मनी के गोलकीपर जोनास अर्बिग ने शानदार तरीके से रोक दिया। इसके बाद जर्मनी ने पहले हाफ में लगातार हमले किए और 15 शॉट लगाए। ग्रीस के गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने भी डेविड राउम के खतरनाक शॉट को बचाकर टीम को बढ़त लेने से रोका। दूसरे हाफ में दोनों टीमों को ज्यादा बड़े मौके नहीं मिले। जर्मनी के फिलिप ट्रेउ के पास गोल करने का अच्छा मौका था, लेकिन उनका करीब से लगाया गया हाफ-वॉली शॉट गोल पोस्ट के ऊपर निकल गया। ग्रीस को मैच के दूसरे ही मिनट में गोल करने का बड़ा मौका मिला, लेकिन जियोर्गोस मासौरास के हेडर को जर्मनी के गोलकीपर जोनास अर्बिग ने शानदार बचाव से रोक दिया।